मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	42.1	30.2
जमशेदपुर	39.4	25.8
डालटनगंज	39.4	27.5

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, शुक्रवार 07 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 59 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद और एनडीए की सरकार बनने से पहले ही भाजपा के सहयोगी दलों खास कर जदयू और तेलुगुदेशम पार्टी ने दबाव बनाने की शुरुआत कर दी है. मोदी 3.0 सरकार बनने से पहले ही प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने अपनी बड़ी डिमांड रख दी है. नीतीश अग्निवीर पर नए तरीके से विचार, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर व्यापक चर्चा, जातिगत जनगणना, बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और मंत्रालयों में भागीदारी पर गंभीर दिख रहे हैं. वहीं चंद्रबाबू नायडू आंध्र की नई राजधानी अमरावती के लिए एकमुश्त धनराशि चाहते हैं. साथ ही लोकसभा अध्यक्ष के पद के अलावा कम से कम पांच मलाईदार मंत्रीपद भी चाहते हैं. नायडू और नीतीश बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का स्टेटस भी चाहते हैं. इस बीच, महाराष्ट्र से भी भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है. वहां पर एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल एनसीपी अजित पवार गुट के 15 से अधिक विधायक एकबार फिर से शरद पवार के संपर्क में हैं. यही नहीं बंगाल से टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने भी बम फोड़ा है. उनका दावा है कि बंगाल के कई सांसद और विधायक टीएमसी के संपर्क में हैं. इधर, यूपी भी में सबकुछ ठीक नहीं है. चुनाव हारने के बाद भाजपा नेतृत्व ने सीएम योगी आदित्यनाथ को दिल्ली तलब कर लिया है. इससे योगी समर्थक विधायक और सांसद काफी नाराज हैं. इन सबके बीच, शुक्रवार को एनडीए सांसदों की बैठक होनी है, जिसमें नरेंद्र मोदी को नया नेता चुना जाएगा. माना जा रहा है कि मोदी रविवार को प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

सत्ता की जोड़-तोड़ **सरकार बनी नहीं, सहयोगी दलों की प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू, जदयू ने कहा**

अग्निवीर खत्म हो, यूसीसी को छोड़ें

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

नरेंद्र मोदी को नेता चुनने के लिए शुक्रवार को भाजपानीत एनडीए के नवनिर्वाचित सांसदों की बैठक होने की संभावना है. सूत्रों ने कहा कि मोदी के राजग संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद तेदेपा सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार जैसे गठबंधन के वरिष्ठ सदस्य राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे और उन्हें समर्थन देने वाले सांसदों की सूची सौंपेंगे. उन्होंने कहा कि मोदी संभवतः रविवार (9 जून) को शपथ ले सकते हैं. एनडीए के पास 293 सांसद हैं, जो 543 सदस्यीय लोकसभा में बहुमत के 272 के आंकड़े से अधिक है. अमित शाह और राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को दिनभर एक बैठक की और सरकार गठन के प्रयासों को गति देने को लेकर विचार-विमर्श किया. यह बैठक भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर हुई. पार्टी नेताओं के मुताबिक, इस बैठक में भावी मंत्रिपरिषद के गठन में राजग के घटक दलों की भागीदारी सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई. गठबंधन सरकार के मुखिया के रूप में तीसरी बार शपथ लेने की तैयारी कर रहे मोदी ने बुधवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों की एक बैठक की अध्यक्षता की थी, जिन्होंने उन्हें सर्वसम्मति से अपना नेता चुना था.

4 सांसदों पर बनेगा एक मंत्री

क्या सहयोगी दलों को नई सरकार में शामिल करने का फार्मूला तैयार हो गया है? मोदी की अगुवाई में बननेवाली एनडीए की तीसरी सरकार से पहले मंत्रिमंडल गठन के फार्मूले पर तेजी से काम चल रहा है. एनडीए में भाजपा के सहयोगी दलों की तरफ से 4-1 का अनुपात का सूत्र प्रस्तावित किया गया है. सहयोगी दल चाहते हैं कि उन्हें उनके प्रत्येक चार सांसद पर एक मंत्री का पद मिले. अगर यह फार्मूला ही लागू हुआ, तो सहयोगी दलों के 25% सांसद मंत्री बन जाएंगे. तेदेपा के 16 सांसद हैं. उनके बाद नंबर नीतीश का है, जिनकी पार्टी के 12 सांसद बने हैं. टीडीपी के केंद्र सरकार में चार, जबकि जेडीयू के 4 मंत्री हो जाएंगे. इसी फार्मूले से शिवसेना और चिराग पासवान की पार्टी एलजेपी (आर) के दो-दो सांसद मंत्री पद की शपथ ले सकते हैं.

आज एनडीए के नेता चुने जा सकते हैं नरेंद्र मोदी, 9 जून को शपथ संभव

भाजपा बना रही रणनीति, साथी दलों के दबाव में नहीं आएगी

राजनाथ-शाह निकाल रहे नई सरकार का रास्ता

जदयू नेता केसी त्यागी ने बताया पूरा प्लान

जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा, अग्निवीर योजना से बड़ा वर्ग नाराज है. हमारी पार्टी चाहती है कि जिन कमियों पर सवाल उठे हैं, उन पर विस्तार से चर्चा हो और उन्हें दूर किया जाए. यूसीसी (समान नागरिक संहिता) पर नीतीश पहले ही विधि आयोग प्रमुख को पत्र लिख चुके हैं. हम इसके खिलाफ नहीं हैं, लेकिन सभी से बात करके इसका समाधान होना चाहिए. संकेत हैं कि आगे भी जदयू अपनी बात रखेगा. केसी त्यागी ने इशारों में ही सही, भाजपा के लिए टेंशन बढ़ाने के संकेत दे दिए हैं. जदयू का यूसीसी, अग्निवीर, जातीय जनगणना जैसे मुद्दों पर हमेशा से अलग रुख रहा है. इसको लेकर भाजपा पर प्रेशर डाला जा सकता है. नीतीश चाहते हैं कि अग्निवीर योजना पर मोदी 3.0 सरकार बनने के साथ ही नए तरीके से सोचा जाए. इसके अलावा जेडीयू का मानना है कि समान नागरिक संहिता एक पेंचीदा विषय है. इस पर सबकी अलग राय है. इसलिए सभी राजनीतिक दलों और स्टेक होल्डर्स से इस पर व्यापक रूप से चर्चा हो. क्योंकि इस मुद्दे पर शुरू से सभी राजनीतिक दलों में गतिरोध रहा है. कोई दल चाहता है कि इसे फौरन लागू किया जाना चाहिए. वहीं, कई दल इसके पक्ष में नहीं है. वहीं, केंद्र सरकार के नहीं चाहने के बावजूद नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार ने जातीय सर्वे कराकर उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक की थी. अब चाहते हैं कि केंद्र में बनने वाली मोदी सरकार पूरे देश में जाति गणना करवाये. केसी त्यागी ने बताया कि केंद्र सरकार के गठन में नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की बातचीत में जो अहम बिंदु होगा, वो है 2025 में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव. सीएम के तौर पर नीतीश ने अपने लंबे कार्यकाल के दौरान बिजली के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया है. नीतीश बिहार में तुरंत विधानसभा चुनाव कराने के पक्षधर भी हैं.

काट निकाल रही भाजपा

इस बीच, सूत्रों ने बताया कि भाजपा नेतृत्व नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की जायज मांगें ही मानेगा. इसलिए, भाजपा एनडीए सांसदों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रही है. उम्मीद है कि भाजपा के साथ एनडीए में 303 सांसद आ जाएंगे. इतने सांसदों के आ जाने पर नीतीश या नायडू का प्रेशर कम किया जा सकेगा. इन लोगों के समर्थन वापस लेने पर भी भाजपा सरकार पर असर नहीं पड़ेगा. सूत्रों के मुताबिक भाजपा सहयोगियों को मुंहमांगा मंत्रालय या लोकसभा स्पीकर का पद नहीं देने जा रही है. अग्रिवीर जैसी स्कीम या यूसीसी पर भाजपा अपना कदम पीछे हटाने के मूड में नहीं है. हां, भाजपा अपने सहयोगियों की संख्या बढ़ा कर जदयू-टीडीपी को उनकी हैसियत में रखना चाहेगी.

मोदी के सामने गहराता संकट

सुरजीत सिंह

कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संभवतः अपने राजनीतिक जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों से गुजर रहें हैं. पिछले दस सालों में मोदी-शाह ने जिसे चाहा मंत्री-मुख्यमंत्री बनाया, जब चाहा हटाया. किसी ने चूं तक नहीं किया. दस सालों में शायद ही किसी ने आवाज उठाई. भाजपा के कद्दावर नेता भी चुप ही रहे. लेकिन इस बार स्थिति अलग है. भाजपा को बहुमत से 32 सीटें कम आईं. इसका असर सामने दिखने लगा है. दिल्ली में भाजपा के दो सहयोगी जदयू और टीडीपी समर्थन के बदले शर्तें रख रहे हैं. ऐसा पिछले दस सालों में कभी नहीं हुआ. किसी सहयोगी ने शर्त रखने की हिमाकत नहीं की. टीडीपी व जदयू की शर्तों को मानना मोदी और भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है. क्योंकि पिछले दस सालों से मोदी और भाजपा जिस रास्ते पर चल रहे थे, उस रास्ते से यू-टर्न लेना उनके समर्थकों को कतई पसंद नहीं आएगा. जो समर्थक अयोध्या में हार पर हिंदुओं को गाली देने के अभियान में कूद पड़े हैं, वह नीतीश कुमार न चंद्रबाबू नायडू की शर्तें मानने पर मोदी-शाह को बख्शेंगे, इस पर संदेह है. मसलन टीडीपी का मुस्लिमों को आरक्षण देने और जदयू का जाति जनगणना का मुद्दा. इसके साथ ही यूनिवर्सल सिविल कोड पर जदयू की शर्तें.

त्वरित टिप्पणी

उत्तर प्रदेश में करारी हार ने पार्टी के भीतर के विवाद को सतह पर ला दिया है. आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है. पार्टी ने योगी समेत यूपी भाजपा के बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाया है. उनके समर्थक सांसद-विधायक नाराज हैं. उधर, महाराष्ट्र में एनसीपी (शिंदे गुट) के 18 विधायक टूटने वाले हैं. एनसीपी (शरद यादव) के नेता ने इसकी पुष्टि की है. इस बीच पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने यह बयान देकर सनसनी फैला दी है कि भाजपा के कई सांसद उनके संपर्क में हैं.

आम तौर पर भाजपा में ऐसे हालात कम ही दिखते हैं. भाजपा अनुशासन वाली पार्टी के रूप में जानी जाती है. खराब से खराब परिस्थिति में भी भाजपा के नेता टूटते नहीं. खास कर सांसद-विधायक. जो भी होता था भीतर ही भीतर, लेकिन इस बार चीजें बाहर आ रहीं है. भाजपा नेता मीडिया में बोल रहे हैं. खुल कर बोल रहे हैं. ऐसा लगता है पिछले पांच-सात सालों से दबा हुआ गुबार बाहर निकल रहा हो. महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडनवीस ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की पेशकश की. फडनवीश की इस पेशकश को राजनीतिक विश्लेषक मोदी से जोड़ कर देख रहे हैं. क्योंकि चुनाव मोदी के नाम पर ही लड़ा गया. लिहाजा भाजपा का बहुमत से दूर रहने की जिम्मेदारी भी उनकी होनी चाहिए. उन्होंने अब तक किसी तरह की जिम्मेदारी नहीं ली है. नरेंद्र मोदी के सामने दिक्कत यह है कि वह सहयोगियों को खुश कर एकजुट करें या भाजपा व सहयोगियों पार्टियों को टूटने से बचायें. चुनाव से पहले यह स्थिति विपक्षी पार्टियों के सामने थी, चुनाव के बाद भाजपा व एनडीए की पार्टियों के सामने.

महाराष्ट्र में होने वाला है बड़ा खेला!

अजित पवार के 15 विधायक शरद के संपर्क में, गिरेगी सरकार?

एजेंसी। मुंबई

चुनावों में एनडीए की हार के बाद महाराष्ट्र की सियासत गरमा गई है. शरद पवार गुट ने दावा किया है कि अजित पवार के 15 से अधिक विधायक पार्टी प्रमुख के संपर्क में हैं. इसके बाद राज्य में सियासी हलचल बढ़ गई है. दावा किया जा रहा है कि चुनावों में विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी के 30 सीटें जीतने के बाद एनसीपी के 15 से अधिक विधायक फिर शरद पवार गुट में वापसी कर सकते हैं. शरद के खेमे से यह दावा रोहित पवार ने किया है. सियासी उथल-पुथल के बीच अजित पवार ने भी विधायकों के साथ बैठक की. लेकिन इसमें कई विधायक नहीं पहुंचे. 10 महीने पहले अजित चाचा शरद पवार को छोड़ कर महायुति में चले गए थे. बारामती में करारी हार के बाद अजित खेमा बैकफुट पर हैं. अजित की अगुवाई वाली एनसीपी को सिर्फ 1 सीट मिली है, तो वहीं शरद पवार की नई पार्टी ने नए सिंबल पर 10 सीटों पर चुनाव लड़कर 8 पर जीत हासिल की. अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी के पास अभी 40 विधायक हैं. अगर विधायक फिर से शरद गुट में वापसी करते हैं तो राज्य में सियासी संकट खड़ा हो सकता है. महाराष्ट्र में बीजेपी के पास 103 विधायक हैं, जबकि शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के पास 40-40 विधायक है. 288 सदस्यों वाली विस में आठ सीटें खाली हैं. अगर एनसीपी के विधायक वापस लौटते हैं, तो कुछ विधायक शिवसेना के भी इस रास्ते पर चल सकते हैं. अक्टूबर-नवंबर में चुनाव होने हैं. रोहित पवार ने बातचीत में कहा कि अजित की पार्टी के कम से कम 19 विधायक हमारे संपर्क में हैं. अगले कुछ दिनों में विधायक क्या फैसला लेंगे, इसकी तस्वीर साफ हो जाएगी.

बंगाल में अभिषेक बनर्जी का दावा

भाजपा के सांसद व विधायक संपर्क में

कोलकाता। टीएमसी के अभिषेक बनर्जी ने बड़ा दावा किया है. उन्होंने कहा कि हम केंद्र में गठबंधन की सरकार बनाने के लिए समर्थन जुटा सकते हैं. बनर्जी टीएमसी के प्रतिनिधि के तौर पर इंडिया गठबंधन की बैठक में मौजूद थे. सूत्रों से पता चला है कि बंगाल से बीजेपी के तीन सांसद अभिषेक बनर्जी के संपर्क में है. अगर ऐसा होता है तो बीजेपी के लिए ये अच्छी खबर नहीं है. अभिषेक बनर्जी ने दावा किया है कि बंगाल से भाजपा के कई सांसद और विधायक उनके संपर्क में हैं. इन विधायकों-सासंदों ने कहा कि उनसे जो कहा जाएगा, वो वही करेंगे.

उत्तर प्रदेश से भी अच्छी खबर नहीं

योगी समर्थक सांसद और विधायक नाराज

लखनऊ। यूपी से भी भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है. सपा नेता शिवपाल यादव ने दावा किया है कि चुनाव हारने के बाद योगी आदित्यनाथ को दिल्ली करने के बाद योगी समर्थक कई सांसद काफी नाराज हैं. योगी को छेड़ा गया, तो सांसद अलग राह पकड़ सकते हैं. शिवपाल ने दावा किया कि यूपी में आज चुनाव हो जाएं, तो विस में भी सपा को भारी जीत मिलेगी. इस बीच योगी और दोनों डिप्टी सीएम को केंद्रीय नेतृत्व ने दिल्ली तलब किया है. यूपी में खराब प्रदर्शन के लिए योगी पर गाज गिरने की चर्चा है. ऐसे में योगी के समर्थक सांसद नया गुल खिला सकते हैं.

चंद्रबाबू -नीतीश को अखिलेश ने दिया संदेश

इतिहास ने मौका दिया है, तो चूको मत

लखनऊ। चुनाव में एनडीए को बहुमत मिलने और पीएम नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ की तैयारियों के बीच इंडिया गठबंधन ने सरकार बनाने की उम्मीदें नहीं छोड़ी हैं. सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को एक तरफ यह कह दिया कि सरकारें बनती हैं, तो गिरती भी हैं, तो दूसरी तरफ केंद्र की मोदी सरकार में अहम किरदार होने जा रहे चंद्रबाबू और नीतीश पर डोरे भी डालने की कोशिश की. अखिलेश ने कहा, भाजपा का साथ नामसमझी है. इतिहास ने मौका दिया, तो कतई चूकिए मत. साम्प्रदायिक राजनीति के चंगुल से मुक्त करने के अभियान में जनता का साथ दीजीए. अखिलेश ने एक्स पर लिखा-हमारी एकता ही शक्ति है और देश की जनता की नई उम्मीद भी! जनता ने भाजपा को बहुमत न देकर नैतिक रूप से हरा दिया है. बिना नायडू या नीतीश का नाम लिए अखिलेश ने लिखा कि आज जो भाजपा के साथ जाकर नासमझी दिखा रहे हैं. उन्हें भी जनादेश का सम्मान करना चाहिए और देश को साम्प्रदायिक राजनीति के चंगुल से मुक्त करने के अभियान में जनता का साथ देना चाहिए.

ना हम हारे न तुम जीते

बैजनाथ मिश्र

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

लोकसभा चुनाव का परिणाम मजा दे गया. किसी को भी मतदाताओं ने इतना नहीं दिया कि उसकी बांछें खिल जायें सिवाय सपा और कुछ हद तक टीएमसी के. एक्जिट पोलरों के आंसू पोंछने और मातमपुर्सी के लिए भी कोई नहीं मिल रहा है. जनता ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले एनडीए को सत्ता की चाबी जरूर सौंपी है. लेकिन भाजपा के पैरों तले बिछी लाल कालीन खींच ली है. वह साफ जरूर नहीं हुई है, लेकिन हांफ रही है. मोदी कह जरूर रहे हैं कि भाजपा को विपक्षी गंठबंधन को मिली कुल सीटों से ज्यादा सीटें मिली हैं, लेकिन यह "दिल बहलाने का गालिब ये ख्याल अच्छा है" जैसा ही है. इसी प्रकार मतदाताओं ने विपक्ष को उतना ही दिया है जिससे वह सरकार पर नकेल कस सके न कि वह तीन-तिकड़म से सरकार बना सके. यानी सत्ता के तोते उसके हाथ से दूर हैं. संसदीय जनतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना एक शुभ संकेत है तो गंठबंधन की सरकार चलाना मोदी के लिए परीक्षा भी है. वह प्रधानमंत्री बनेंगे और इससे एक इतिहास भी बनेगा, लेकिन अब उनकी वह ठसक नहीं रहेगी जो पहले थी. यह कसक उन्हें हमेशा सालती रहेगी. अब वह मनमाफिक फैसले लेने के लिए स्वतंत्र, स्वछंद नहीं होंगे. संभव है एनडीए को नये सिरे से गठित करने और संयोजक बनाने की मांग भी उठे.

प्रसंगवश

मतदाताओं ने अपने फैसले से चुनाव आयोग को बेईज्जत होने से और ईवीएम को गालियां खाने से बचा लिया है. नतीजे आने के पहले तक चुनाव आयोग विपक्ष के निशाने पर था. एक्जिट पोल के अनुमानों के बाद तो ऐसा माहौल बनाया गया मानो विपक्ष गृह युद्ध के हालात पैदा कर देगा. लेकिन क्या मजेदार रिजल्ट आया कि न कुकुर भूंक रहा है, ना सियार जाग रहा है. सब खुश हैं और जो कराह रहे हैं, वे भी अपनी पीड़ा सार्वजनिक करने में लजा रहे हैं. क्या नहीं हुआ है, लोकतंत्र सुरक्षित हो गया है, जो बेचारा पूरे चुनाव भर खतरे में था. अब यह यकीन किया जा सकता है कि 2029 में लोकसभा के चुनाव फिर होंगे. नहीं तो हुंकार यही था कि मोदी प्रचंड बहुमत से आये तो अगला चुनाव नहीं होगा. अब संविधान भी सुरक्षित हो गया है जो दो महीने से असुरक्षा के आडम्बरी भाषणों से सिमटा सहमा था. पता नहीं अगले पांच सालों तक महंगाई-बेरोजगारी खत्म होगी या नहीं और विपक्ष इस मुद्दे पर सदन ठप करेगा या नहीं, लेकिन यकीन मानिए अगला चुनाव भी इसी मुद्दे पर होगा और उसके आगे के चुनावों में भी ये मुद्दे हावी रहेंगे. नरेंद्र मोदी पता नहीं सबका साथ सबका विकास का नारा बदलेंगे या मृग मरीचिका में भटकते रहेंगे. दोनों गंठबंधनों को वोटरों ने छाती पीटने और माथा कूटने के लिए विवश किया है, तो मुस्कराने के लिए भी मौका दिया है.

भाजपा यह चुनाव हारी जरूर है, लेकिन उसने बीजद से न केवल ओड़िशा छीन लिया है, बल्कि लोकसभा में भी स्वीप किया है, वह भी अपने बूते. तमिलनाडु में उसे कोई सीट भले ही न मिली हो, लेकिन उसकी धमक शिद्दत से महसूस की जाने लगी है. केरल में उसने खाता खोला है तो आंध्र प्रदेश में टीडीपी के साथ सरकार बना रही है, लोकसभा सीटें भी जीती है और तेलंगाना में अपनी ताकत दोगुनी कर ली है. लेकिन इन उल्लेखनीय उपलब्धियों पर उत्तर प्रदेश, बंगाल और कुछ हद तक राजस्थान, महाराष्ट्र ने पानी फेर दिया है. उत्तर प्रदेश में तो उसे दारुण पराभव झेलना पड़ा है और सपा ने अपने इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ लिया है. ऐसा क्यों हुआ, कैसे हुआ, इस पर अगली किस्तों में चर्चा होगी, लेकिन इतना तय है कि यदि भाजपा की यही बेढंगी, लापरवाह रफ्तार जारी रही तो 2027 में वह विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं बचेगी. कांग्रेस भी सपा के सहारे उत्तर प्रदेश में लौटी है. वह सेंचुरी के करीब पहुंच गई है, लेकिन मध्य प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड में उसका सूपड़ा साफ हो जाना और बंगाल में बची-खुची जमीन भी गांवा देना उसके लिए सदमे से कम नहीं है. -शेष पेज 7 पर

शेयर बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ जांच के लिए जेपीसी गठित हो : राहुल

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि पीएम नरेंद्र मोदी मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह द्वारा दी गई शेयर खरीदने की सलाह और फिर चुनाव के बाद आए झूठे एग्जिट पोल के कारण स्टॉक बाजार में सबसे बड़ा घोटाला हुआ है, जिसमें निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए.

उन्होंने कहा कि इस आपराधिक कृत्य में प्रधानमंत्री और गृह मंत्री और एग्जिट पोल करने वालों की भूमिका की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया जाए. राहुल गांधी ने संवाददाताओं से कहा, पहली बार हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक बाजार पर टिप्पणी की...फिर एक जून को झूठे एग्जिट पोल आए. उन्होंने दावा किया कि भाजपा के आंतरिक सर्वे में 220 सीट मिल रही थी, लेकिन एग्जिट पोल में ज्यादा सीटें दिखाई गईं. राहुल गांधी का कहना था, तीन जून को स्टॉक बाजार सारे रिकॉड तोड़ देता है, चार जून को खटाक से नीचे चला जाता है. हजारों करोड़ रुपए का निवेश किया गया था.

▪ झूठे एग्जिट पोल के कारण निवेशकों के 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए : राहुल गांधी

पीएम ने क्यों दी निवेश करने की सलाह?

राहुल गांधी ने सवाल पूछा, पीएम ने जनता को निवेश करने की सलाह क्यों दी. अमित शाह ने लोगों को शेयर खरीदने के लिए क्यों कहा. क्या बीजेपी और इन विदेशी निवेशकों के बीच कोई संबंध है तो क्या है. हम इसकी जेपीसी जांच की मांग करते हैं. नरेंद्र मोदी और अमित शाह की भूमिक की जांच हो. कांग्रेस नेता ने कहा, ये मामला काफी बड़ा मामला है. ये अडानी से संबंधित है, लेकिन बहुत बड़ा मसला है. इसका सीधा संबंध प्रधानमंत्री से है. बीजेपी के बड़े पदों पर बैठे लोगों ने ये घोटाला किया है.

हेमंत को चिंता, झारखंड को मणिपुर बनाने में जुटी है भाजपा

फादर स्टेन स्वामी की मौत का बदला है यह लोकसभा चुनावः हेमंत

विशेष संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव झारखंड के 84 वर्षीय जेसुईट पादरी और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता फादर स्टेन स्वामी की हिरासत में अनुचित मौत का बदला है. भाजपा झारखंड को मणिपुर बनाने में जुटी है. उक्त बातें हेमंत के फेसबुक अकाउंट से उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने साझा की है. पोस्ट में कहा गया कि इस राज्य को मणिपुर बनाये जाने की आशंका है. हेमंत के फेसबुक अकाउंट पर लंबा-चौड़ा पोस्ट के साथ उनकी और फादर स्टेन स्वामी की फोटो भी अपलोड की गयी है. पोस्ट में कहा गया है कि जो लोकसभा चुनाव संपन्न हुए, वह झारखंड के 84 वर्षीय जेसुइट पादरी और आदिवासी अधिकार कार्यकर्ता फादर स्टैन स्वामी की हिरासत में हुई अनुचित मौत का बदला है. उनकी मौत भारत की लोकतंत्र और मानवाधिकारों की स्थिति पर एक काला धब्बा है, उसका बदला लेने की यह शुरुआत है.

खास बातें

- हेमंत के फेसबुक पेज से कल्पना ने पोस्ट किया साझा
- हेमंत सोरेन के साथ भी ऐसा ही हो रहा है व्यवहार

हर झारखंडी को खड़े होने की जरूरत

दिवंगत स्टेन स्वामी।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन.

फादर स्टेन की तरह हेमंत के साथ भी हो रहा जुल्म

पोस्ट में आगे कहा गया कि दशकों से आदिवासी समुदायों के अधिकारों के लिए वकालत व लड़ाई लड़ने वाले फादर स्टेन के उच्च आयु और पार्किंसंस रोग के बावजूद उन्हें भाजपा सरकार द्वारा लगाये गये झूठे आतंकवाद के आरोपों पर जमानत और समुचित चिकित्सा उपचार से वंचित रखा गया. पानी पीने के लिए 25 पैसे का स्ट्रॉ नहीं दिया गया. स्वामी की मौत मानवाधिकार कार्य का अपराधीकरण है. जेल की स्थितियों से बिगड़ते स्वास्थ्य के कारण, फादर स्टैन की दुर्भाग्यपूर्ण मौत 5 जुलाई, 2021 को हिरासत में हो गयी. उनकी मौत आतंकवाद के बहाने से विपक्ष और आदिवासियों को दबाने और मानवाधिकार कार्य को अपराधीकरण करने की भाजपा की नीति का उदाहरण है. जैसे सबसे कमजोर वर्ग के लिए आवाज उठाने वाले फादर स्टेन को संस्थागत उपेक्षा और अन्याय से चुप कराया गया. आज उसी तरह का जुल्म हेमंत सोरेन पर हो रहा है. कल्पना के मुताबिक, आज जरूरत है हर एक झारखंडी को हेमंत सोरेन के पक्ष में मजबूती के साथ खड़ा होने की, वरना ये झारखंड को मणिपुर बनाने से बाज नहीं आयेंगे.

बाबूलाल ने हेमंत पर कसा तंज, कहा-

'जेल के खेल' के खुद ही शिकार हो गए पूर्व सीएम

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन पर तंज कसा है.

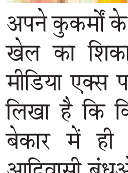

कहा है कि ईश्वर का न्याय देखिए कि जिस जेल के खेल को आपने शुरू किया, अपने कुकर्मों के कारण आप भी उसी खेल का शिकार हो गए. सोशल मीडिया एक्स पर बाबूलाल ने आगे लिखा है कि कि हेमंत सोरेन अब बेकार में ही मानवाधिकार और आदिवासी बंधुओं की चिंता में दुबले हुए जा रहे हैं. जब संथाल में सैकड़ों आदिवासी बेटियों को लव जिहाद में फंसाया गया, शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए, गाड़ियों से कुचला गया, तब आपको आदिवासियों की याद नहीं आई?

बैरक का सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक कराएं

बाबूलाल मरांडी ने सीएम चंपाई सोरेन को टैग करते हुए लिखा कि अगर हेमंत को जेल में कथित यातनाएं दी जा रही हैं, तो न्यायालय से अनुरोध कर वे अपने बैरक का सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करवायें. जेल मैनुअल के अनुसार उन्हें सारी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए वे उनके पक्ष में खड़ा रहेंगे. चंपाई सोरेन सरकार को जेल मैनुअल के अनुसार सारी सुविधाएं देने के लिए मजबूर कर देंगे.

एक्शन में सरकारः तीन रिटायर हो चुके अफसरों पर चलेगी विभागीय कार्यवाही

भ्रष्टाचार की वैतरणी में डूबे राज्य सेवा के 13 अफसर, विभागीय एक्शन होगा

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के ब्यूरोक्रेट्स ही नहीं बल्कि राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर भी भ्रष्टाचार की वैतरणी में डूब चुके हैं. चंपाई सरकार ने इन अफसरों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. राज्य सेवा के 13 अफसरों पर विभागीय एक्शन होगा. इन अफसरों के खिलाफ रैयतों की वंशावली में हेर फेर करने, मनरेगा में गड़बड़ी, जमीन का अवैध रूप से हस्तांतरण करने सहित कई गंभीर आरोप हैं. इनमें से तीन अफसर जो रिटायर हो चुके हैं, उनके खिलाफ भी सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. इन अफसरों रवींद्र कुमार सिंह, रविशंकर और मुकुंद दास के नाम शामिल हैं. जानिए अफसरों पर कैसे-कैसे लगे हैं आरोप.... पेश है रिपोर्ट

मनरेगा में जेसीबी के उपयोग का आरोप : मांडर के तत्कालीन बीडीओ गोपी उरांव पर कई गंभीर आरोप लगे हैं. गोपी उरांव पर स्वीकृत योजनाओं के पर्यवेक्षण में रुचि नहीं लेने, मनरेगा कार्य में जेसीबी का उपयोग करने का आरोप है. साथ ही डोभा के स्वीकृत और वास्तविक आकार में भिन्नता का आरोप है. मनरेगा मजदूरों की मजदूरी भुगतान में विलंब और प्रखंड में उपलब्ध कराए गए टैबलेट का उपयोग नहीं करने का भी आरोप है. राज्य सरकार ने गोपी उरांव के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है.

सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप

राज्य सेवा के दो अफसरों पर सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप है. इसमें स्कूली शिक्षा विभाग के तत्कालीन अवर सचिव अरविंद कुमार सिंह पर सजायाफ्ता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को अनुसचित तरीके लाभ पहुंचाने का आरोप है. वहीं राजेंद्र प्रसाद राजेश पर भी सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने का आरोप है. इन दोनों अफसरों के खिलाफ राज्य सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है.

कर दी थी रैयतों की वंशावली में हेर-फेर

राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर महेंद्र मांझी के खिलाफ सरकार ने विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया है. साथ ही एक वेतन वृद्धि पर भी रोक लगा दी है. बोरियो के तत्कालीन सीओ महेंद्र मांझी पर रैयतों की वंशावली की सत्यता जांच किए बिना अग्रसारित करने और मुआवजा के लिए फाइल आगे बढ़ाने का आरोप है. आरोपों की जांच के बाद यह बात सामने आई कि भूमि का मुआवजा देने के लिए वंशावली बनाने में देरी की गई. साहिबगंज डीसी ने आरोप पत्र तैयार कर मुख्यालय में भेजा था.

कोडरमा के तत्कालीन सीओ पर होगा एक्शन

कोडरमा के तत्कालीन सीओ अशोक राम के खिलाफ सरकार ने विभागीय कार्यवाही चालने का आदेश दिया है. वहीं तत्कालीन भूमि सुधार उप समाहर्ता गोड्डा लखी राम बास्के को निंदन की सजा मिली है. अशोक राम के खिलाफ जमीन का सत्यापन किए बिना जमाबंदी धारकों के नाम से 24 एकड़ गैरमजरूआ खास भूमि का ऑनलाइन लगान रसीद निर्गत करने का आरोप है. इस मामले में कोडरमा डीसी ने आरोप पत्र गठित कर कार्रवाई की अनुशंसा की है. प्रथम दृष्टया आरोप प्रमाणित पाया गया है.

इन सात अफसरों पर भी चलेगी विभागीय कार्यवाही

राज्य प्रशासनिक सेवा सात अफसरों पर भी एक साथ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया गया है. उनके पदस्थापन काल में अलग-अलग मामलों पर गड़बड़ी करने के आरोप है. जिन जगहों में ये अफसर पदस्थापित थे, उन जिलों के डीसी ने प्रपत्र क गठित कर सरकार को रिपोर्ट भेजी थी, जिसकी प्रथम दृष्टया जांच में आरोप प्रमाणित पाये गये. इसके बाद पूरे मामले को सीएम के पास भेजा गया था. कार्मिक विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया.

इन अफसरों को मिल चुकी है सजा

पदाधिकारी को प्रताड़ित किया, मिली चेतावनी

जामताड़ा की तात्कालीन बीडीओ अमृता प्रियंका एक्का पर प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी प्रेमचंद को प्रताड़ित करने का आरोप लगा. उन्होंने प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से उनके वेतन में कटौती कर दी. 14 वें वित्त आयोग की योजनाओं में रुचि नहीं ली. 17 दिन के अवकाश में रहने के बावजूद बिना सक्षम प्राधिकार से अवकाश स्वीकृत कराए बिना पद का दुरूपयोग करते हुए वेतन की निकासी की. साथ ही स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कार्यों में रुचि नहीं ली. सरकार ने अमृता प्रियंका एक्का को भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी दी है.

रिजेनरेशन के मामले को लंबित रखा, मिली चेतावनी

मनिका के तत्कालीन बीडीओ वीरेंद्र किड़ो पर भी गंभीर आरोप लगे. 2013 -14 से 2021-22 के बीच रिजेक्ट ट्रांजेक्शन की समीक्षा की गई, जिसमें मनिका में 33 रिजेक्ट ट्रांजेक्शन पाया गया. इसे रिजेनरेशन कराया जाना था, लेकिन इसे लंबित रखा गया. वीरेंद्र किड़ो को इसे शून्य करने का आदेश दिया गया था. इसके बाद भी सिर्फ 31 फीसदी ही रिजेनरेशन हो पाया. वीरेंद्र किड़ो को राज्य सरकार ने सचेत रहने की चेतावनी दी है.

आदेश की अवहेलना करने का आरोप, मिली निंदन की सजा

पोटका के तत्कालीन बीडीओ प्रभाष चंद्र दास पर उच्च पदाधिकारियों के आदेश की अवहेलना का आरोप है. इनके खिलाफ योजनाओं के क्रियान्वयन में उदासीनता बरतने का आरोप है. राज्य सरकार ने प्रभाष चंद्र दास को निंदन की सजा दी है.

गुणवत्ता की अनदेखी, दो वेतन वृद्धि पर रोक लगाई

राजनगर के तत्कालीन बीडीओ सुनील कुमार पर मनरेगा योजनाओं के क्रियान्वयन में प्राकलन के अनुसार काम नहीं कराने का आरोप है. इसके साथ ही उचित अनुश्रवण नहीं करने और गुणवत्ता की अनदेखी करने का भी आरोप है.

पशु शेड योजना में लापरवाही का आरोप, मिली निंदन की सजा

पाटन के तत्कालीन बीडीओ मनोज कुमार तिवारी पर पशुशेड योजना में मनमानी करने और लापरवाही बरतने का आरोप है. साथ ही मनरेगा में अयोग्य लाभुकों का चयन करने का भी आरोप है. राज्य सरकार ने मनोज कुमार तिवारी को निंदन की सजा दी है.

राशि भुगतान नहीं करने का आरोप, मिली चेतावनी

हेरहंज के तत्कालीन बीडीओ प्रदीप कुमार दास पर प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में लापरवाही बरतने का आरोप है. उन्होंने 347 लाभुकों को पहली किश्त की राशि का भुगतान ही नहीं किया. आवास में कुल लक्ष्य 1511 के विरुद्ध सिर्फ 1201 परिवारों का ही निबंधन कराया. राज्य सरकार ने प्रदीप कुमार दास को सचेत रहने की चेतावनी दी.

अराजक माहौल के लिए जिम्मेवार, मिली निंदन की सजा

हुसैनाबाद के तत्कालीन बीडीओ लक्ष्मी नारायण किशोर पर अराजक माहौल के लिए जिम्मेवार होने का आरोप लगा. 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लक्ष्मी नारायण किशोर ने चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया, जिससे अराजक माहौल उत्पन्न हो गया. मतदान कर्मियों को समुचित व्यवस्था उपलब्ध नहीं करा पाए. सरकार ने लक्ष्मी नारायण किशोर को निंदन की सजा दी है.

ज्यादा नशीले पदार्थ मिलने पर डीआईजी स्थल जाएं : डीजीपी

संवाददाता। रांची

डीजीपी अजय कुमार सिंह ने नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई को लेकर गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये समीक्षा बैठक की. इस बैठक में सभी जिलों के एसपी, एसएसपी, रेंज के डीआईजी और जोनल आईजी शामिल हुए. समीक्षा बैठक के दौरान डीजीपी ने निर्देश देते हुए कहा है कि जिस जिले में बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थ की बरामदगी होगी, उस स्थान पर रेंज के डीआईजी को जाना अनिवार्य है. डीजीपी ने चतरा और खूंटी जिले में हो रहे नशीले पदार्थ के उत्पादन को लेकर नाराजगी जतायी. साथ ही दोनों जिले के एसपी को इस पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया. डीजीपी ने कहा कि जहां पर अफीम की खेती को नष्ट किया गया था, उसी स्थान पर फिर से अफीम की खेती हो रही है, इस पर भी कार्रवाई सुनिश्चित की जाये.

नशीले पदार्थों के उत्पादन को लेकर सवालों के घेरे में रहा है झारखंड

अफीम समेत अन्य नशीले पदार्थों के उत्पादन को लेकर झारखंड हमेशा सवालों के घेरे में रहा है. इसके उत्पादन और उपभोग में वृद्धि देखी गयी है. कई बार तो हाइकोर्ट ने भी संज्ञान लेते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया है. झारखंड पुलिस के मुताबिक, बीते पांच सालों में करीब 2024 केस दर्ज किये गये हैं. अफीम उत्पादन और उपभोग के सबसे ज्यादा केस चतरा, पलामू, लातेहार और रांची में दर्ज किये गये हैं. जबकि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स के जरिये उक्त कांडों में करीब 4949 लोगों की गिरफ्तार की गयी है. इस समस्या के समाधान के लिए दीर्घकालीन योजना तैयार की गयी है.

15 अधिकारियों की आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति का रास्ता साफ

प्रमुख संवाददाता। रांची

राज्य प्रशासनिक सेवा के 15 अफसरों को आईएएस संवर्ग में प्रोन्नति का रास्ता साफ हो गया है. यह प्रोन्नति वर्ष 2023 की रिक्तियों के विरुद्ध दी जाएगी. इस राज्य प्रशासनिक सेवा के नौ और गैर प्रशासनिक सेवा के छह अफसर शामिल हैं.

यूपीएससी को भेजे जाएंगे 45 नाम : आईएएस संवर्ग में 15 अफसरों को प्रोन्नति देने के लिए यूपीएससी को 45 नाम भेजे जाएंगे. नियमतः एक पद के विरुद्ध तीन नाम भेजने का प्रावधान है. केंद्र ने इस संवर्ग पर 15 पदों पर प्रोन्नति देने के लिए मंजूरी दे दी है. केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद कार्मिक विभाग ने सभी विभागों से योग्य अफसरों ऊर्जा विभाग, स्वास्थ्य, सहित अन्य विभागों से योग्य अफसरों का नाम मांगा गया है. जल्द ही यह सूची यूपीएससी को उपलब्ध करा दी जाएगी.

गैर प्रशासनिक सेवा से फिलहाल चार आईएएस हैं कार्यरत

झारखंड कैडर में गैर प्रशासनिक सेवा से आइएएस कैडर में प्रोन्नति पाए सिर्फ चार आईएएस ही कार्यरत हैं. इसमें मनोज कुमार, प्रभात कुमार, अजय नाथ झा और अक्षय कुमार सिंह के नाम शामिल हैं. वहीं राज्य प्रशासनिक सेवा से आइएएस कैडर में प्रोन्नति पाए 36 अफसर कार्यरत हैं. वहीं डायरेक्ट आइएएस अफसरों की संख्या 138 है.

44 आईएएस अफसरों की कमी है झारखंड में

राज्य में 44 आईएएस अफसरों की कमी है. राज्य में आईएएस संवर्ग के लिए 224 पद स्वीकृत हैं. इसमें वर्तमान में 180 अफसर ही कार्यरत हैं. इस हिसाब से 44 अफसरों की कमी है.

लैंड स्कैम केस

विनोद सिंह की अग्रिम बेल पर अब 19 जून को सुनवाई

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर अब 19 जून को सुनवाई होगी. गुरुवार की सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से जवाब दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया, जिसे स्वीकार करते हुए कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए 19 जून की तारीख मुकर्रर की है. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची पीएमएलए की विशेष कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है. दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन दायर की है, जिसपर कोर्ट ने संज्ञान भी ले लिया है. इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में न्यायिक हिरासत में बंद हैं. अब आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है. क्योंकि अदालत ने विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के विरुद्ध समन जारी कर दिया है.

खास बातें

- विनोद सिंह और राजकुमार पाहन को समन जारी
- मामले में दोनों की गिरफ्तारी भी हो सकती है

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मुख्य सचिव समेत सभी विभागों को दिया तैयारी का निर्देश

जुलाई में फिर शुरू होगा सरकार आपके द्वार

विशेष संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही झारखंड सरकार हरकत में आ गयी है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सरकार के अहम अभियान सरकार आपके द्वार कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं. इसको लेकर मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव व सभी विभागीय सचिवों को निर्देश दिया है कि इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर लें. बहुत जल्द अभियान को शुरू करने की लिए अहम बैठक होगी. मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सचिवालय स्तर पर हलचलें तेज हो गयी हैं. बताते चलें कि पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की महत्वाकांक्षी अभियान आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत 12 अक्टूबर से शुरू की थी. अब तक कुल तीन चरण का अभियान चलाया जा चुका है,

मीटिंग में तय होगी तिथि

जुलाई में संभावित नगर निकाय चुनाव को देखते हुए सरकार मीटिंग की तिथि तय करेगी. पिछड़ा आयोग ने ट्रिपट टेस्ट अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है. सरकार का निर्देश आते ही आयोग ट्रिपल टेस्ट कराएगी. इसके बाद नगर निकाय चुनाव का बिगुल बज जाएगा. इसलिए सरकार आपके द्वारा की तिथि जुलाई में नगर निकाय चुनाव या फिर नगर निकाय चुनाव के बाद तय हो सकती है. इन सारी चीजों को लेकर मुख्यमंत्री जल्द ही बैठक करेंगे.

अब तक तीन चरण का अभियान चल चुका है

पूर्ववर्ती हेमंत सोरेन सरकार ने सरकार के तीन वर्ष का कार्यकाल पूरी होने के बाद 12 अक्टूबर 2022 से इस अभियान का शुभारंभ किया था, पहला चरण 12 अक्टूबर से 22 अक्टबूर तक चला था. दूसरा अभियान 2022 में ही 1 नवंबर से 12 नवंबर तक चला था. इस दोनों अभियान के तहत 55,44,554 आवेदन विभिन्न विभागों से संबंधित सरकार को प्राप्त हुए, जिसमें से 55,36,636 आवेदन निष्पादित कर दिए गए हैं. वहीं 7,918 आवेदन अभी प्रक्रियाधीन है. तीसरा चरण 24 नवंबर 2023 से 26 दिसंबर 2023 तक चला. इसमें सबसे अधिक मामले अबुआ आवास योजना के आए.

अभियान और शिविर में ये मामले आए

पंचायत और वार्ड स्तर पर आयोजित शिविरों में अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, सामुदायिक और व्यक्तिगत वनपट्टा से संबंधित मामले, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ दिया जाएगा. इसके अतिरिक्त जाति, आय, जन्म, मृत्यु, दिव्यांगता प्रमाण पत्र में जरूरी संशोधन, भूमि से जुड़े मामले, आयुष्मान कार्ड, आम जनों के सामाजिक-आर्थिक बुनियादी जरूरतों से जुड़े मामले, सर्वजन पेंशन योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना आदि की शिकायत का निवारण होगा.

विडंबना | 10 बोर्ड-निगम में अध्यक्ष ही नहीं, नौ बोर्ड निगम में आईएएस-आइईएफएस का कब्जा

कौन सुनेगा भ्रष्टाचार की शिकायतें, लोकायुक्त-सूचना आयुक्त ही नहीं

रवि भारती/ प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड एक अजब राज्य है. हाल ऐसा है कि यहां पर भ्रष्टाचार की शिकायतों को सुनने वाला कोई नहीं है. तीन साल से अधिक समय गुजर गया, लेकिन झारखंड में लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पाई. लोकसेवकों के भ्रष्टाचार पर काबू पाने के लिए लोकायुक्त की नियुक्ति राज्य करते हैं.

झारखंड में भी लोकायुक्त बहाल होते रहे. अब तक तीन लोकायुक्त समय-समय पर झारखंड में नियुक्त हुए। अंतिम लोकायुक्त रिटायर्ड जस्टिस डीएन उपाध्याय थे. जून 2021 में तत्कालीन लोकायुक्त ने अस्वस्थता के कारण अपना दायित्व सचिव को सौंप दिया। उसी साल बाद में उनका निधन हो गया. तब से नये लोकायुक्त की नियुक्ति नहीं हो पायी है.

चार साल बाद भी सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं : लगभग चार साल गुजर जाने के बाद भी राज्य में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं हो पाई है. सूचना आयुक्त हिमांशु शेखर चौधरी 8 मई 2020 को अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त हुए थे. उसके बाद से ही राज्य सूचना आयोग निष्क्रिय है. एक मुख्य सूचना आयुक्त सहित छह आयुक्तों का सूचना आयोग में प्रावधान है. सभी छह पद मई 2020 से ही खाली पड़े हैं. सूचना आयोग में कोई काम नहीं होने से दफ्तर वीरान पड़ा है. जनवरी 2020 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार के कार्मिक प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग ने मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्तों के रिक्त पदों पर नियुक्ति का विज्ञापन निकाला था. करीब 300 आवेदन प्राप्त हुए थे. आवेदन मंगाने के तकरीबन चार साल बाद भी नियुक्ति के मुद्दे पर कोई प्रगति नहीं हो पायी है.

इन बोर्ड -निगम और आयोग में अध्यक्ष ही नहीं

इन बोर्ड -निगम और आयोग में अध्यक्ष ही नहीं	इन बोर्ड निगम में आईएएस और आईएफएस हैं काबिज
झारखंड राज्य मानवाधिकार आयोग	जेएसएमडीसी
झारखंड राज्य सूचना आयोग	टीवीएनएल
झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग	झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग
अनुसूचित जनजाति आयोग	झारखंड राज्य वित्त आयोग
झारखंड राज्य महिला आयोग	झारखंड फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड
झालको	झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आरआरडीए	झारखंड राज्य ऊर्जा विकास निगम
झारखंड राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड	डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय शोध संस्थान
झारखंड राज्य समाज कल्याण बोर्ड	झारखंड राज्य लोक सेवा आयोग
झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण	
लोकायुक्त	

क्लासिफाइड

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, शुक्रवार 07 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल प्रतिपदा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 8 ● वर्ष : 2, अंक : 59 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

वट सावित्री पूजा

पति की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने की वट सावित्री की पूजा.

रातभर बिल्डिंग में छिपा रहा आरोपी सिपाही, सुबह किया सरेंडर, पति-पत्नी के विवाद को सुलझाने गए थे

लोहरदगा में जवान ने एएसआई की गोली मारकर हत्या की

हुसैन अंसारी। लोहरदगा

झारखंड के लोहरदगा में झारखंड पुलिस का एक सिपाही ने बुधवार रात एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी. जवान लोकसभा चुनाव ड्यूटी से लोहरदगा में किराए के घर लौटा था. किसी बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद हुआ. उसने पत्नी और बेटी को एक कमरे में बंद कर दिया. उसकी पत्नी ने आस-पास के पुलिस वालों से मदद मांगी. तत्पश्चात एएसआई धर्मेंद्र सिंह मौके पर गए थे. इसी दौरान जवान भड़क गया और गोली चला दी. इससे एएसआई धर्मेंद्र सिंह की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई.

जवान आनंद सिंह मुंडा के परिवार का कहना है कि वो मानसिक रूप से बीमार था. वहीं एएसआई के परिवार वालों का कहना है कि जवान को बचाने के लिए परिवार इस तरह की बातें कह रहा है. आरोप ये भी है कि जब जवान मानसिक बीमार था तो उसे ड्यूटी पर क्यों रखा गया था. पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया है.

घटना लोहरदगा के रघु टोली स्थित एसपी आवास के पीछे की है. बताया जा रहा है कि चुनाव ड्यूटी से पहले जवान जिले में कंट्रोल रूम में तैनात था. इधर आरोपी पुलिस जवान को पकड़ने के लिए जब पुलिस टीम पहुंची तो वो बिल्डिंग में छिप गया. पुलिस ने हवाई फायरिंग की. आंसू गैस के गोले छोड़े, लेकिन रातभर वो पुलिस वालों को चमका देते रहा. इस बीच गुरुवार सुबह करीब 8:00 बजे उसने लोहरदगा पुलिस के समक्ष सरेंडर किया.

मृत एएसआई को श्रद्धांजलि देते अधिकारी ,घटनास्थल पर जुटी भीड़.

पत्नी से था झगड़ा, एएसआई को मार दी गोली

जवान आनंद मुंडा मानसिक रूप से बीमार है. वह एसपी कोठी के पीछे पूर्व नप उपाध्यक्ष बलराम साहू के मकान में किराये में रहता था. कुछ दिन पहले उसकी बेटी, बेटा और पत्नी गर्मी की छुट्टी में आए थे. इस दौरान आनंद सिंह मुंडा चुनाव ड्यूटी के लिए गिरिडीह, दुमका, बोकारो, लोहरदगा चला गया,जहां से वह वापस लौटा था. आनंद सिंह मुंडा ने अपनी सर्विस राइफल भी जमा नहीं की थी. बुधवार की रात करीब 9:00 बजे उसने अपनी पत्नी और बच्चों को घर में बंद कर दिया. जिसके बाद उसकी पत्नी ने उसी बिल्डिंग में रहने वाले अन्य पुलिसकर्मियों को इसकी सूचना दी और उन्हें बाहर निकालने का अनुरोध किया. जब एएसआई धर्मेंद्र सिंह और अन्य पुलिसकर्मी उसकी पत्नी को वहां से बाहर निकाल रहे थे, तभी पुलिस जवान आनंद सिंह ने धर्मेंद्र सिंह को गोली मार दी. जिससे धर्मेंद्र सिंह की मौके पर ही मौत हो गई. इसके बाद पुलिस जवान रातभर बंदूक लेकर अपने कमरे में घूमता रहा. इस बीच घटना के बाद सीआरपीएफ और जिला पुलिस की टीम रातभर उसे बाहर निकालने का प्रयास करती रही, लेकिन वह बाहर आने को तैयार नहीं था. गुरुवार की सुबह उसने सरेंडर कर दिया. जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली.

एएसआई धर्मेंद्र सिंह भोलेनाथ के थे सच्चे भक्त

एएसआई मूल रूप से बोकारो के रहने वाले थे. एएसआई धर्मेंद्र सिंह मिलनसार और कुशल व्यक्तित्व के धनी थे. सबसे बड़ी बात कि धर्मेंद्र सिंह कर्तव्यनिष्ठ पुलिस पदाधिकारी के अलावे सामाजिक क्षेत्र में भी काफी अच्छी पैठ रखते थे. महाशिवरात्रि पर भगवान शिव जी की रूपधारण कर विभाग के अलावा लोहरदगा वासियों में चर्चा का विषय भी बने रहते थे. इधर एएसआई धर्मेंद्र सिंह की मौत से पूरे पुलिस महकमा और परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई. लोग आरोपी पुलिस जवान को कड़ी सजा दिलाया जाने की मांग कर रहे थे.

न्यू पुलिस लाइन में दी गई एएसआई को सलामी : जाबांज धर्मेंद्र सिंह को न्यू पुलिस लाइन में पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां की अगुवाई में पुलिस कर्मियों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर सलामी दी. इस दौरान सभी पुलिस कर्मियों की आंखें नम थी.

ब्रीफ खबरें

ठगी करने वाले 5 साइबर अपराधी हुए गिरफ्तार

देवघर। देवघर पुलिस ने बैंक अधिकारी बनकर लोगों के खाते से रुपयों की ठगी करने वाले पांच साइबर अपराधियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया है. एसपी राकेश रंजन के निर्देश पर साइबर डीएसपी राजा मित्र के नेतृत्व में साइबर पुलिस ने जिले के पथरौल और कुंडा थाना क्षेत्र में छापेमारी कर साइबर अपराधियों को दबोच लिया. पकड़े गए आरोपियों में सरोज दास, कुलदीप दास, राजकुमार दास, कन्हैया कुमार व एक नाबालिग शामिल है. इनके पास से छह मोबाइल फोन और अलग-अलग कंपनियों के 11 सिम कार्ड बरामद किए गए हैं.

बर्मामाइंस के केबुल गोदाम में लगी आग, अफरा-तफरी

जमशेदपुर। शहर के बर्मामाइंस स्थित लाल बाबा फाउंड्री केबुल गोदाम में गुरुवार की दोपहर अचानक आग गयी. इस वजह से वहां कुछ देर तक कर्मचारियों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बना रहा. गोदाम मालिक गौतम जायसवाल ने तत्काल अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी. इसके बाद तुरंत मौके पर झारखंड अग्निशमन और टाटा स्टील की दमकल गाड़ी पहुंची. करीब आधा घंटा की मशक्कत के बाद आग पर काबू लिया गया. गौतम जायसवाल ने बताया कि गोदाम में कर्मचारी केबुल को छील रहे थे. उसी बीच आंधी आयी और केबुल छीलने के क्रम में उससे चिंगारी निकली. चिंगारी ने रबर के संपर्क में आकर आग का रूप ले लिया. फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है.

ग्रीन कार्ड की संख्या 4,56,619, हर माह 70,775.955 क्विंटल चावल की जरूरत

नौ माह का राशन बकाया

प्रवीण कुमार। रांची

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभ से वंचित लोगों को राशन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में ग्रीन कार्ड योजना की शुरुआत हुई. लेकिन दूसरी योजनाओं की तरह इसकी हालत भी अब खस्ता हो गई है. इस कार्ड से योजना के अनुसार एक रुपये की दर से ग्रीन कार्ड धारक को 5 किलो अनाज प्रति व्यक्ति उपलब्ध करना है.

नवंबर 2022 से चरमराई व्यवस्था अब तक नहीं सुधरी : राज्य सरकार नें एफसीआई के चावल देने से (नवंबर 2022) इनकार करने के बाद लाभुकों को चावल मुहैया करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की बात कही थी. इसके तहत धान खरीद के समय राज्य आवश्यकता को पूरा करने के बाद एफसीआई को देना की बात कही थी. यह व्यवस्था लागू भी कर दी गयी है. वहीं राज्य में धान खरीद सीजन के समय सरकारी खरीद देरी से शुरू हुई. इस वजह से सरकार अपनी जरूरत को पूरा नहीं कर पा रही है. वर्तमान समय में अगस्त 2023 का राशन वितरण किया जा रहा है. राज्य के 456619 कार्डधारियों को अब तक 2023 अगस्त का राशन वितरण कर रही है.

वैकल्पिक व्यवस्था भी पूरी तरह से फेल साबित हो रही

ग्रीन कार्डधारियों को नहीं मिला है राशन

ग्रीन कार्डधारकों को अगस्त 2023 से ही अनुदानित दर पर चावल मुहैया कराने में राज्य सरकार फेल साबित हो रही है. ग्रीन कार्डधारियों को पिछले नौ माह का राशन अभी नहीं मिला है. खाद्य एवं आपूर्ति विभाग से मिली जानकारी के अनुसार ग्रीन राशन के लाभुकों को बचा हुआ राशन सरकार मुहैया करायेगी. लेकिन यह कब तक पूरा करायेगी, इस पर कुछ कहने को तैयार नहीं.

जिले का नाम	ग्रीनराशन कार्डधारी
बोकारो	30334
चतरा	19846
देवघर	21583
धनबाद	41576
दुमका	14368
पूर्वी सिंहभूम	22881
गढ़वा	22882
गिरिडीह	29759
गोड्डा	24711
गुमला	14855
हजारीबाग	20109
जामताड़ा	13767
कोडरमा	8935
लातेहार	8039
लोहरदगा	8330
पाकुड़	15376
पलामू	25851
रांची	31508
साहिबगंज	21321
सरायकेला खरसावां	13992
सिमडेगा	5217
पश्चिम सिंहभूम	23058
खूंटी	7685
रामगढ़	10636
कुल	456619

चाल धंसने की सूचना पर पहुंचे अधिकारी, मुहाने को बंद कराया

बंद खदान के पास पहुंचे बीसीसीएल के अधिकारी व अन्य.

संवाददाता। कतरास/बरोरा

सोनारडीह ओपी क्षेत्र अंतर्गत बीसीसीएल की बंद पड़ी कोरीडीह तीन नंबर खदान में गुरुवार को अवैध खनन के दौरान चाल धंसने की खबर जंगल में आग की तरह फैली. कोयला तस्कर बंद खदान का मुहाना खोलकर कोयले की कटाई करवा रहे थे. इसी दौरान चाल धंसने की बात कही जा रही है. सूचना मिलते ही बीसीसीएल के अधिकारी आनन-फानन में मौके पर पहुंचे और सीआईएसएफ व सोनारडीह ओपी पुलिस की मौजूदगी में खोले गए दो मुहानों को डोजर से ओबी डाल कर बंद करवा दिया. लेकिन कोयला तस्करों द्वारा मुहाने के बाहर रखे गए अवैध कोयले को न तो बीसीसीएल के अधिकारियों ने अपने कब्जे में लिया, न ही पुलिस व सीआईएसएफ ने कोयला जब्त करने में कोई दिलचस्पी दिखाई. बीसीसीएल अधिकारी, सीआईएसएफ व पुलिस अधिकारी तस्करों पर मेहरबान दिख रहे थे. कार्रवाई के नाम पर सिर्फ आई वाश किया गया. स्थानीय लोगों की मानें तो यहां करीब एक महीने से अवैध मुहाना खोलकर कोयले की कटाई की जा रही है. खदान से कोयला निकालकर रात के अंधेरे में बड़ी गाड़ियों पर लोड कर तस्कर बाहर भेजते हैं. गुरुवार को कोयला कटाई के दौरान अचानक खदान के अंदर चल धंस गई. आनन-फानन में सभी मजदूरों को बाहर निकाल दिया गया. घटना की खबर धीरे-धीरे पूरे इलाके में फैल गई.

टाटा और रांची से पटना के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

टाटानगर और रांची से पटना के लिए एक-एक स्पेशल ट्रेन चलेगी. यह ट्रेन टाटा, रांची से पटना के लिए आठ जून को प्रस्थान करेगी, जबकि पटना से ये दोनों ट्रेनें 9 जून को लौटेंगी. दोनों ट्रेनों का रूट गोमो-गया के रास्ते होगा.

टाटा-पटना-टाटा स्पेशल : ट्रेन संख्या 08109 टाटानगर-पटना स्पेशल ट्रेन टाटानगर से 8 जून की शाम 4:15 बजे पटना के लिए रवाना होगी. मार्ग में पड़ने वाले विभिन्न स्टेशनों पर इसका ठहराव होगा. यह ट्रेन भोर 3:00 बजे पटना पहुंचेगी. वापसी के क्रम में ट्रेन संख्या 08110 पटना-टाटा स्पेशल ट्रेन पटना से 9 जून की रात 9:15 बजे टाटा के लिए रवाना होगी. निर्धारित स्टेशनों पर रुकते हुए यह ट्रेन अगले दिन सुबह 7:15 बजे टाटा पहुंचेगी. इस दौरान यह ट्रेन मार्ग में दोनों तरफ से चांडिल, पुरुलिया, भोजूडीह, महुदा, गोमो, कोडरमा और गया स्टेशन रुकेगी. इस ट्रेन में 22 कोच होंगे. इसमें सामान्य श्रेणी के तीन, शयनयान के 12, तृतीय श्रेणी एसी के तीन, द्वितीय श्रेणी एसी दो तथा दिव्यांग यात्रियों के लिए दो कोच होगी.

रांची-पटना-रांची स्पेशल ट्रेन

ट्रेन संख्या 08639 रांची-पटना स्पेशल ट्रेन रांची से 8 जून की दोपहर 2:10 पटना के लिए रवाना होगी. यह ट्रेन विभिन्न स्टेशनों से होते हुए उसी रात 11:00 बजे पटना पहुंचेगी. वापसी क्रम में ट्रेन संख्या 08640 पटना-रांची स्पेशल ट्रेन पटना से 9 जून की रात 9:00 बजे पटना से रांची के रवाना होगी. वह इस क्रम में निर्धारित स्टेशनों से होते हुए अगले दिन (10 जून) की सुबह 5:30 बजे रांची पहुंचेगी. इस ट्रेन का ठहराव दोनों तरफ से मुरी, बोकारो स्टील सिटी, गोमो, कोडरमा और गया स्टेशन होगा. इस ट्रेन में कुल 13 कोच होंगे, जिसमें सामान्य श्रेणी के पांच, शयनयान चार, तृतीय श्रेणी एसी एक, प्रथम व द्वितीय श्रेणी एसी एक कोच, एक जनरेटर कोच तथा दिव्यांग यात्रियों के लिए एक कोच होगी.

पेड़ से लटकता मिला प्रेमी युगल का शव

गोड्डा। आम के बगीचा में पेड़ से लटकती हुई लड़का और लड़की का शव बरामद किया गया. घटना मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के अमडीहा स्थित आम बगीचा की है. गुरुवार की सुबह ग्रामीणों द्वारा पेड़ से झूलते हुए दो लाश को देखे जाने के बाद इसकी खबर फेल गई. अगल बगल से ग्रामीणों की काफी भीड़ जमा हो गई. दोनो युवक युवती की पहचान सोहिल राऊत के पुत्र छोटू एवं मंटू राय की नाबालिक पुत्री के रूप में की गई. ग्रामीणों के अनुसार दोनो नाबालिक है. लड़के का परिवार बाहर से आकर इस गांव में बसा था. घटना की क्या वजह है यह स्पष्ट नही हो पाया है. घटना को लेकर तरह तरह की चर्चा है.

नाबालिग की दुष्कर्म के बाद हत्या

संवाददाता। मेदिनीनगर

मानव तस्करी की शिकार 13 वर्षीया आदिम जनजाति की लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है. पीड़िता रामगढ़ थाना क्षेत्र की रहनेवाली है, जबकि उसके साथ दुष्कर्म की घटना बिहार के सासाराम इलाके में हुआ है. वहीं हत्या के बाद आरोपियों ने पीड़िता के शव को रामगढ़ लाकर दफना दिया. पीड़िता की मां ने बुधवार को रामगढ़ थाना में इस मामले में शिकायत की, इसके बाद दंडाधिकारी की उपस्थिति में शव को गड्ढे से बाहर निकालकर अंत्यपरीक्षण के लिए एमएमसीएच के लिए भेज दिया गया है. वहीं पुलिस ने इस मामले में मानव तस्करी के ठेकेदार और बिहार के सासाराम के एक ईंट भट्ठा मालिक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है. प्राथमिकी के मुताबिक, पीड़िता आठ महीने पहले मानव तस्करी की शिकार हुई थी. पीड़िता के पिता इस दुनिया में नहीं हैं, जबकि उसकी मां ने दूसरी शादी कर ली है. उसी गांव के एक ठेकेदार ने पीड़िता को पैसे का लालच देकर बिहार के सासाराम में ईंट भट्ठा पर काम करने के लिए ले गया था. ग्रामीणों के अनुसार तीन जून को ठेकेदार और कुछ लोग पीड़िता के शव को लेकर पलामू के रामगढ़ स्थित उसके पैतृक गांव पहुंचे थे. उस समय ठेकेदार और उसके साथ आए लोगों ने पीड़िता की मौत का स्पष्ट कारण नहीं बताया और शव को गांव में ही दफना दिया. जिसके बाद स्थानीय ग्रामीणों ने पीड़िता की मां को पूरे मामले की जानकारी दी.

दंडाधिकारी की उपस्थिति में निकाला गया शव

- पीड़िता रामगढ़ थाना क्षेत्र की रहनेवाली है, जबकि उसके साथ दुष्कर्म की घटना बिहार के सासाराम इलाके में हुआ है

मौसम का मिजाज

मॉनसून से पहले हीट वेव की चपेट में पूरा झारखंड, रुला रही भीषण गर्मी

राज्य में अभी और बढ़ेगा पारा, कहीं-कहीं होगी हल्की बारिश भी

शुभम किशोर। रांची

झारखंड में 15 जून के बाद मॉनसून पहुंचने की संभावना है. मॉनसून से पहले झारखंड हीटवेव के चपेट में है.

मौसम विभाग के अनुसार 7 से 10 जून तक राज्य के सभी जिला उत्तर-पश्चिमी, मध्य, दक्षिणी तथा निकटवर्ती उत्तर-पूर्वी भागो में कहीं-कहीं पर लू चलने कि संभावना है. इसको लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. इस दौरान राज्य के दक्षिणी एवं मध्य भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन और 30 से 40 किमी कि रफ़्तार से तेज़ हवा के साथ वज्रपात होने की संभावना है. राज्य में अगले 3 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है. गुरुवार को राज्य के गढ़वा, पलामू और चतरा जिलो में गर्म और उमस भरा दिन रहा. झारखंड के सरायकेला में उच्चतम तापमान 41.6 डिग्री दर्ज किया गया. पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. सबसे अधिक वर्षा 40.2 एमएम धनबाद में दर्ज किया गया. सबसे अधिक उच्चतम तापमान 43.9 डिग्री गढ़वा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22.2 डिग्री चाईबासा में दर्ज किया गया.

मौसम विभाग ने किया अलर्ट : अगले पांच दिनों में, बंगाल की खाड़ी से चलने वाली हवाओं और असम के ऊपर बन रहे चक्रवात से पूर्वोत्तर राज्यों में मौसम प्रभावित रहेगा. अरुणाचल, असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, बंगाल बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है. वहीं अगले दो दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में भी मौसम कूल रहेगा.

इन इलाकों में अगले पांच दिन बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के पहाड़ों के पास के इलाकों और सिक्किम में 6 से 10 जून के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है. अरुणाचल प्रदेश में 8 से 10 जून के दौरान और नागालैंड में 10 जून को भारी बारिश हो सकती है. आने वाले पांच दिनों में, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, सौराष्ट्र और कच्छ, आंध्र प्रदेश के तटीय इलाके और यानम, रायलसीमा, तेलंगाना और कर्नाटक में भी हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है.

शहर का तापमान

रांची	36.2	25.9
जमशेदपुर	39.4	25.8
डाल्टनगंज	39.4	27.5
बोकारो	36.6	24.6
चाईबासा	40.1	22.2
देवघर	37.7	26.1
गिरिडीह	36.2	25.1
गढ़वा	39.8	29.3
सरायकेला	41.6	25.3
गोड्डा	38.6	28.3

राजधानी में हो सकती है बारिश

7 जून से झारखंड में गरज और तेज हवा के साथ छिटपुट बारिश जारी होने कि संभावना है. विभाग के अनुसार राज्य के उत्तर-पूर्वी, मध्य एवं दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं पर गर्जन के साथ हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. इस दौरान रांची में बारिश में बारिश कि संभावना है. इस दौरान आंशिक बादल के भी छाए रहेंगे.

झारखंड-बिहार से लेकर एमपी तक आंधी बारिश

उत्तर पश्चिमी मध्य प्रदेश के ऊपर चक्रवात का असर बिहार, झारखंड और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में अगले दो से तीन दिनों में कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज, बिजली और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का कारण बन सकता है. ओडिशा, मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में अगले चार से पांच दिनों तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है.

ईंट भट्ठा पर अपराधियों ने बोला धावा

लातेहार में लेवी दिये बगैर काम नहीं करने की दी चेतावनी

लातेहार। पुलिस लाइन से मात्र दो किलोमीटर दूर पतरियाचोटाग के टीएस नामक एक ईंट भठ्ठा में बीती रात दो अपराधियो ने बाइक आकर धावा बोला. उनके हाथों में पिस्टल थे. अपराधी ईंट भठ्ठा पहुंच कर उत्पात भी मचाया. उन्होने मुंशी कन्हैया ठाकुर व जितेंद्र उरांव का मोबाइल फोन लूट लिया और ईंट भठ्ठा के संचालक यदुनाथ सिंह को लेवी की राशि नही देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी. इसके बाद उन्होने दोनों मुंशियों को भठ्ठे से हटा दिया. बता दें कि अपराधियों ने गत 29 मई की रात्रि भी पतरियाचोटांग स्थित टीएस व कुणाल ईंट भठ्ठे पर धावा बोला था और मजदूरों के साथ मारपीट की थी. इस घटना के बाद दोनो ईंट भठ्ठा संचालकों ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर कार्रवाई करने का आग्रह किया था. अब फिर से अपराधियो ने पुन टीएस ईट भठ्ठा में धावा बोल कर क्षेत्र में दहशत कायम कर दिया है.

ब्रीफ खबरें

अभियान में 22 वाहनों से वसूला गया जुर्माना

मेदिनीनगर। पलामू यातायात पुलिस ने शुक्रवार को सघन जांच अभियान चलाया. स्थानीय छहमुहान पर चलाए गए जांच अभियान के दौरान दो पहिया वाहनों की सघन जांच की गई. बगैर हेलमेट व बगैर कागजात तथा ट्रिपल लोड वाहनों को जांच के दौरान पकड़ा गया. यातायात प्रभारी ने बताया कि जांच के दौरान कुल 22 वाहनों को पकड़ा गया और इन वाहनों को शहर थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है. उन्होंने बताया कि जुर्माना के लिए 21 गाड़ियों की सूची जिला परिवहन कार्यालय तथा एक सीजीएम कार्यालय भेजा गया है. उन्होंने बताया कि सभी 22 वाहनों को 40405 रुपया का जुर्माना किया गया है.

आजसू ने एनडीए के सांसदों को दी बधाई

मेदिनीनगर। आजसू पार्टी के पलामू जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी ने नरेंद्र मोदी को पुनः एनडीए गठबंधन के समर्थन से प्रधानमंत्री बनाने के प्रस्ताव के मंजूरी पर प्रसन्नता व्यक्त की है. एक बयान जारी कर उन्होंने कहा है कि झारखंड में एनडीए प्रत्याशियों की जीत में मोदी जी का चेहरा एवं कड़ी मेहनत के साथ-साथ आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो का अथक प्रयास भी रहा है. उन्होंने झारखंड के सभी निर्वाचित एनडीए सांसदों को बधाई देते हुए कहा कि सभी देश एवं राज्य की जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे.

सर्पदंश से महिला अचेत अस्पताल में कराया भर्ती

हुसैनाबाद(पलामू)। हैदरनगर थाना क्षेत्र के कोयरियाडीह निवासी अरविंद मेहता की 30 वर्षीया पत्नी आरती देवी बुधवार की शाम विषैले सांप ने काट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया. परिजनों ने बताया कि आरती बुधवार की शाम अपने खेत में घास काट रही थी. इसी दौरान सांप ने काट लिया. परिजन इलाज के लिए उसे लेकर हैदरनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे. चिकित्सको ने इलाज के बाद भी आरती की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर सदर अस्पताल रेफर कर दिया. सदर अस्पताल में इलाज के बाद भी आरती की स्थिति गंभीर बनी हुई है.

वीडी राम की जीत पर निकला विजय जुलूस

छतरपुर/पलामू । भाजपा प्रत्याशी बीड़ी राम के पलामू से निर्वाचित होने की खुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने छतरपुर मुख्यालय में जुलूस निकाल कर मिठाइयां बांटी. यह विजय जुलूस भाजपा कार्यालय से निकल कर नागबाबा होते पूरा बाजार क्षेत्र में घुमा और जपला मोड़ पर पटाखे फोड़ कर खुशी मनाया गया. मौके पर मुख्य रूप से सुधीर सिन्हा, अशोक सोनी, भारत प्रसाद, नवल प्रसाद, मुखिया हरेंद्र सिंह, गुड्डु सिंह, अजय कुमार गुप्ता एवं टिंकू ठाकुर समेत काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे.

हीरो मोटोकार्प ने किया ग्राहकों को पौधा भेंट

लातेहार। विश्व पर्यावरण सप्ताह के मौके पर शहर के हीरो मोटोकार्प में आने वाले ग्राहक व अन्य लोगों को पौधा भेंट किया गया और पौधा रोपण भी किया गया. संचालक राजीव कुमार कुक्कू ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा करना जरूरी है. हमे अधिक से अधिक पेड़ लगाना चाहिए. उन्होने कहा कि प्रतिष्ठान में आने वाले लोगों को पौधा भेंट कर उन्हें पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जा रहा है. उन्होने कहा कि आज के समय में पेड़ व जंगलों को बचाना अति आवश्यक है. असंतुलित पर्यावरण के कारण ही आज गर्मी प्रचंड हो गयी है.

लातेहार में वट सावित्री पूजा की धूम,जगह-जगह महिलाओं ने की सामूहिक पूजा

सुहागिनों ने वट सावित्री पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना की

संवाददाता। लातेहार

वट सावित्री की पूजा करतीं महिलाएं.

जिला मुख्यालय समेंत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में वट सावित्री पूजा पारंपरिक तरीके से की गयी. इस मौके पर सुहागिनों ने वट वृक्ष की पूजा की और अपने पति के लंबी उम्र की कामना की. शहर के विभिन्न मुहल्लों में स्थित वट वृक्ष के नीचे सामूहिक रुप से बैठ कर सुहागिनों ने पूजा अर्चना की. वट वृक्ष में रक्षा सूत बांधा.

नगर पंचायत कार्यालय रोड में त्रिभुवन पांडेय के सानिध्य में सुहागिनों ने पूजा अर्चना की और सावित्री, सत्यवान व यमराज की कथा का श्रवण किया. उपायुक्त आवास कार्यालय स्थित वट वृक्ष में भी काफी संख्या में महिलाओं ने पूजा अर्चना की. यहां संतोष मिश्रा के सानिध्य में महिलाओं ने कथा का श्रवण किया और पूजा अर्चना कर अपने पति के लंबी आयु की कामना की. गुरुद्वारा रोड में परमेश्वर पाठक और रामानुज उपाध्याय ने पूजा अर्चना संपन्न कराया. इसके अलावा रेलवे स्टेशन के डुरूआ आदि क्षेत्रों में भी वट सावित्री की पूजा पारंपरिक तरीके से मनायी गयी.

चंदवा में वट सावित्री पूजा धूमधाम से मनी

चंदवा। शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं ने गुरुवार को वट सावित्री पूजा पारंपरिक तरीके से पूजा की और अपने पति की लंबी उम्र की कामना की. चंदवा थाना के समीप के वट वृक्ष के समीप श्रद्धानंद पाठक के सानिध्य में पूजा संपन्न करायी गयी. श्री पाठक ने बताया कि इस व्रत का पालन करने से महिलाएं अपने पति के लिए सौभाग्य और समृद्धि लाने में सक्षम होती हैं. महिलाएं वट यानी बरगद की पूजा करती हैं। वट सावित्री व्रत में बरगद के पेड़ का महत्व अतुलनीय है. बरगद के पेड़ में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है.

चतरा में भाजपा का वोट प्रतिशत घटा, कांग्रेस का बढ़ा

कांग्रेस के केएन त्रिपाठी ने हार के अंतर को कम किया

आशीष टैगोर। लातेहार

संदर्भः चतरा लोकसभा चुनाव

कालीचरण सिंह.

केएन त्रिपाठी

लोकसभा चुनाव 2024 खत्म हो गया. चुनाव परिणामों के बाद अब विश्लेषणों का दौर जारी है. लोग अब हार-जीत के अंतर का आंकलन लगा रहे हैं. जहां तक कांग्रेस की बात है तो चतरा से कांग्रेस के प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने हार के अंतर को थोड़ा कम अवश्य किया है. जिस प्रकार देश में कांग्रेस का ग्राफ बढ़ा है, उसी प्रकार चतरा से भी कांग्रेस का रिकार्ड थोड़ा बेहतर अवश्य हुआ है. साल 2019 के लोकसभा चुनाव में 925937 वैद्य मत पड़े थे. भाजपा के सुनील सिंह ने 528077 वोट प्राप्त किया. उन्होने 57.03 प्रतिशत वोट शेयर किया था. जबकि कांग्रेस के मनोज कुमार यादव ने मात्र 150206 हासिल किया था और वे 377871 वोट से हार गये थे. उनका वोटर शेयरिंग मात्र 16.22 प्रतिशत था.

इस चुनाव में कांग्रेस ने हासिल किये 32.55 प्रतिशत वोट : साल 2024 के लोकसभा चुनाव में कुल 1086374 वोट पड़े. इनमें भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने 574556 वोट हासिल किये. यह कुल वोट शेयरिंग का 52.89 प्रतिशत है. यहां पिछले चुनाव के तुलना में भाजपा को वोट शेयरिंग में तकरीबन पांच प्रतिशत का नुकसान हुआ. जबकि कांग्रेस के केएन त्रिपाठी ने कुल 353597 वोट मिला. यह कुल वोट शेयरिंग का 32.55 प्रतिशत है. वर्ष 2019 में कांग्रेस को कुल 16.22 प्रतिशत वोट मिले थे वहीं इस चुनाव में कांग्रेस को कुल 32.55 प्रतिशत वोट मिले. कुल मिला कर इस बार चतरा से कांग्रेस को तकरीबन दुगना वोट अधिक मिला. केएन त्रिपाठी दो लाख 20 हजार 959 वोटों से हारे. जबकि मनोज कुमार यादव पिछली बार 377871 वोट से हार गये थे.

इस बार नोटा को मिले 14 प्रत्याशियों से अधिक मत

इस बार नोटा को कुल 8511 मत मिले. यह इस चुनाव में 14 प्रत्याशियों को मिले वोट से भी अधिक है. बता दें कि इस बार चुनाव में कुल 22 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमायी थी. इनमें आठ प्रत्याशियों को ही नोटा से अधिक मत मिल पाया है.वहीं कुछ जगहों पर भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया .जबकि कुछ स्थानों पर लोगों की नाराजगी भाजपा को झेलनी पड़ी.

पांकी में निकला विजय जुलूस, विधायक ने जताया आभार

मेदिनीनगर। चतरा संसदीय सीट से भाजपा के कालीचरण सिंह की जीत की खुशी में पार्टी में विधायक कुशवाहा डॉ. शशिभूषण मेहता के नेतृत्व में भव्य विजय जुलूस निकाला गया. भाजपाइयों ने गाजे-बाजे व डीजे के साथ निकले जुलूस में पटाखे फोड़कर खुशी का इजहार किया. नगर भ्रमण के दौरान अंबेडकर चौक में डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा व भगत सिंह चौक में भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया. विधायक डा. शशिभूषण मेहता ने कहा कि फिर से एक बार नरेंद्र मोदी जी की सरकार केंद्र में बनेगी. जरूरतमंदों को उनके अधिकार मिल रहे हैं. भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि देश की जनता ने पुनः विकास व देश को शिखर पर ले जाने वाले को पुनः सत्ता में स्थापित किया है. विजय जुलूस में प्रो. बच्चन ठाकुर, मंडल अध्यक्ष शत्रुघ्न सिंह, श्यामनंदन ओझा, सत्यनारायण यादव, विधायक प्रतिनिधि सुरेन्द्र सिंह, कमेश यादव, चुनमुन पांडेय, विजय ठाकुर, मिंटी वर्मा, मनोज सिन्हा, सुधीर तिवारी कुंदन कुमार, मंटू शर्मा आदि शामिल थे.

विजय जुलूस में शामिल विधायक व अन्य

खिलाड़ियों के लिए अभ्यास रहेगा जारी : कमलेश दुबे

गढ़वा। गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के तत्वावधान में वन विभाग के सामुदायिक भवन में चल रहे समर कैंप में खिलाड़ियों को कोच कमलेश कुमार दुबे ने टेबल टेनिस खेलने के विभिन्न शॉट्स को खेलने एवं विपक्षी खिलाड़ियों के शॉट्स के बचाव कर जीतने के गुर के बारे में जानकारी दी. समर कैंप में कोच कमलेश कुमार दुबे के निर्देशन में खिलाड़ियों नें ब्लॉक करने, फोरहैंड टॉप स्पीन मारने, बैकहैंड, टॉप स्पिन मारने सहित अन्य प्रकार के नियमों को सिखा. मौके पर संघ के सचिव आनंद सिन्हा ने कहा कि समर कैंप का समापन सुबह दस बजे किया जायगा. मौके पर संघ के सह सचिव प्रिंस सोनी, संतोष कश्यप, अभय कुमार, बालिका उच्च विद्यालय के फिजिकल शिक्षक सुशील तिवारी, रामासाहु के फिजिकल शिक्षक प्रदीप कुमार सिंह, सिनियर खिलाड़ी ऋषभ राज सहित कई अभिभावक मौजूद थे.

शाखा प्रबंधक को दी गई विदाई, उमड़ी भीड़

धुरकी। झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक, टाटीदीरी, धुरकी के शाखा प्रबंधक मो. अजीमुल हक को गुरुवार को विदाई दी गई. मौके पर जेएसएलपीस धुरकी के बीआरपी विनोद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि सरकारी विभाग में स्थानांतरण एक सरकारी प्रकिया है जो समय समय पर होता है. शाखा प्रबंधक के कार्य के जितनी भी तारीफ की जाय कम होगी. मौके पर मुख्य रूप से मुखिया सगुनि राम, खाला मुखिया साबिर अंसारी, नितेश कुमार, शशांक कुमार, डॉ रोविंस कुमार, संजय प्रसाद गुप्ता, दिनेश प्रसाद, राकेश ठाकुर, विकास कुमार, संतोष प्रजापति, रेशमी देवी, जितेंद्र कुमार, राहुल कुमार आदि उपस्थित थे.

न्यूज अपडेट

मजदूर नेता राकेश सिंह ने वीडी राम को दी बधाई

बधाई देते मजदूर नेता.

मेदिनीनगर। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया आठवले झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल नवनिर्वाचित पलामू सांसद वीडी राम से भेंट कर जीत की बधाई दी. इस मौके पर मजदूर नेता सह रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया आठवले के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि इस बार लोकसभा चुनाव में जनता ने साबित कर दिया कि विपक्ष सदैव झूठा प्रचार एवं दिग्भ्रमित करने का काम किया है . मौके पर कृष्णकांत मिश्रा, विवेक सिंह उर्फ लड्डू, मदन सिंह, नागेंद्र गुप्ता, मनजीत तिवारी, राजेश पासवान सहित अन्य सदस्य शामिल थे.

विश्व लेवल क्रासिंग जागरूकता दिवस पर चलाया गया अभियान

अभियान में शामिल लोग.

बरवाडीह (लातेहार)। धनबाद रेल मंडल के संरक्षा विभाग के निर्देश पर गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय लेवल क्रासिंग जागरूकता दिवस पर बरवाडीह रेल खंड के रेल फाटक 16/सी और 17/सी के पास जागरूका अभियान चलाया गया.स्टेशन प्रबंधक अनिल कुमार द्विवेदी और आईओडब्लू विवेकानंद बासु ने लोगों को बताया गया कि रेल फाटक पार करने दौरान पहले रुकें, दोनों तरफ देखें और ट्रेन नहीं आते देख फाटक को पार करें. अभियान के तहत रेलवे क्रासिंग पार करने से पूर्व सड़क उपयोग कर्ताओं एवं वाहन चालकों को जागरूक किया गया .

जंगली हाथी ने फिर मचाया उत्पात, घर गिराया

टूटा घर दिखाते ग्रामीण.

चंदवा (लातेहार)। थाना क्षेत्र के माल्हन पंचायत के केकराही गांव में बुधवार की देर रात जंगली हाथी ने उत्पात मचाया है. हाथी ने कोशिला देवी के घर को नुकसान पहुंचाया और घर मे रखा अनाज खा गया. भुक्तभोगी ने बताया कि वे सब अपने घर मे सोये हुए थे. अचानक आधी रात को हाथी आ धमका और मेरे घर को तोड़ फोड़ कर दिया. वे सपरिवार किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे. घटना की जानकारी मिलते ही भुक्तभोगी परिवार से मिलकर माल्हन पंचायत के मुखिया जतरू कुमार मुंडा हर संभव मदद का आश्वासन दिया. उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में बात कर घटना से अवगत कराया.

कूप निर्माण योजना 15 जून से पहले पूर्ण करें: डीडीसी

डीडीसी के साथ बैठक में शामिल अधिकारी.

लातेहार। सदर प्रखंड कार्यालय के सभागार मे उप विकास आयुक्त सुरजीत सिंह ने जिले के मनिका, बरवाडीह व गारू प्रखंड मे संचालित विकास योजनाओ की समीक्षा की. इस दौरान उन्होने मनरेगा से बनने वाले बिरसा सिंचाई कूप निर्माण योजना का कार्य आगामी 15 जून से पहले पूरा करने का निर्देश दिया है. उन्होंने सरकार द्वारा लाभुकों के लिए भेजी गई राशि को अविलंब भुगतान करने का निर्देश दिया. कहा कि 15 जून के बाद मानसून का प्रभाव आ जाता है, इस कारण हर हालत मे मिट्टी का कार्य बंद रहेगा. इसके अलावा दो से तीन वर्ष से लंबित योजनाओ की जांच करते हुए सभी कार्य को बंद कर रिपोर्ट करने की बात कही है.

विश्व पर्यावरण सप्ताह पर कई कार्यक्रमों का आयोजन

साफ-सफाई करते छात्र.

लातेहार। विश्व पर्यावरण सप्ताह पर शहर के मुख्यमंत्री उत्कृष्ठ विद्यालय (सीएम एसओई) व केंद्रीय विद्यालय में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है. सीएम एसओई में प्राचार्य तृप्ति भारती ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन के प्रति हमें जागरूक होना होगा. पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और प्रदूषण फैल रहा है, उससे पर्यावरण असंतुलित हो गया है. पर्यावरण सप्ताह के दूसरे दिन विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाया गया. पेड़ व पौधों को व्यविस्थत किया गया. विश्व पर्यावरण सप्ताह के तहत दूसरे दिन पोस्टर व स्लोगन मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रभारी प्राचार्य पीके ठाकुर ने बताया कि इस सप्ताह में प्रत्येक दिन अलग अलग कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें.

भाजपाइयों ने निकाला विजय जुलूस

संवाददाता। हुसैनाबाद (पलामू)।

विजय जुलूस में शामिल भाजपा नेता और कार्यकर्ता.

भाजपा प्रत्याशी विष्णु दयाल राम की लोकसभा चुनाव में हैट्रिक जीत पर हुसैनाबाद के भाजपा कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस निकाला. दोपहर से भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ भाजपा के वरिष्ठ नेता सह विधानसभा के संयोजक विनोद कुमार सिंह के आवास पर जमा होने लगी थी. लोगों ने एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर व एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की शुभकामनाएं दी. साथ ही भाजपा नेता विनोद सिंह और विधानसभा के उपसंयोजक रविन्द्र कुमार सिंह उर्फ बब्लू सिंह के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया. विजय जुलूस नहर मोड़, रविदास नगर, मुख्य बाजार, गांधी चौक, अंबेडकर चौक और जय प्रकाश चौक तक गया.

जुलूस के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की. विनोद सिंह और रविंद्र सिंह ने लोगों का हाथ जोड़कर अभिवादन किया. मौके पर नगर भाजपा नेता रामेश्वर राम, संतोष सिंह, मंडल अध्यक्ष अजय प्रसाद गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि श्रवण कुमार, अखिलेश्वर मेहता, रंजीत पासवान, उदय विश्वकर्मा, विपिन बिहारी सिंह, नागेन्द्र उपाध्याय, महिला नेत्री तृप्ति सिंह, छोटू सिंह, पंकज गुप्ता, संतोष गुप्ता और रणविजय सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

खास बातें

- लोगों ने जमकर आतिशबाजी की, मिठाइयां भी बांटीं
- जमकर लगाये नारे, मस्ती में खूब उड़ाये अबीर व गुलाल

सांसद की जीत निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जीतः भोला

मेदिनीनगर। पलामू संसदीय सीट से भाजपा की जीत को लेकर चैनपुर प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र करसो पंचायत में सांसद प्रतिनिधि भोला पांडे के नेतृत्व में विजय जुलूस निकाला गया. जीत की खुशी में गाजे बाजे के साथ निकले विजय जुलूस में लोगों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर जीत की बधाई दी. समारोह में सांसद प्रतिनिधि भोला पांडेय ने कहा कि यह जीत पलामू लोकसभा क्षेत्र की जनता एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जीत है. विजय जुलूस में राकेश जयसवाल, दीपक जायसवाल, राजेश चंद्रवंशी, पंकज जयसवाल, जुबेर अंसारी, रामप्रवेश प्रसाद, सतीश प्रसाद, विकास कुमार, शिवकुमार यादव, काशी यादव, लाल मुनी परहिया, नाथू परहिया, संदीप कुमार, सुनील कुमार, जयराम प्रसाद, भजन सिंह, दुर्गावती देवी, डिंपल देवी आदि शामिल थे.

एमके डीएवी के पांच छात्रों ने नीट में सफलता प्राप्त की,मिली बधाई

ABHAY KR. YADAV | SHIWANI GIRI | MUSKAN | ABHISHEK RANJAN | SAGAR KUMAR

नीट की परीक्षा में सफल विद्यार्थी.

संवाददाता। मेदिनीनगर

नीट 2024 की प्रतिष्ठित परीक्षा में नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय एमके डीएवी के पांच छात्रों ने सफलता प्राप्त कर विद्यालय, अपने माता-पिता समेत पूरे पलामू को गौरवान्वित किया है. इस परीक्षा में चिकित्सक बनने का सपना सजोये लाखों छात्र बैठते हैं. जिसमें से एक विद्यालय से पांच छात्रों का चयन अति महत्वपूर्ण है. विद्यालय के छात्र अभय कुमार यादव ने 673 अंक 99.45 परसेंटाइल, शिवानी गिरी 579 अंक 95.46 परसेंटाइल,मुस्कान ने 563 अंक 94.62 परसेंटाइल, अभिषेक रंजन पुत्र ने 553 अंक 94.02 परसेंटाइल तथा सागर कुमार गुप्ता ने 545 अंक तथा 90.59 परसेंटाइल प्राप्त किया.

सभी छात्रों को राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश प्राप्त करने का अवसर मिलेगा,जो एक सफल चिकित्सक बनकर देश के लोगों को स्वास्थ्य लाभ दे सकेंगे. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सह एमके डीएवी पब्लिक स्कूल्स क्षेत्र आई के सहायक क्षेत्रीय अधिकारी डॉक्टर जी. एन.खान ने बताया कि आज छात्रों की शानदार सफलता पर विद्यालय परिवार फूलें नहीं समा रहा है. प्राचार्य ने सभी छात्रों को, उनके माता-पिता को बधाई देते हुए शुभकामना भी दी तथा विद्यालय के परिश्रमी शिक्षकों को भी धन्यवाद कहा.

लोकसभा चुनाव

पलामू में भाजपा ने हर विधानसभा क्षेत्र में किया बेहतर प्रदर्शन, हुसैनाबाद में अंतर रहा कम

पलामू में भाजपा की जीत क्या विधानसभा चुनाव तक कायम रहेगी?

अरुण कुमार सिंह। मेदिनीनगर

पलामू लोकसभा के भाजपा उम्मीदवार विष्णु दयाल राम ने दो लाख 88 हजार 807 मतों के अंतर से चुनाव जीत लिया है. सवाल है कि क्या यह स्थिति आनेवाले विधानसभा चुनाव तक कायम रह पाएगी ?

विधानसभावार वोटों की गणित समझिये : इस लोकसभा चुनाव में वीडी राम को भवनाथपुर विधानसभा से 153075 वोट प्राप्त हुए जबकि ममता भुइया को 98964 वोट मिले. वोटों का अंतर 54,111 रहा. वर्तमान में भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से चर्चित युवा नेता भानु प्रताप शाही भाजपा के विधायक हैं. इस विधानसभा क्षेत्र में उनके एंटी नेताओं की उन्होंने चलने नहीं दी. मोदी फैक्टर भी अलग से काम किया.

गढ़वा में भी भाजपा की बढ़त बनी रही : गढ़वा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी को 150077 वोट और आरजेडी प्रत्याशी को 92415 वोट मिले. अंतर रहा 57,662 का. इस विधानसभा क्षेत्र में वर्तमान में जेएमएम के विधायक सह मंत्री मिथिलेश ठाकुर हैं. कहा जाता है कि इस चुनाव में उन्होंने राजद प्रत्याशी के पक्ष में एड़ी-चोटी का जोर लगाया था. लेकिन वे कामयाब नहीं हो सके. अगर मतदाताओं की यही मानसिकता बनी रही तो आनेवाले विधानसभा चुनाव में उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है.

छतरपुर में भी बढ़त कायम रहा : छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा को 95985 वोट, जबकि राजद को 71382 वोट मिले. यहां जीत का अंतर रहा 24,603 वोटों का. इस विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की विधायक पुष्पा देवी हैं जो पूर्व सांसद मनोज कुमार की धर्मपत्नी हैं. यह विधानसभा क्षेत्र राजद का गढ़ माना जाता है. चुनाव के बाद राजद समर्थकों का आकलन था कि वे छतरपुर विधानसभा क्षेत्र से जरूर जीतेंगे. लेकिन विधायक पुष्पा देवी और मनोज कुमार ने जमकर प्रचार प्रसार किया और उनकी लगातार कोशिशों के कारण यहां भी भाजपा प्रत्याशी ने बढ़त हासिल की.

हुसैनाबाद में सबसे कम अंतर रहा : भाजपा के जीत का सबसे कम अंतर रहा हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में. इस विधानसभा में भाजपा को 88445 जबकि राजद को 68972 वोट मिले. यहां अंतर रहा महज 19473 वोटों का. यहां एनसीपी के भाजपा समर्थित विधायक कमलेश कुमार सिंह हैं. यह विधानसभा क्षेत्र पूर्व विधायक एवं वर्तमान राजद प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव का भी है. बताया जा रहा है कि इस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को हराने के लिए राजद प्रदेश अध्यक्ष ने और अपना गढ़ बचाने में कमलेश सिंह ने ताकत लगायी थी.

विश्रामपुर में भाजपा का जलवा

विश्रामपुर विधानसभा से भाजपा को 119685 जबकि राजद को 69188 वोट मिले . अंतर रहा 50,497 वोटों का . इस विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी हैं . उल्लेखनीय है कि बसपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे पूर्व सांसद कामेश्वर बैठा भी इसी विधानसभा क्षेत्र से आते हैं .इसके बावजूद भी यहां जीत का अंतर बड़ा था .

डालटनगंज विधानसभा 155023 वोट मिले

डाल्टनगंज विधानसभा से बीजेपी प्रत्याशी को 155023 वोट जबकि राजद प्रत्याशी को 72747 वोट मिले . यहां अंतर रहा 82,276 का . इस विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक आलोक चौरसिया हैं . कहा जाता है कि उनके इलाके में एंटी इनकमबैक्सी फैक्टर है . लेकिन इस चुनाव में वह फैक्टर बिल्कुल नहीं दिखा और पलामू लोकसभा क्षेत्र के हर विधानसभा से, इस विधानसभा क्षेत्र में भाजपा अधिक मतों से जीती .

पुल के नीचे युवक का शव मिलने से सनसनी,पुलिस कर रही जांच

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

पुल के नीचे शव देखते लोग.

थाना क्षेत्र के केंदवाही पुल के नीचे से गुरुवार की सुबह एक युवक का अर्द्धनंग शव पुलिस ने बरामद किया है. शव बरामद होने की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी फैल गयी. शव का पहचान चंदवा थाना क्षेत्र के पूर्वी पंचायत के तिलैयाटांड़ ग्राम निवासी मो वकील, पिता स्व कयूम मियां के रूप में की गयी है. जानकारी के मुताबिक मो वकील मुहल्ले के एक वाहन से टाइल्स लेकर सिकनी गया था. लेकिन वह वहां कैसे पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई, पुलिस इसकी खोजबीन कर रही है. पुलिस ने शव का लातेहार सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सौंप दिया है. मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. परिजनों का आरोप कि वकील को मारपीट कर हत्या कर पुल के नीचे फेंक दिया गया है. मृतक वकील के शरीर चोट के निशान मौजूद हैं. परिजनों ने प्रशासन से जांच कर दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की है.

ब्रीफ खबरें

पहाड़ से शव बरामद पुलिस ने एक को दबोचा

मझिआंव। मझिआंव थाना क्षेत्र के जाहरसरई गांव के समीप स्थित बौडीयाराज पहाड़ पर पांच जून की देर शाम शिकार करने के लिए गये आठ युवकों में से एक युवक राजेश परहिया उर्फ रामचन्द्र उम्र 26 वर्ष की गोली मारकर हत्या करने का मामला सामने आया है. इस संबंध में मृतक के पिता सुरेंद्र परहिया ने मझिआंव थाना में जाहरसरई निवासी दिनेश परहिया, रमेश परहिया, उमेश परहिया, संतोष परहिया, प्रेमन परहिया एवं ज्ञानिचर परहिया तथा रंका थाना क्षेत्र के चटकमान गांव निवासी स्व बली परहिया के पुत्र माला परहिया पर अपने पुत्र की हत्या कर शव को छुपाने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई.

झूले का रस्सी टूटने से गिरा बच्चा, घायल

भंडरा/लोहरदगा। जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र के उदरंगी गांव में घर के छपरी में रस्सी बांधकर झूला झूलने के दौरान रस्सी टूटने से बड़ा हादसा हुआ. इस हादसे में ग्राम पंचायत उदरंगी निवासी शकील अंसारी के आठ वर्षीय पुत्र साहिल अंसारी घायल हो गया, जिसके बाद आनन फानन में बच्चे को उप स्वास्थ्य केंद्र भंडरा लाया गया, जहां पर बच्चे का इलाज चल रहा है. इधर हादसे की खबर सुनते ही प्रखंड सदर आफताब आलम मौके पर पहुंचकर डॉक्टरों से बेहतर इलाज हेतु आग्रह किया.घायल बच्चे के पिता ने बताया कि उसका बेटा घर के समीप लगाया हुआ झूला में झूल रहा था.

लोहरदगा में शुरू हुआ समर क्रिकेट कप टूर्नामेंट

लोहरदगा। क्रिकेट ट्रेनिंग सेंटर के तत्वाधान में चल रहे समर क्रिकेट टूर्नामेंट में पहला मैच कैरो प्रखंड बनाम कुड़ु प्रखंड के बीच हुआ.कैरो की टीम इस मैच को आसानी से 108 रन से जीत लिया. इधर गुरुवार को खेला गया दूसरा मैच भंडरा प्रखंड टीम वर्सेस पेशरार प्रखंड के बीच हुआ. जिसमें पेशरार की टीम ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग करने का फैसला किया . इस रोमांचक मैच को भंडरा प्रखंड की टीम 17 रन से जीत लिया आज इस मैच के दौरान लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सेक्रेटरी आलोक कुमार राय, क्रिकेटर आशीष कुमार कोच अमित कुमार, समेत अन्य मौजूद थे.

एसोसिएशन ने इलाज के लिए दिये एक लाख रुपये

मेदिनीनगर । गौरव हॉस्पिटल के संचालक गौरव कुमार कुछ दिन पहले सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे. उन्हें इलाज हेतु रांची के मेदांता हॉस्पिटल में रेफर किया गया. दुर्घटना की जानकारी मिलने पर प्राइवेट हॉस्पिटल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष तिवारी ने एसोसिएशन की आपात बैठक बुलाई. बैठक में गौरव कमार की मदद करने का फैसला लिया गया. एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष तिवारी ने राशि जुटाने की जिम्मेदारी कार्यकारिणी सदस्य इस्लाम, बृजेश शुक्ला, कोषाध्यक्ष आनंद सिंह को दी. इन्होंने सभी सदस्यों से संपर्क कर राशि की व्यवस्था की.

तालाब में डूब रहे किशोर की लोगों ने बचायी जान

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के बसुआ पाकर टोली गांव में गुरुवार को नहाने के कोयंबटूर निवासी 16 वर्षीय किशोर विपुल उरांव को परिजनों ने मौत के मुंह से बाहर निकाला. उसका इलाज गुमला सदर अस्पताल में चल रहा है. परिजनों ने बताया कि विपुल कोयंबटूर में रहता है. मौसी की शादी को लेकर सपरिवार मामा के घर बसुआ पाकर टोली आया है. घर के समीप स्थित तालाब में विपुल अपनी मां एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नहाने गया था. नहाने के दौरान वह गहरे पानी में चला गया .डूबने गया. विपुल को डूबते देख लोग शोर मचाने ले तभी परिजन तालाब में कूद गए और बिना विलंब किए विपुल को तालाब के अंदर से ढूंढ कर बाहर निकला.

जगह-जगह लोगों ने किया स्वागत, जमकर उड़े अबीर और गुलाल, बांटी मिठाइयां

नव निर्वाचित सांसद सुखदेव भगत ने आभार यात्रा निकाली

संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत ने गुरुवार को शहरी क्षेत्र स्थित कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन से आभार यात्रा निकालकर लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र की जनता का आभार जताया. इस आभार यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ-साथ टाना भगत व कांग्रेस के हजारों कार्यकर्ता व समर्थक शामिल हुए जो नाचते गाते आभार यात्रा में चल रहे थे. इस बीच नव निर्वाचित सांसद सुखदेव भगत का आभार यात्रा कांग्रेस कार्यालय से निकलकर सोमवार बाजार, अमला टोली चौक, बड़ा तालाब, थाना टोली चौक, महावीर चौक, मिशन चौक, बरवाटोली चौक, न्यू रोड पावरगंज चौक, रेलवे साइडिंग बाबा मठ होते हुए मैना बगीचा में समाप्त हुई. इस दौरान जगह जगह पर जमकर आतिशबाजी की गई.

आभार यात्रा में शामिल सांसद सुखदेव भगत.

जितनी बड़ी जीत उतनी बड़ी जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि जितनी बड़ी जीत उतनी बड़ी जिम्मेदारी. इस दौरान उन्होंने बाबा दु:खन शाह के मजार पर चादरपोशी की और कहा कि बाबा से दुआ की है जो जिम्मेदारी उन्हें क्षेत्र की जनता ने दी है उसे बिना किसी पूर्वाग्रह का निष्ठापूर्वक काम कर सकूं साथ ही यहां अमन और शांति बनी रहे, इसे लेकर बाबा दुखन शाह सेमिन्नत मांगी नवनिर्वाचित सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि सभी की सहभागिता सुनिश्चित हो ताकि मुझे क्षेत्र के विकास हेतु कार्य करने में आसानी हो. उन्होंने कहा कि क्षेत्र के तमाम वर्ग के लोगों से चर्चा कर प्राथमिकता तय की जाएगी. मौके बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे.

वहीं अंजुमन इस्लामियां लोहरदगा के ओहदेदारों ने बड़ी मस्जिद के समीप नव निर्वाचित सांसद सुखदेव भगत का माला पहनाकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया. इस मौके पर मीडिया से बातचीत करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि इस जीत से में अभिभूत हूं और सबसे ज्यादा लोहरदगा संसदीय क्षेत्र के तमाम लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा.

जर्जर तारों को बदलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने किया हंगामा

पवार सब स्टेशन पर हंगामा करते ग्रामीण.

संवाददाता। बरवाडीह (लातेहार)

प्रखंड में लचर बिजली व्यवस्था को दुरूस्त करने एवं जर्जर बिजली के तारों को बदलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गुरूवार को पवार सब स्टेशन पहुंच कर जमकर हंगामा किया. बता दें कि बुधवार के दिन लगभग 12 बजे बरवाडीह सब स्टेशन से रेलवे सब स्टेशन तक 11 हजार तार जल कर गिर गया था. गनीमत थी कि कोई जानमाल की हानि नहीं हुई. लोगों का क कहना है कि बरवाडीह पवार सब स्टेशन से रेलवे सब स्टेशन तक 11 हजार तार इतना ज्यादा जर्जर हो गया है आये दिन यह टूट कर गिरते रहता है. ग्रामीणों ने पूरे तार को बदलने की मांग को ले कर सभी जगह का बिजली आपूर्ति बंद करवा दिया. विभाग के एसडीओ दुर्गाशंकर सिंह से लिखित मांगा की कितने दिन में जर्जर तार को बदल दिया जायेगा. एसडीओ दुर्गाशंकर सिंह ने ग्रामीणों को लिखित देते कहा कि 15 दिन में तार में जाली लगा दिया जायेगा.

मंत्री ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

सर्वांगीण विकास के लिए कृतसंकल्प हूं :डॉ रामेश्वर

संवाददाता। लोहरदगा

विधायक लोहरदगा सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव लोहरदगा जिले के भंडरा प्रखंड अंतर्गत ग्राम कुंदो,खिजरी, एवं ब्रह्मांडीहा का भ्रमण कर ग्रामीणों से रूबरू हुए और उनका कुशलक्षेम जाना. इस क्रम में जनता द्वारा प्राप्त आवेदनों पर मंत्री ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभागीय पदाधिकारियों से बात कर क्षेत्र के विभिन्न समस्याओं का समाधान किया. कहा कि मैं क्षेत्र के विकास के साथ साथ हर छोटी बड़ी समस्याओं के निदान के लिए प्रयासरत हूं.

उन्होंने कहा कि गांव गांव शहर शहर भ्रमण कर सीधे जनता से संवाद एवं संपर्क कर सरकारी योजना, बुनियादी सुविधा एवं सामाजिक, सांस्कृतिक विकास करना हमारी प्राथमिकता है. मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि हमारी गठबंधन सरकार जनता के द्वार तक पहुंच कर समाज के सभी वर्गों के विकास के साथ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचकर सरकार की योजना का लाभ पहुंचा रही है जिससे आम जीवनस्तर में सुधार हुआ है.

मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव क्षेत्र का भ्रमण करते हुए. साथ में अन्य लोग.

गांव- गांव तक विकास का कार्य किया जा रहा है : गांव- गांव तक विकास का कार्य किया जा रहा है और हर क्षेत्र में विकास का कार्य किया जा सके इसे लेकर हमारा प्रयास जारी है.

उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि जनता को आवागमन हेतु पथ समेत राशन कार्ड, धोती लूंगी का वितरण, सभी को हरा कार्ड से जोड़कर उन्हें उनका हक अधिकार दिलाना. साथ ही अबुआ आवास, बिजली, पेयजल के समस्या से निजात, पेंशन आदि मुख्य समस्या का निदान हम लोगों के द्वारा किया जा रहा है.

ये लोग थे शामिल

मौके पर विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल,प्रखंड अध्यक्ष जुगल भगत, उमेश्वरनाथ तिवारी, विशाल डुंगडुंग, असलम अंसारी, सुशील उरांव,काले उरांव, हरिदास उरांव, गुलशन उरांव, दशरथ उरांव, भगवान दास, शंकर उरांव, संजय उरांव, रामनारायण उरांव, बासुदेव उरांव, लिबोन उरांव, बासी उरांव, विकास उरांव, रीगा उरांव, कृष्णा उरांव,विश्वनाथ उरांव,गणेश उरांव, सोमनाथ उरांव, बुधराम उरांव, कैली उरांव, दया उरांव, नरेश राम उस्ताद आदि उपस्थित थे.

आंधी-तूफान से कई घरों के एस्बेस्टस उड़े

किस्को/लोहरदगा। जिले के किस्को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खरकी के सेमरडीह बिरहोर कॉलोनी में निवास करने वाले आदिम जनजाति परिवार वालों के उपर बीते रात्रि कुदरत का कहर टूट पड़ा.यहां पर राजो बिरहोर पति विजय बिरहोर के घर को बीते मध्य रात्रि तेज आंधी तूफान और बारिश ने तहस-नहस कर डाला. भुक्तभोगी राजो बिरहोर और विजय बिरहोर के मुताबिक घर में लगाया गया एस्बेस्टस को तेज आंधी तूफान उड़ा ले गया. भुक्तभोगी दंपति ने बताया कि घटना करीब तीन बजे रात्रि की है, सभी लोग घर में सो रहे थे . इसी बीच आंधी तूफान ने हमारे परिवार वालों पर तबाही बनकर टूट पड़ा. इन भुक्तभोगी आदिम जनजाति परिवार वालों ने बताया कि सरकार की ओर से हमारे परिवार वालों को सिर छिपाने हेतु बिरसा आवास मिला था. जिसे आंधी तूफान उड़ा ले गया. भुक्तभोगी राजो बिरहोर और विजय बिरहोर का कहना है कि अचानक आई आंधी तूफान और बारिश से हजारों रुपये का आर्थिक क्षति हुआ है.

निर्माणाधीन कूप का काम समय पर पूरा करें : सुनीता

निर्माणधीन कूप.

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सेन्हा प्रखंड क्षेत्र में बीते माह हुई घटना के बाद से प्रखंड व जिला प्रशासन मनरेगा योजना में किसी प्रकार की लापरवाही बरतना नहीं चाह रही है. इसे लेकर संचालित कूप निर्माण कार्य का जांच किया जा रहा है. जिला परियोजना पदाधिकारी सुनीता कुजूर ने

सेन्हा प्रखंड व पंचायत ग्राम के नौदी एवं मुर्की तोड़ार पंचायत ग्राम में संचालित मनरेगा के तहत कूप निर्माण का निरीक्षण किया. यहां पर परियोजना पदाधिकारी ने कूप की स्थिति का जायजा लिया और लाभुक तथा रोजगार सेवक,मेठ को निर्देश दिया गया कि कूप की कार्य में तेजी लाएं और कार्य को ससमय पूरा करें. मजदूरों की मजदूरी समय से भुगतान की जानकारी लिया. इस बीच जो भी मजदूर का राशि खाते में नहीं जा रहा है उसका बैंक में केवाईसी कराने को कहा गया. साथ ही जिस मजदूर काम का डिमांड किया हो वैसे मजदूरों को पंचायत गांव में रोजगार मुहैया कराने का निर्देश दिया. निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से बीपीओ नीलेंद्र कुमार, सहायक अभियंता सुगंधा भगत, पंचायत सचिव डोली कुमारी, मुखिया कमला देवी सहित लाभुक उपस्थित थे.

पति के दीर्घायु के लिए सुहागिनों ने की वट सावित्री पूजा, रखा व्रत

संवाददाता। गुमला

गुमला जिला मुख्यालय और ग्रामीण अंचल क्षेत्र में गुरुवार को सुहागिनों ने वट सावित्री व्रत कर वट वृक्ष की पूजा की और मौली धागा के साथ वट वृक्ष की परिक्रमा की और पति के लंबी आयु की मंगल कामना की. गुमला के शक्ति मंदिर स्थित वट वृक्ष में आचार्य हरिशंकर मिश्रा, प्रमोद मिश्रा, अमित पुरी के वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सुहागिनों को वृट वृक्ष का पूजा कराया और सावित्री सत्यवान का कथा का श्रवण कराया. व्रत सुनाते हुए आचार्य ने कहा कि विवाह के मात्र एक वर्ष के सत्यवान की मृत्यु हो जाती है तब सावित्री ने यमराज से पति का प्राण की रक्षा की थी. तब से वट-सावित्री की पूजा पृथ्वी लोक में प्रचलित है. चैनपुर प्रखंड में भी महिलाओं ने वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की. आचार्य को दान किए और आशीर्वाद लेकर अखंड सौभाग्य का वरदान मांगा. कामडारा के जरिया स्थित वटेश्वर शिवधाम में भी वट सावित्री की पूजा की और अपने पति की लंबी आयु के लिए कामना की. भरनो, सिसई, घाघरा बिशुनपुर रायडीह आदि प्रखंड में सनातन हिंदू धर्मावलंबियों में आस्था व विश्वास के साथ वट वृक्ष की पूजा की और पति के दीर्घायु जीवन की कामना की.

वट वृक्ष की परिक्रमा करती सुहागिन महिलाएं.

कुड़ू में सुहागिनों ने की वट सावित्री की पूजा

कुड़ु/लोहरदग़ा। अपने पति की दीर्घायु होने और परिवार में सुख शांति समृद्धि की कामना के साथ पूरे प्रखंड क्षेत्र में सुहागिनों ने गुरूवार को वट सावित्री का व्रत किया. इस दौरान सुहागिनों ने सोलह श्रृंगार कर बरगद पेड़ की पूजा अर्चना कर बरगद पेड़ के चारों और परिक्रमा कर रक्षा सूत्र बांध आशीर्वाद मांगा. इस बीच सुहागिनों ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाया. खासकर नवविवाहिता सुहागिनों में पहली बार वट सावित्री पूजा का अलग ही उत्साह देखा गया. कुड़ू प्रखंड क्षेत्र के बाजार टांड़ देवी मंडप भवानीपुर कुड़ू ब्लॉक, टाटी, कुंदो, बड़की चांपी, सलगी , जिंगी, माराडीह, जीमा, होटवार, कुंदगड़ा, जरियो सहित विभिन्न गांवों में पुरोहितों ने सुहागिन महिलाओं को भगवान सत्यवान एवं माता सावित्री की कथा सुनाई .

जीवन में खुशहाली के लिए हरियाली बचाएं : शफीक

मेदिनीनगर । एमएसए पब्लिक स्कूल के शिक्षक अफज़ल शफीक ने पर्यावरण बचाने की अपील करते हुए कहा कि जीवन में खुशहाली तभी आयेगी जब आस पास में हरियाली रहेगी. उन्होंने कहा कि वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ जैसे स्लोगन तो प्रति वर्ष पर्यावरण दिवस पर हम सभी याद करते हैं परंतु अगले ही दिन भूल जाते हैं और वृक्षों का दोहन करना प्रारंभ कर देते हैं. इसी कारण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है और वातावरण का तापमान 42 प्रतिशत से 52 प्रतिशत तक चला गया है.

भ्रष्टाचार

कांग्रेस अल्पसंख्यक जिला उपाध्यक्ष ने कार्रवाई की मांग की

घटिया सामग्री से कराया जा रहा नाली निर्माण, आक्रोश

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र में इन दिनों विकास योजनाओं में धड़ल्ले से अनियमितताएं देखने के लिए मिल रहा है.लोगों के मुताबिक योजनाओं में सरकारी मानक के विपरीत कार्य कराया जा रहा है. इधर ताजा मामला प्रखंड क्षेत्र के कुम्हरिया में कराया जा रहा गार्डवाल निर्माण कार्य में जमकर मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही है. यहां पर योजना में खुलेआम घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है. उक्त गार्डवाल निर्माण कार्य में खराब सीमेंट का प्रयोग किया जा रहा है. जुड़ाई में घटिया किस्म के सामग्री का भी प्रयोग किया जा रहा है. सूत्रों की माने तो गार्डवाल निर्माण के लिए लाखों का टेंडर किया गया है. बावजूद इसके ठेकेदार सब कुछ हड़पने की नीयत से गलत और घटिया किस्म की सामग्री का प्रयोग कर रहे है. इधर योजना में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर अल्पसंख्यक कांग्रेस कमेटी के लोहरदगा जिला उपाध्यक्ष आफताब आलम ने काम कर रहे मजदूरों से बातचीत की. मजदूरों ने बताया कि हमें जैसा ठेकेदार द्वारा कहा जाता है हम वैसा ही काम करते हैं. कमजोर सीमेंट के बावत उन्होंने बताया कि इसी सीमेंट और बालू से गार्डवाल का निर्माण कराया जाता है. ग्रामीणों ने दबी जुबान से बताया कि किसी तरह से नाली बन जाए, नहीं तो गार्डवाल निर्माण कार्य बंद हो जाएगा. सबसे मजेदार बात यह है कि योजना में जिस तरह से जैसे-तैसे मेटेरियल का उपयोग की जा रही है, उससे तो गार्डवाल का भविष्य अभी से खतरे में दिखाई दे रहा है. गांव वालों के अनुसार यह मानक विहीन नाली निर्माण कार्य ठेकेदार और संबंधित विभागीय पदाधिकारी और कर्मियों की मिलीभगत से मनमानी तरीके से कराया जा रहा है.

गार्डवाल निर्माण कार्य में लगे मजदूर

जायसवाल ने लोकसभा चुनाव में हजारीबाग सीट पर करीब तीन लाख मतों से विजयी होकर विरोधियों की बोलती की बंद

आंतरिक व बाहरी चुनौतियों से जूझते हुए मनीष ने मारा मैदान

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव के परिणाम पर शहर में खूब चर्चा हो रही है. भाजपा की जीत और कांग्रेस की हार पर मंथन किया जा रहा है. भाजपा के पक्ष में वो कौन से फैक्टर रहे, जिनके बल पर मनीष जायसवाल ने जय प्रकाश भाई के जातीय समीकरण को तोड़ते हुए करीब तीन लाख मतों से जीत हासिल की.

बताते चलें कि भाजपा प्रत्याशी ने अपने प्रचार अभियान की खुद अगुवाई की और 75 दिन लगातार क्षेत्र की जनता से मुलाकात करते रहे, एक-एक घर जाकर लोगों से अपने लिए वोट मांगे. इसके अलावा कई जनसभाएं और रैलियां कीं. इस दौरान उन्हें पार्टी के कार्यकर्ताओं का भी खूब सहयोग मिला. जायसवाल ने न जाति पर बात की, न किसी विरोधी प्रत्याशी पर आरोप लगाए, जबकि विपक्षी प्रत्याशियों ने उन्हें कभी व्यापारी, तो कभी शराब माफिया और स्कूल माफिया कहते रहे. अंत में क्षेत्र की जनता ने जात-पात से ऊपर उठकर भाजपा प्रत्याशी की बातों पर विश्वास करते हुए उन्हें तीन लाख वोट से विजयी बनाया. हालांकि कुछ पुराने कार्यकर्ता भाजपा प्रत्याशी से नाराज रहे और आरोप लगाते रहे. किसी ने मनचाहा क्षेत्र में नहीं भेजने का आरोप लगाया तो, किसी ने मान सम्मान नहीं देने की बात कही. इनमें लगभग 100 से 150 पुराने भाजपा कार्यकर्ता शामिल रहे.

यहां तक कि प्रत्याशी को डर भी महसूस करवाते रहे, विपक्ष को सहयोग करने के लिए अपने जाति वालों को भी उलझाते रहे, प्रेस वार्ता के माध्यम से भाजपा प्रत्याशी को गुमराह करते रहे. लेकिन भाजपा प्रत्याशी पर को इनकी बातों का कोई फर्क नहीं पड़ा. वह अपनी मेहनत पर विश्वास रखते हुए क्षेत्र की जनता के साथ संवाद करते रहे, अपने कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते रहे और अंत में रिजल्ट सामने आया, जिसमें जातिवाद फैलाने वालों की बोलती बंद हो गई.

भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ मनीष जायसवाल.

जनता से किए वादों को पूरा करने की चुनौती

अब जब सारी चुनौतियों से पार पाते हुए मनीष जायसवाल ने एक बड़ी जीत दर्ज कर ली है तो यह देखना है कि वह आम जनता से किए वादों को पूरा कर पाते हैं या नहीं. अगर वह अपने वादों खरा नहीं उतरे तो फिर उन्हें 2029 में जनता को जवाब देना होगा. इधर, इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल को जनता ने जबरदस्त झटका दिया है. प्रचार अभियान के दौरान पटेल आरोप लगाते रहे, लेकिन जैसे ही चुनाव परिणाम आया अपने पुराने मित्र मनीष जायसवाल को बधाई देने पहुंच गए. यह देखकर जनता की आंखें फटी की फटी रह गईं. कई लोगों का कहना है कि चुनाव के समय दोनों प्रत्याशी एक दूसरे पर आरोप लगा रहे थे. यहां तक की अभद्र भाषा का भी प्रयोग किया जा रहा था, लेकिन अंत में दोनों प्रत्याशी एक हो गए और सहयोग देने वाली जनता और कार्यकर्ता जीते हुए प्रत्याशी की नजर से उतर गए.

रामगढ़ में मनीष जायसवाल का किया गया भव्य स्वागत

नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता.

संवाददाता। रामगढ़

भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने गुरुवार को हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल का भव्य स्वागत सुभाष चौक पर किया. गुरुवार सुबह रामगढ़ पहुंचे जायसवाल ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जो मुझ पर भरोसा जताया है उसके लिए कोटि-कोटि धन्यवाद. कार्यकर्ताओं का भी आभार व्यक्त करता हूं. जनता की आशा व आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा. कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष प्रवीण मेहता, हजारीबाग लोकसभा के सह संयोजक कुंटू बाबू, उपाध्यक्ष राजू चतुर्वेदी, अखिलेश प्रसाद महामंत्री खिरोधर साहू, रंजन सिंह फौजी, मंत्री दिलीप सिंह, किरण देवी, बलराम महतो, वसुध तिवारी, राजू कुशवाहा विजय जायसवाल रॉबिन गुप्ता, मीडिया प्रभारी भीम सेन चौहान, राजीव रंजन, सोशल मीडिया प्रभारी शांतोष शर्मा आदि मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

तीन किग्रा अफीम के साथ युवक गिरफ्तार

कोडरमा। रेल एसपी के गुप्त सूचना पर ऑपरेशन नार्कोस के तहत आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में बुधवार की देर शाम कोडरमा स्टेशन से एक युवक को लगभग तीन किलोग्राम अफीम के साथ गिरफ्तार किया गया है. इसका अनुमानित मूल्य चार लाख रुपये बताया गया. इस संबंध में जानकारी देते हुए आरपीएफ निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि रेल एसपी को मिली गुप्त सूचना पर कोडरमा स्टेशन पर चेकिंग अभियान चलाया गया. इस दौरान प्लेटफार्म संख्या 4 फुट ओवर ब्रिज के निकट संदिग्ध परिस्थिति में पिट्ठू बैग लिए खड़े एक युवक को पकड़ा गया.

कंचनपुर पंचायत भवन में लाखों की हुई चोरी

कटकमसाडी। थाना क्षेत्र ओपी पेलावल के कंचनपुर पंचायत भवन में देर रात चोर ताला तोड़कर दो लाख रुपये का सामान ले गए. इस संबंध में मुखिया पिंकी राणा और पंचायत सचिव नरेश पांडे ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है. आवेदन में कहा है कि सभी दरवाजों की कुंडी कतर से काटकर चोरी की गई है. चोरों ने बहुत ही चालाकी से छत के ऊपर से प्रवेश किया. भवन में लगा सीसीटीवी का एलसीडी सेट, इनवर्टर बैटरी, ज्ञान केंद्र का कंप्यूटर सेट सहित अन्य सामान चोर ले गए. पिछले दिनों पहले ओपी पेलावल थाना क्षेत्र के गदोखर पंचायत भवन और उत्क्रमित उच्च विद्यालय छड़वा और आंगनबाड़ी केंद्र छडवा में भी चोरों ने चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था.

आरोप : गाड़ी छोड़ने का थाना प्रभारी लेते हैं 20 हजार, मुंशी का रेट 1500

कोर्रा थाने में चल रही है रिश्वतखोरी की दुकान!

संवाददाता। हजारीबाग

शहर का कोर्रा पुलिस थाना इन दिनों सुर्खियों में है, जहां रिश्वतखोरी की दुकान चल रही है. जब्त की गई गाड़ी छोड़ने की बात करे, या फिर चोरी, छिनतई, यौन शोषण के अलावा चाहे वह आरोपी हो या फिर आवेदन देने वाला, सभी का अलग-अलग रेट फिक्स किया हुआ है.

ऐसे में आम लोग अब कोरा थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराना नहीं चाहते. वे आरोप लगाते हुए कहते हैं कि थाने में अगर आवेदन देना हो तो उसके लिए भी थाना प्रभारी और मुंशी को तय रेट के मुताबिक रिश्वत देनी पड़ती है. अगर गलती से आरोपी पकड़ा जाए तो उसके लिए उनका अपना मनचाहा रेट होता है. हालांकि अगर कोई आरोपी वरिष्ठ अधिकारी की नजर में आ जाता है तो फिर मजबूरी थाना पुलिस द्वारा उसे जेल भेज दिया जाता है, लेकिन उससे भी नए अंदाज में सौदा किया जाता है.

आरोपी को डराया जाता है और कहा जाता है कि तुम्हारा सजा कम हो इसके लिए चढ़ावा देना पड़ेगा और अगर चढ़ावे दिए बिना जाना चाहोगे तो लंबे चक्कर में फंसना होगा. ऐसा ही एक मामला गुरुवार की शाम देखा गया. प्रभारी कोर्रा थाने में नहीं थे और मुंशी ट्रैक्टर छोड़ने के लिए 1500 रुपये मांग रहे थे. भुक्तहोगी पैसे देने से इनकार कर रहा था और वह मिठाई खाने के लिए 500 रुपये देना चाहता था, लेकिन मुंशी अपनी डिमांड पर अड़े हुए थे और अंत में उन्होंने 1500 रुपये लेकर ही ट्रैक्टर छोड़ा.

इस संबंध में भुक्तभोगी ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि 18 जून 2023 को माइनिंग विभाग द्वारा पत्थर लोड गाड़ी को पकड़ा गया था, जून 2024 में गाड़ी को छोड़ दिया गया और थाने के रिलीज के नाम पर पहले ही बड़ा बाबू 20 हजार ले चुके थे. पूरी कागजात के साथ गुरुवार को थाना पहुंचे तो मुंशी जी नाराज हो गए और वह अपनी डिमांड करने लगे. हाथ पांव जोड़ने के बाद 1500 रुपये लेकर ट्रैक्टर छोड़ा.

रिश्वत का सौदा करते मोबाइल फोन के कैमरे में कैद फोटो और छोड़ते हुए ट्रैक्टर.

खास बातें

- आम लोग शिकायत लेकर जाने से भी करते हैं परहेज
- थाने में आवेदन लेने की एवज में भी मांगी जाती है रिश्वत

क्या कहते हैं थाना प्रभारी व डीआईजी

वहीं इस संबंध में कोर्रा थाना प्रभारी शमशेर बहादुर ने पूछे जाने पर टाल मटोल करते हुए रिश्वत की रकम लेने के आरोप को निराधार बताया है. उन्होंने कहा कि यह माइनिंग विभाग का मामला था भुक्तभोगी के पास कुछ कागजात नहीं थे इसलिए वाहन छोड़ने में समय लगा है. उन्होंने यह भी कहा कि हम गुरुवार को थाने में नहीं थे. अगर मुंशी रिश्वत ले रहा था तो इसकी जानकारी मुझे नहीं है. वहीं इस संबंध में हजारीबाग उत्तरी छोटा नागपुर के डीआईजी सुनील भास्कर ने पूछे जाने पर कहा कि पुलिस और पब्लिक का संबंध अच्छा हो इसके लिए प्रयास किया जा रहा है. अगर थाना प्रभारी या मुंशी रिश्वत लेते हैं तो इस पर एसपी को लिखा जाएगा एवं जांच कराई जाएगी. दोषी पाए जाने पर कार्रवाई भी की जाएगी.

स्वास्थ्यकर्मियों की लापरवाही से नवजात की मौत

खास बातें

- केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था बदहाल
- जीएनएम के विरुद्ध थाने में आवेदन, गिरफ्तारी की मांग

संवाददाता। केरेडारी

स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक व जीएनएम की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत हो गई. जोरदाग गांव निवासी रोहित साव ने स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है. अपने आवेदन के माध्यम से साव ने कहा है कि 2 जून की अहले सुबह 3 बजे मुकेश साव अपने भाई की पत्नी कंचन देवी को लेकर केरेडारी सीएचसी पहुंचा था, जहां महिला प्रसव पीड़ा से छटपटाती रही, लेकिन किसी कर्मचारी व जीएनएम ने उस पर ध्यान नहीं दिया. ड्यूटी में तैनात जीएनएम भी तीन घंटे पहले ड्यूटी छोड़कर घर चली गई. अगर उक्त जीएनएम घर नहीं गई होती तो आज नवजात शिशु जीवित और स्वस्थ होता. आवेदक ने थाना प्रभारी से न्याय की मांग करते हुए अपनी ड्यूटी को लेकर लापरवाह जीएनएम को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की है ताकि उक्त घटना भविष्य में दोहराई नहीं जा सके. बता दें कि बाद में गंभीर स्थिति में महिला की डिलीवरी ऑपरेशन से बड़कागांव अस्पताल में कराई गई, जहां बच्चे की हालत गंभीर होने पर उसे आनन फानन में हजारीबाग के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, जहां उसने गुरुवार को दम तोड़ दिया. इसके बाद परिजन शव के साथ केरेडारी थाना पहुंचे और आवेदन देकर जीएनएम पर करवाई की मांग की.

स्वास्थ्य केंद्र में हंगामा करते लोग.

विधायक ने स्वास्थ्यकर्मियों को लगाई थी फटकार

उल्लेखनीय है कि केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था बदहाल है. इसको लेकर की गई शिकायत पर बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद शनिवार को केरेडारी सीएचसी पहुंची थीं. कार्यालय में प्रभारी समेत सभी स्वास्थ्य कर्मियों को जमकर फटकार लगाई थीं. ग्रामीणों की शिकायत थी कि सभी चिकित्सक ड्यूटी नहीं करते, अस्पताल में डीजी जेनरेटर के रहते मरीज रात्रि के अंधेरे में रहते हैं. इसी दौरान मुकेश साव ने बताया था कि उक्त समय ड्यूटी पर कार्यरत जीएनएम रोशनी सोरेन गर्भवती महिला की जांच कर बताया कि अभी समय लगेगा. इसके बाद महिला प्रसव पीड़ा से तड़पने लगीं. जीएनएम को बुलाने गए पर वह नहीं आई और घर चली गई. इसके बाद अस्पताल के सभी दरवाजे खटखटाए. इसके दो घंटे बाद लगभग 7 बजे चिकित्सा प्रभारी डॉ. विक्रम कुमार आये और किसी दूसरी एनएम को बुलाया, जिसकी ड्यूटी उस वक्त नहीं थी. उसने जांच कर महिला व बच्चे की स्थिति को गंभीर बताया. हमने आनन फानन में महिला को और बड़कागांव ले गया, जहां ऑपरेशन से प्रसव कराया गया. बच्चे की स्थिति काफी गंभीर होने पर हमने आनन फानन में उसको हजारीबाग ले गया.

दो एंबुलेंस के भरोसे 1.40 लाख की आबादी

विधायक अंबा प्रसाद ने जीएनएम और चिकित्सा पदाधिकारी से पूछताछ की तो जीएनएम ने बताया कि हम जरूरी काम से घर गए थे. वहीं चिकित्सा पदाधिकारी विक्रम कुमार ने कहा कि कुछ चिकित्सक स्वास्थ्य केंद्र आते हैं, बाकी कभी कभी आते हैं. इस पर विधायक ने उपस्थिति पुस्तिका मंगवाई और देखा कि जो डॉक्टर ड्यूटी से गायब रहते हैं उनकी उपस्थिति बनी हुई थी. विधायक उपस्थिति पुस्तिका की फ़ोटो कॉपी करवा कर अपने साथ ले गईं. कहा कि केरेडारी अस्पताल में औपचारिक व्यवस्था चरमरा गई है. उन्होंने ड्यूटी छोड़ घर भाग गई जीएनएम व ड्यूटी से गायब चिकित्सकों पर कार्रवाई करने की बात कही थी. चिकित्सा प्रभारी ने बताया कि डॉक्टर सौम्या कभी-कभी अस्पताल आती है और डॉक्टर शिखा अभी छुट्टी पर है. केरेडारी प्रखंड में दो एंबुलेंस के भरोसे 1.40 लाख की आबादी है. केरेडारी प्रखंड के चिकित्सा प्रभारी विक्रम कुमार बताते हैं कि प्रखंड में मात्र दो एंबुलेंस की व्यवस्था है. बिजली की आम समस्या है और अल्ट्रासाउंड और एक्स-रे मशीन खराब है. अनेक समस्याएं हैं लेकिन मैं किनको सुनाऊं.

अफसरों ने प्रभावित गांवों का लिया जायजा

संवाददाता। केरेडारी

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की शिकायत पर विशेष टीम गठित कर सभी पहलुओं की जांच शुरू

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव की शिकायत पर श्रम एवं रोजगार मंत्रालय भारत सरकार के अधीन खान सुरक्षा महानिदेशालय रांची के अधिकारियों ने केरेडारी प्रखंड के चट्टी बारियातू एवं केरेडारी कोयला खनन परियोजना से प्रभावित कई गांवों का निरीक्षण किया.

ज्ञात हो कि पूर्व मंत्री ने खान सुरक्षा निदेशक को पत्र लिखकर केरेडारी में नियम कानूनों को ताक पर रखकर किए जा रहे हैवी ब्लास्टिंग से घरों में हो रही कंपन, पड़ रही दरार एवं भय के साए में जीवन व्यतीत कर रहे लोगों के हित में कंपनी प्रबंधन पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया था. इसी कड़ी में गुरुवार को खान सुरक्षा निदेशालय के डिप्टी डायरेक्टर हनुमंत कुमार ने चट्टी बारियातू, पगार, बिरहोर टोला, नावाडीह, पांडु, पेटो समेत विभिन्न गांव पहुंचकर ब्लास्टिंग से घरों में पड़ी दरार एवं सुरक्षा के संबंध में उठाए गए व्यापक कदमों की जांच की. बिरहोर टोला पहुंचने पर खनन क्षेत्र अति नजदीक होने पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई. वहीं जोरदाग स्कूल के समीप किया जा रहे ओबी डंप समेत विभिन्न गांव, मोहल्ले पहुंचकर घरों में पड़ी दरारों का निरीक्षण किया. इस दौरान एनटीपीसी के भी कई अधिकारी साथ-साथ मौजूद रहे. पूर्व मंत्री ने कहा कि बगैर विस्थापित किए कंपनी घनी आबादी क्षेत्र में भी खनन कार्य कर रही हैं, लोग दहशत में जीवन यापन कर रहे हैं, ब्लास्टिंग के कारण घरों में भारी दरार पड़ गई है, तुरंत एनटीपीसी प्रबंधन पर कार्रवाई होनी चाहिए.

वहीं खान सुरक्षा महानिदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि पूर्व मंत्री की शिकायत पर विशेष टीम का गठन करके सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच की जा रही है. इस संबंध में शीघ्र ही रिपोर्ट तैयार करके कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. मौके पर विधायक प्रतिनिधि सुरेश साव, प्रखंड कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सह 20 सूत्री उपाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सुंदर गुप्ता, 20 सूत्री सदस्य अत्ताउल्लाह, धीरेंद्र साव, तपेश्वर साव, मो. राजा, मोहम्मद शमीम, आदित्य साव, किशोर साव आदि मौजूद थे.

अधिकारियों ने कोयला खनन परियोजना से प्रभावित गांवों के लोगों से मिलकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली.

कंटेनर व टैंकर भिड़ंत में बचे चालक व परिचालक

चौपारण। जीटी रोड पिपरा में एनएचएआई की कुव्यवस्था के कारण गुरुवार को दूध व परचून लदे वाहन आमने-सामने भिड़ गये, जिससे वाहन चालक एवं खलासी बाल-बाल बच गए. बताया जाता है कि एनएचएआई के निर्देशन में जीटी रोड पिपरा गांव में एक किलोमीटर सड़क को वन-वे कर दिया गया है, जिसके कारण एक तरफ हमेशा जाम लगा रहता है. वहीं दूसरी ओर फोर लेन से सटा हुए रैयतों के घरों के कारण वाहनों को परेशानी होती है. जानकारी के अनुसार कानपुर से रांची जा रहे दूध टैंकर का चालक नफीस और ओडिशा केकटक से गोरखपुर, उतर प्रदेश जा रहे कंटेनर का चालक गौरव कुमार बाल-बाल बच गए. दुर्घटना होने के बाद पिपरा के ग्रामीणों ने दो चालकों एवं एक खलासी को केबिन से बाहर निकाल कर थाने को इसकी सूचना दी. थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने क्रेन से वाहनों को हटाया.

विश्व पर्यावरण दिवस पर नीड फाउंडेशन ने किया पौधों का वितरण

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

संवाददाता। हजारीबाग

विश्व पर्यावरण दिवस पर 'नीड फाउंडेशन' ने बड़कागांव के कांडतरी पंचायत में पर्यावरण संरक्षण के निमित्त एक कार्यक्रम का आयोजन किया. कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि 1857 की क्रांति के नायक जयमंगल पांडेय के वंशज अधिवक्ता सुनील पांडेय, जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी, उपमुखिया राजदेव महतो, उपप्रमुख बचनदेव प्रसाद महतो उपस्थित थे. नीड के सचिव शिव शंकर दयाल ने पर्यावरण को हरा-भरा रखने का संकल्प दिलाया.

साथ ही हर घर एक पेड़ हो इसकी संकल्पना के साथ ग्रामीणों को जागरूक किया. मौके पर सुनील पांडेय ने नीड फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था हमेशा से सामाजिक कार्यों के साथ जुड़ी रहती है. इनके द्वारा किया जाने वाला हर कार्य काफी अलग और अनूठा होता है. शुद्ध हवा, पर्यावरण संरक्षण जीवन जीने का आधार है. जिला परिषद सदस्य सुनीता देवी ने पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को बताते हुए कहा कि एक तरफ हम विकास की राह पर हैं तो दूसरी ओर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर विनाश को भी आमंत्रण दे रहे हैं.

नीड फाउंडेशन के द्वारा वितरित पौधे को लगाकर वृक्ष बनाने तक भरपूर योगदान देने की बात कही. उपप्रमुख बचनदेव महतो ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कई जानकारियां साझा की. नीड फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष पप्पू यादव ने सभी को पेड़ लगाने हेतु जागरूक किया. इससे पहले फाउंडेशन ने ग्रामीणों के बीच 1000 से अधिक पौधे का वितरण किया. मौके पर वन समिति के अध्यक्ष बालेश्वर महतो, मनोहर मिंज, कुलेश्वर कुमार, प्यारी महतो, मुनिया देवी, गीता देवी, रीता देवी, अनिता देवी, संगीता देवी, बाली देवी, तुलेश्वर महतो, प्रकाश कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे.

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधे बांटते नीड फाउंडेशन के पदाधिकारी.

परंपरा | पूजा के लिए सुबह से ही महिलाओं का वट वृक्षों के पास पहुंचना शुरू हो गया था

डीसी ने प्रशासनिक काम करते हुए की वट वृक्ष की पूजा

संवाददाता। हजारीबाग

उपयुक्त नैंसी सहाय ने गुरुवार को प्रशासनिक काम करते हुए भारतीय परंपरा के तहत अपने पति की दीर्घायु के लिए वट वृक्ष की पूजा की. वहीं पति की लंबी आयु के लिए जिले भर पर महिलाएं सुबह 5:00 बजे से वट वृक्ष की पूजा कर पति की लंबी आयु की कामना की. कटकमसांडी, चौपारण, बड़कागांव, केरेडारी, कटकम दाग, पदमा के अलावे विभिन्न गांवों में महिलाओं ने वट सावित्री पूजा कर कथा सुनी. वट सावित्री पूजा के बारे में पार्वती व गायत्री ने बताया कि इस पूजा का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व बहुत अधिक है. इस व्रत के पालन से पति की आयु लंबी होती है और दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि आती है. महिलाएं परिवार की खुशहाली और समृद्धि के लिए यह पूजा करती हैं.

वट वृक्ष की पूजा करती डीसी नैंसी

सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए की बट सावित्री पूजा

रामगढ़। जिले में गुरुवार को सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए वट सावित्री पूजा की. सुबह से ही सिंगार कर सुहागिन महिलाएं पूजा की सामग्री लेकर बट बृक्षों के पास एकत्रित हुईं, जहां विधि विधान से पूजा की. पेड़ में कच्चा सूत बांध और परिक्रमा करते हुए पति की लंबी आयु की कामना की. इस दौरान सावित्री और सत्यवान की कथा सुनाई गई. वहीं सुहागिनों ने एक दूसरे को सिंदूर लगाकर अखंड सौभाग्य की कामना की. वट वृक्षों के पास बड़ी संख्या में सुहागिन महिलाएं अपने पति को तिलक लगाकर आरती और परंपरागत रूप से आशीर्वाद लिया. 30 वर्षों से वट वृक्ष के नीचे पूजा करते चली आ रही अनीता देवी ने बताया कि यह व्रत पतिव्रता सुहागिन नारियों के लिए ब्रह्मास्त्र का काम करता है. वहीं पूनम, गीता एवं विनीता ठाकुर ने बताया कि मान्यता है कि वटवृक्ष के नीचे इसलिए पूजा की जाती है क्योंकि इसी वृक्ष की जड़ में यमराज ने सत्यवान के जीवन को बांध दिया था. इसी को प्रतीक मानकर सुहागिन महिलाएं लाल रक्षा सूत्र चारों ओर घूम कर बांधते हैं.

रामगढ़ में वट वृक्ष की पूजा करने के लिए पहुंचीं महिलाएं.

हटिया-पटना सुपर एक्स. ट्रेन में यात्री की हुई मौत

कोडरमा। ट्रेन में सफर के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थिति में मौत के बाद जीआरपी ने उसका शव कोडरमा स्टेशन पर उतारा. मृतक गुरुवार को (18626) हटिया-पटना सुपर एक्सप्रेस से सफर कर रहा था. इस संबंध में ऑन ड्यूटी स्टेशन मास्टर ने जीआरपी को ट्रेन में एक शव होने की सूचना दी, जिसके बाद जीआरपी ने आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक मुर्शीद आलम खान, उप निरीक्षक जेके सिंह और जीआरपी जवान के सहयोग से शव को कोडरमा स्टेशन पर उतारा. इसके पूर्व ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों से मृतक के सगे संबंधियों के बारे में पूछताछ में किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं मिली. बाद में यूडी केस दर्ज करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए कोडरमा सदर अस्पताल भेज दिया गया.

राधा गोविंद विवि में हुआ शपथ ग्रहण समारोह

पद शक्ति का नहीं, जिम्मेदारी का प्रतीक : कुलाधिपति शाह

शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद पदाधिकारी व अन्य गणमान्य लोग.

संवाददाता। रामगढ़

राधा गोविंद विश्वविद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. इसका शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बीएन साह ने किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह पद शक्ति का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का प्रतीक है. कुलपति प्रो. डॉ. समरेंद्र नाथ साहा, प्रति कुलपति प्रो. डॉ.रश्मि, कुलसचिव प्रो. डॉ. निर्मल मंडल, परीक्षा नियंत्रक प्रो.डॉ. अशोक कुमार, प्रोफेसर डॉ रंजन कुमार, डॉ अंजू तिवारी, डॉ आशा प्रकाश, डॉ मुकेश गुप्ता एवं एसोसिएट प्रोफेसर में डॉ रंजना पांडे, डॉ प्रेम प्रकाश, डॉ अमन वर्मा को मुख्य अतिथि पूर्व जिला न्यायाधीश महेंद्र प्रसाद ने सभी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष भाई के सहयोग से पराक्रम में वृद्धि होगा. गुरु के चलते भाई का सहयोग प्राप्त होगा. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. लाभ में वृद्धि होगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. समय सुखपूर्वक व्यतीत होगा. किसी का दिल दुख सकता है.

वृषभ कुटुम्ब से विवाद हो सकता है. क्रोध पर नियंत्रण रखें. धन का आगमन होगा. मान-सम्मान मिलेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. व्यापार लाभदायक रहेगा. निवेश शुभ रहेगा. नेत्र रोग से बचें.

मिथुन दिल दिमाग में कुछ गलत भावना भी उत्पन्न होगा. व्यापार लाभदायक रहेगा. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा. मानसिक बेचैनी रहेगी. सभी तरफ से सफलता प्राप्त होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा.

कर्क उदर रोग से बचें. भोजन पर नियंत्रण रखें. स्वयं या कुटुम्ब पर खर्च अधिक होगा. यात्रा का भी मन बनेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है.

सिंह किसी बाहरी से कुछ आय होगी. साथ ही कोई नया आय का मार्ग मिलेगा. रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे. पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

कन्या पराक्रम और पिता का लाभ होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें, गुम हो सकती हैं. विवाद को बढ़ावा न दें. बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें. किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है. मेहनत अधिक होगी.

तुला धार्मिक यात्रा का योग बन रहा है. भोग विलास से दूर रहें. धर्म में मन लगेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. बनते कामों में विघ्न आ सकते हैं. चिंता तथा तनाव रहेंगे. बेकार की बातों की तरफ ध्यान न दें.

वृश्चिक फालतू कार्य से बचें. यह समय और धन दोनों बर्बाद करेगा. फालतू खर्च होगा. अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के बहकावे में न आएं. परिवार के किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य पर खर्च होगा.

धनु जीवन-साथी के साथ कही घूमने का योग है. कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा. निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. इत्र का दान करें.

मकर आय में वृद्धि होगी. लाभ में वृद्धि होगी. कारोबार में वृद्धि होगी. शेयर मार्केट से लाभ होगा. आपके व्यवहार से व्यापार ठीक चलेगा. आपके प्रभाव से नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कुंभ किसी मित्र से विवाद भी हो सकता है. संतान को लाभ होगा. कार्य और व्यापार लाभदायक रहेगा. कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है. नए उपक्रम प्रारंभ हो सकते हैं. कार्यसिद्धि होगी. कोई अच्छा कार्य होगा जिससे प्रसन्नता में वृद्धि होगी.

मीन बेरोजगारी को दूर करने का प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा लाभदायक रहेगी पर आज बचे. भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी. किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही होगा. समय अनुकूल है. माता की सेवा करें. घर में मिठाई ले कर जाएं.

इंडिया गठबंधन की कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने नवनिर्वाचित सांसद संजय सेठ को दी बधाई, कहा-

जनता के साथ सदैव खड़ी रहूंगी, जहां नहीं पहुंच सकी, वहां भी जाऊंगी

विशेष संवाददाता। रांची

कांग्रेस नेत्री एवं रांची से कांग्रेस प्रत्याशी रहीं यशस्विनी सहाय ने रांची की जनता का आभार जताया है. उन्होंने कहा कि काफी कम समय में जनता ने मुझे जो अपार स्नेह और प्यार दिया सके लिए मैं उनकी आभारी हूं और विश्वास दिलाती हूं कि यहां की जनता के साथ मैं सदैव खड़ी रहूंगी. उन्होंने लोकसभा के निर्वाचित प्रतिनिधि संजय सेठ को बधाई देते हुए कहा कि जनता ने उन्हें दोबारा मौका दिया है उम्मीद है जनता के मुद्दों पर वह खरे उतरेंगे. उक्त बातें उन्होंने कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही.

मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी व गठबंधन को दिया धन्यवाद

सहाय ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी सहित इंडिया गठबंधन दल के तमाम सहयोगियों को भी धन्यवाद दिया. कहा की कांग्रेस के प्रदेश,जिला, प्रखंड स्तर के सभी कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता सहित मीडिया के साथीगण धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने चुनाव में भरपूर साथ दिया और समय-समय पर मार्गदर्शन करते रहे. हमारे पास सिर्फ 25 दिनों का समय था और इतने कम समय में जितना कर पायी किया. काफी लोगों तक मैं नहीं पहुंच पाई, जिसका मुझे अफसोस है लेकिन जहां मैं नहीं पहुंच सकी, वहां जरूर जाऊंगी.

पलायन की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए काम करती रहूंगी

उन्होंने कहा कि रांची सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में महिला अधिकार और बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही थी और सामाजिक रूप से लोगों से जुड़ी रहती थी यह चुनाव व्यक्तिगत रूप से मेरा पहला राजनीतिक अनुभव था आगे भी मैं इन कार्यों से जुड़ी रहूंगी, इसके अलावा पलायन की समस्या से जूझ रहे लोगों की समस्या के समाधान के लिए प्रयासरत रहूंगी.

'चुनाव में उठाए मुद्दे उठाती रहूंगी पर्यावरण की रक्षा करनी होगी'

उन्होंने कहा कि चुनाव में जो मुद्दे हमने उठाए थे वह जारी रहेंगे. कल विश्व पर्यावरण दिवस था, जो रांची के लिए जरूरी है, यहां का आदिवासी समाज प्रकृति पूजक है और हमारे जीवन रक्षा का आधार भी है. हमें इसके बारे में गंभीरता पूर्वक सोचना चाहिए मैं इस विषय पर भी कार्य करूंगी. रांची इंडस्ट्रियल हब के रूप में कैसे अपनी पहचान बनाये इस बारे में भी मेरा ध्यान केंद्रित रहेगा कि इसमें मैं क्या भूमिका निभा सकती हूं. मुझे रांची की जनता से जो प्यार मिला है उसे आगे लेकर जाना है. इस मौके पर मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा प्रवक्ता सोनाल शांति, कमल ठाकुर उपस्थित थे.

हार के लिए जनता व माहौल कम, भितरघात के मामले सामने आ रहे

कांग्रेस की पांच सीटों पर हार : आरोप प्रत्यारोप, शिकायतों का दौर शुरू

- भितरघात, जिम्मेवार पदों पर बैठे लोगों का आपेक्षित सहयोग नहीं मिलने सहित कई तरह की शिकायतें पहुंच रही हैं नेतृत्व के पास
- बहुत जल्द हो सकती है गरमा-गर्म चुनावी समीक्षा, प्रभारी मीर ने दिया संकेत

कौशल आनंद। रांची

चुनावी महौल और गठबंधन की ताकत फेवर में होने के बावजूद कांग्रेस लोकसभा को पांच सीटों पर करारी हार का सामना करना पड़ा. प्रदेश नेतृत्व भले ही पिछले चुनाव की तुलना में वोट प्रतिशत बढ़ने को लेकर अपनी पीठ थपथपा ले, मगर हार के लिए जनता और माहौल कम अपनों की बेरुखी और भीतरघात के मामले सामने आ रहे हैं. प्रदेश प्रभारी और अध्यक्ष ने इसको लेकर बहुत जल्द समेकित रूप से चुनावी समीक्षा होने की बात कही है. मगर इतना तय है कि जिस दिन समीक्षा होगी, उस दिन उठा-पठक की पूरी संभावना है.

रांची लोस : रांची लोकसभा को लेकर सुबोधकांत सहाय बहुत अधिक उत्साहित थे. हालांकि गत चुनाव के हिसाब से इस बार एक लाख से अधिक वोटों का इजाफा हुआ. मगर सहाय खेमे को बहुत सारे मामले में अपनों से ही दुख और शिकायत है. मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के अपने चार मंत्री थे. इसमें एक मंत्री तो रांची में निवास करते हैं. मगर एक दिन भी पार्टी प्रत्याशी के लिए सावर्जनिक कार्यक्रमों में देखे नहीं गए. एक मंत्री प्रियंका गांधी के साथ रांची की चुनावी सभा में केवल नजर आए. न तो इसके पहले ओर न ही इसके बाद वे रांची में अपने समुदाय के वोटों के लिए कोई मीटिंग की और प्रत्याशी के लिए कोई चुनावी सभा और लांबिंग की. यही हाल अन्य मंत्रियों का भी रहा. पार्टी की ओर से कई वरिष्ठ नेता बोर्ड-निगमों में विराजमान हैं, मगर वे निजी तौर पार्टी प्रत्याशी के लिए रांची में प्रियंका गांधी की चुनावी सभा को छोड़ कहीं भी नजर नजर नहीं आए. प्रदेश अध्यक्ष से लेकर पीसीसी कमेटी में भारी-भरकम पदाधिकारियों की सूची है,मगर कोई भी प्रत्याशी के लिए सार्वजनिक स्थलों पर खुलकर नहीं आए न ही निजी तौर कोई मेहनत की. सहाय खेमे को इस बात का भी मलाल है कि रांची विधानसभा झामुमो की प्रत्याशी रहीं राज्यसभा सांसद डा महुआ माजी का भी सहयोग खुलकर नहीं मिला. वे भी प्रियंका गांधी के सभा के दौरान ही एक दिन सार्वजनिक रूप से दिखीं.

धनबाद लोस : धनबाद लोकसभा में भी भीतरघात के मामले सामने आ रहे हैं. मिली जानकारी के पूरा चुनाव अनुप सिंह ने अपने कंधे पर लेकर लड़े. धनबाद में किसी भी पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं की चुनावी सभा नहीं होने का मलाल अनुप सिंह को है. मिली जानकारी के अनुसार प्रियंका गांधी का प्रोग्राम शुरू में दो महिला प्रत्याशी यशस्विनी सहाय और अनुपमा सिंह के लिए तय किया जा रहा था. मगर ऐन मौके पर प्रियंका गांधी की चुनावी सभा धनबाद से काटकर गोड्डा कर दी गयी. इसके पीछे की वजह प्रदेश संगठन के अंदरूनी राजनीति को बताया जा रहा है. इसके अतिरिक्त लोकल झामुमो और कांग्रेस इकाई का अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने की बातें सामने आ रही हैं.

गोड्डा लोस : गोड्डा लोकसभा में प्रदीप यादव को तो लोकल कांग्रेस, झामुमो और राजद कमेटी के लोगों का साथ मिला, मगर उन्हें अपने विधायक का ही पूरा साथ नहीं मिला. यह वही विधायक है जिन्हें पहले टिकट दिया गया तो और बाद में उनका टिकट वापस करके प्रदीप यादव को दिया गया. संसाधन के रूप में प्रदेश नेतृत्व से आपेक्षित सहयोग नहीं मिलने का मामला सामना आया है.

चतरा लोस : सबसे अधिक भीतरघात के मामले चतरा से आ रहे हैं. केएन त्रिपाठी के टिकट मिलने के बाद से ही लोकल राजद टीम उनके खिलाफ हो गया था. उलगुलान रैली में राजद और त्रिपाठी समर्थकों के बीच जबरदस्त मारपीट हुई थी. चतरा में शुरू से ही त्रिपाठी को बाहरी प्रत्याशी घोषित कर दिया गया था जो चतरा से नहीं थे. उपर से प्रदेश नेतृत्व और लोकल कांग्रेस इकाई के द्वारा भी सहयोग नहीं मिलने के मामले सामने आ रहे हैं.

हजारीबाग लोस : हजारीबाग में सीट से करीब-करीब यही मामले सामने आ रहे हैं. हजारीबाग संसदीय सीट के कांग्रेस विधायकों का आपेक्षित सहयोग नहीं मिलने और लोकल संगठन इकाई चाहे वह झामुमो हो या फिर कांग्रेस की बेरूखी की बातें सामने आ रही हैं.

प्रभारी ने कहा : हारी हुई सीट को लेकर कई तरह की शिकायतें मिल रही हैं. इसकी सामूहिक समीक्षा होनी चाहिए. बहुत जल्द चुनाव की जिम्मेवारी निभा रहे पदाधिकारियों के साथ बैठक परिणामों की समीक्षा होगी.

अध्यक्ष ने कहा : कांग्रेस को जिन सीटों पर हार मिली है, उसकी गहराई से समीक्षा होगी. अगर मैं भी जिम्मेवार हूं तो जिम्मेवारी तय होगी. समग्रता से सभी बिंदुओं पर विचार होगा, ताकि पार्टी आगामी विधानसभा की तैयारी में जुट सके.

11 और नक्सलियों पर इनाम घोषित, संख्या बढ़कर हुई 188

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस ने 11 और नक्सलियों पर इनाम घोषित किया है. इसके बाद झारखंड में अब इनामी नक्सलियों की संख्या बढ़कर 188 हो गयी. राज्य में जो इनामी नक्सली हैं, उसमें सेंट्रल कमेटी मेंबर व पोलित ब्यूरो मेंबर में एक करोड़ के चार, स्टेट एरिया कमेटी के 25 लाख के आठ, रीजनल कमेटी मेंटर के 15 लाख के 13, जोनल कमेटी मेंबर के 10 लाख के 14, सब जोनल कमेटी मेंबर के 5 लाख के 17, एरिया कमेटी मेंबर में दो लाख के 11 और साधारण सदस्यों में एक लाख के 21 नक्सली हैं. इसमें सीपीआई माओवादी, पीएफआई, जेजेएमपी और टीपीसी के उग्रवादी शामिल हैं.

नक्सलियों के साये से मुक्त रहा लोकसभा चुनाव : झारखंड में पहली बार सभी 14 सीटों पर नक्सली हिंसा के बिना मतदान संपन्न हुआ. राज्य में 3479 बूथ नक्सल प्रभावित थे, जबकि 9460 संवेदनशील श्रेणी के थे. लेकिन कहीं से भी किसी तरह की हिंसा नहीं हुई. झारखंड के अलग राज्य बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब जवान फ्रंटफुट पर अभियान चला रहे हैं और नक्सली बैकफुट पर हैं. एक तरफ सुरक्षाबलों ने पिछले 17 महीने के दौरान 16 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया है. वहीं 142 बड़े नक्सलियों को भी गिरफ्तार भी किया. साथ ही पुलिस की दबिश से परेशान होकर 52 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया. सुरक्षाबलों की तैयारी को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि अब झारखंड में नक्सली खत्म होने के कगार पर हैं.

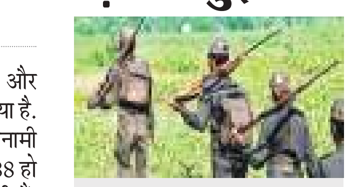

इन 11 नक्सलियों पर किया गया इनाम घोषित

कुंदन खेरवार	10 लाख
सलमान उर्फ लोकेश	10 लाख
रवि गंझू	10 लाख
पकांडे होनहाना	05 लाख
मनीष यादव	05 लाख
शिवराज सिंह	05 लाख
शिव सिंह	05 लाख
अनिल तूरी	05 लाख
जितेंद्र सिंह	02 लाख
राजू भुइयां	02 लाख
बाबूलालजी	01 लाख

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं ग्रामीण

सुरक्षाबलों की ओर से नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है. इस अभियान के दौरान नक्सलियों को काफी नुकसान पहुंचा है. इस कार्रवाई से परेशान भाकपा माओवादी के नक्सली ग्रामीणों की हत्या कर रहे हैं. पिछले 16 महीने में नक्सलियों ने 20 ग्रामीणों की हत्या की है. साथ ही इस मुठभेड़ में सात पुलिस बल के जवान भी शहीद हुए हैं. इसके अलावा 36 मुठभेड़ की घटना हुई है.

डालटनगंज में 51 बच्चों का दृढ़ीकरण संस्कार

रांची । डालटनगंज स्थित पवित्र हृदय पल्ली चेतमा में गुरूवार को 51बच्चों ने दृढ़ीकरण और 35 बच्चों ने परमप्रसाद संस्कार ग्रहण किया. मुख्य अनुष्ठाता बिशप थियोडोर मस्कारेन्हास थे. उन्होंने 86 बच्चों को संस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर बिशप ने कहा कि प्रभु ने विश्वासियो को बुलाया है, ताकि परमेश्वर का प्यार सबको मिल सके. उनके प्यार को महसूस कर सकें. ईश्वर के बताये मार्ग पर चल सकें. अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें. विश्वासियों को परमेश्वर के प्रति बनना होगा. इसके लिए जरूरतमंद लोगों का सेवा करना होगा. मौके पर पुरोहित फादर मॉरिस कुजूर, पूर्व पुरोहित सेलेस्टिन, फादर अजय मिंज, सहायक पुरोहित विलियम खाखा, फादर अमरदीप केरकेट्टा, ब्रदर जेम्स, ब्रदर बीरबल तीन समेत अन्य धर्म बहनें शामिल थे.

राजद की हार पर रामदेव ने दिया इस्तीफा

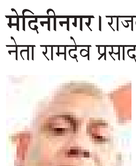

मेदिनीनगर। राजद विधि प्रकोष्ठ के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष नेता रामदेव प्रसाद यादव ने पलामू लोकसभा सीट से राजद की हार से आहत होकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है. उन्होंने हार कि लिए संगठनन से जुड़े तमाम लोगों को जिम्मेदार बताया है. उन्होंने कहा है कि झारखंड में केवल एक सीट पर राजद प्रत्याशी ममता भुईयां चुनाव लड़.रहीं थीं, मगर चुनाव में राजद के मंत्री सत्यानंद भोगता प्रचार-प्रसार में नहीं लगे. प्रदेश के नेताओं को चुनाव में नहीं लगाया गया. स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं को चुनाव कार्य की जिम्मेवारी नहीं दी गयी. चुनाव के दौरान जिला अध्यक्ष ने मनमानी और उदंडता पूर्ण व्यवहार किया. बूथ मैनेजमेंट में भारी कमी हुई. प्रदेश अध्यक्ष द्वारा भी अपने नैतिक कर्तव्यों का निर्वहन नहीं किया गया. साथ ही इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं ने भी ईमानदारी पूर्वक गठबंधन धर्म का पालन नहीं किया गया. यही सब राजद प्रत्याशी की हार का मुख्य कारण बना है. जितना भी मत मिला है वह बिना प्रचार-प्रसार के मिला है.

'राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण हो'

संवाददाता। रांची

गुरुवार को सीसीएल के दरभंगा हाउस में सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक संपन्न हुई. बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक निलेंदु कुमार सिंह ने कहा कि राजभाषा कार्यान्वयन अत्यंत महत्वपूर्ण है. सभी विभागों के राजभाषा कार्यान्वयन में प्रगतिशील दृष्टिकोण होनी चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि हिंदी की लोकप्रियता को लेकर विभागीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाना चाहिए. साथ ही हिन्दी में कार्य करने के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी विभागों की ज़िम्मेदारी दी. निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र ने कहा कि आपसी सहयोग व समन्वय से हमें कदम बढ़ाना होगा तभी हम राजभाषा के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे. बैठक में मूल रूप से हिंदी में पत्राचार, टिप्पण आलेखन, कार्य करने संबंधी प्रोत्साहन योजना तथा हिंदी पुस्तक लेखन प्रोत्साहन योजना पर विस्तार से चर्चा हुई. राजभाषा में विगत तिमाही में उत्कृष्ट कार्य करने के शील्ड द्वारा पुरस्कृत किया गया. उपक्रम स्तरीय प्रतियोगिताओं में सीसीएल का प्रतिनिधित्व करने वाले विजयी प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह दिया गया. मौके पर निदेशक (कार्मिक) हर्ष नाथ मिश्र, महाप्रबंधक (का./राजभाषा) संजय कुमार ठाकुर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष सहित सीसीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

ट्रैक्टर के धक्के से बाइक सवार दो युवक घायल

गुमला । गुमला सिमडेगा नेशनल हाइवे में पोजेंगा बाजार के समीप ट्रैक्टर के टक्कर से चोडांग पालकोट निवासी 28 वर्षीय जेठु खड़िया और ताज कमल सिंह घायल हो गए. दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया. दोनों युवक मुर्गा लाने पोजेंगा बाजार जा रहे थे तभी पोजेंगा बाजार के समीप पीछे से एक ट्रैक्टर टक्कर मार दिया. घटना के बाद ट्रैक्टर चालक घटनास्थल से फरार हो गया.

एमेजॉन इंडिया मशीन लर्निंग समर स्कूल का शुभारंभ जुलाई में करेगा

छात्रों के लिए जुलाई में मशीन लर्निंग का नि:शुल्क पाठ्यक्रम

संवाददाता। रांची

टेक्नोलॉजी के इस दौर में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआइ) और मशीन लर्निंग को काफी बढ़ावा मिल रहा है. यही वजह है कि इन विषयों में पढ़ाई को लेकर छात्रों का रुझान भी काफी तेजी से बढ़ रहा है. वे इस क्षेत्र में अपनी स्किल्स और नॉलेज बढ़ा सकें, इस मकसद से एमेजॉन इंडिया मशीन लर्निंग (एमएल) समर स्कूल के चौथे संस्करण की शुरुआत कर रहा है. मशीन लर्निंग में अपना कॅरियर बनाने के इच्छुक छात्र 21 जून 2024 तक अपना

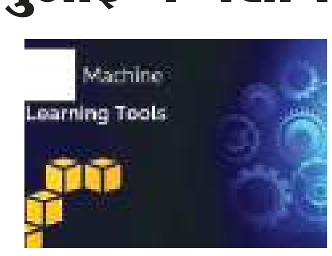

रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं. हालांकि रजिस्ट्रेशन 31 मई से ही शुरू हो चुका है. एमएलएसएस 2022 बैच के प्रभाष माले, जो वर्तमान में एमेजॉन में एप्लाईड साइंटिस्ट के रूप में काम कर रहे हैं, ने कहा, एमेजॉन एमएल समर स्कूल द्वारा हमारा उद्देश्य इस कमी को दूर करना और छात्रों को विज्ञान में कॅरियर बनाने के लिए इंडस्ट्री-रेडी बनाना है. यह एजुकेशनल कोर्स पूरी तरह नि:शुल्क है, जिसे जुलाई महीने में चार सप्ताह तक चलाया जाएगा. इसके तहत आठ मॉड्यूल्स में छात्रों को मशीन लर्निंग की गहरी समझ और कौशल प्रदान किए जायेंगे.

एमेजॉन में एप्लाईड साइंटिस्ट प्रभाष माले ने बताया कि इस कोर्स में सुपरवाइज्ड लर्निंग, डीप न्यूरल नेटवर्क्स, डायमेंशन रिडक्शन, अनसुपरवाइज्ड लर्निंग, सीक्वेंशल मॉडल, रि-इन्फोर्समेंट लर्निंग, जेनरेटिव एआई व एलएलएम और कैजुअल इन्फेरेंस शामिल हैं. मशीन लर्निंग समर स्कूल में भारत के किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से बैचलर, मास्टर्स या पीएचडी की पढ़ाई कर रहे इंजीनियरिंग के वैसे सभी छात्र हिस्सा ले सकते हैं, जो वर्ष 2025 या 2026 में अपनी डिग्री पूरी करने वाले हैं. पात्र छात्रों का एक विशेष टेस्ट होगा, जिसमें सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 3000 छात्रों को एमएल समर स्कूल में प्रवेश दिया जाएगा.

झारखंड की 14 लोकसभा सीटों के लिए हुए चुनाव में 171 उम्मीदवारों को नोटा से भी कम मिले वोट

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड की 14 सीटों के लिए हुए लोकसभा चुनाव में 171 उम्मीदवारों को नोटा से भी कम वोट मिले. इस बार के चुनाव में 1.92 लाख मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाया, जबकि 1.72 करोड़ वोटरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. इस हिसाब से कुल मतदान का 1.12 फीसदी हिस्सा नोटा के खाते में गया. कुल 70 फीसदी उम्मीदवार नोटा से भी हार गए.

- 215 उम्मीदवारों की हो गई जमानत जब्त, 14 लोकसभा सीटों पर खड़े थे 244 प्रत्याशी

244 में से 215 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई

राज्य की 14 लोकसभा सीटों पर 244 उम्मीदवार चुनावी अखाड़े में किस्मत आजमा रहे थे. इनमें से 215 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गयी. यानि कुल 88.11 प्रतिशत उम्मीदवार जमानत बचाने में नाकाम रहे.

किस लोकसभा सीट में कितनों ने दबाया नोटा का बटन

कोडरमा	42,152
सिंहभूम	23,982
खूंटी	21,919
पलामू	23,343
राजमहल	18,217
लोहरदगा	11,384

किस लोकसभा सीट में नोटा से भी पीछे रहे उम्मीदवार

लोकसभा सीट	नोटा से भी पीछे रहे उम्मीदवारों की संख्या
कोडरमा	13
सिंहभूम	11
खूंटी	05
चतरा	14
धनबाद	19
दुमका	09
गिरिडीह	08
गोड्डा	10
,हजारीबाग	11
जमशेदपुर	21
लोहरदगा	11
पलामू	06
राजमहल	10
रांची	23

डीसी ने की शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा

गढ़वा। डीसी शेखर जमुआर की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभागार में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा बैठक हुई. इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति, विद्यालयों की साफ सफाई, पेयजल की उपलब्धता, शौचालय की साफ सफाई, पुस्तक वितरण, मध्याह्न भोजन का संचालन, बच्चों को दी जाने वाली स्वास्थ्य सुविधाएं, विद्यालयों के भवन निर्माण एवं रंग रोगन समेत अन्य विषयों पर एक-एक कर समीक्षा की गई. शिक्षा विभाग के उक्त समीक्षात्मक बैठक में डीसी ने जिला अंतर्गत सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शौचालय, पेयजल की व्यवस्था एवं विद्यालय की विधिवत्त साफ-सफाई, विद्युतिकरण, पोषाहार, पोशाक आदि बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया.

एशियन कुश्ती चैंपियनशिप

प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम का चयन आज होगा

झारखंड के 19 पहलवान दिल्ली में दिखाएंगे दमखम

संवाददाता। रांची

अंडर-17 सब जूनियर व अंडर-23 एशियन कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन अमान (जॉर्डन) में आयोजन होना है. इस प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम का चयन शुक्रवार को दिल्ली में होगा. भारतीय दल का हिस्सा बनने के लिए दिल्ली में झारखंड के 19 खिलाड़ी दम दिखाएंगे. दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता के चयनित खिलाड़ियों को एशियन कुश्ती चैंपियनशिप को भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा. बता दें कि झारखंड की टीम प्रतियोगिता के लिए दिल्ली पहुंच चुकी है. झारखंड के पहलवानों को एशियन कुश्ती प्रतियोगिता के लिए चयन ट्रायल में उम्दा प्रदर्शन करने के लिए झारखंड राज्य कुश्ती संघ के अध्यक्ष जीशान कमर, अभिभावक के रवि कुमार, खेल निदेशक सुशांत गौरव, भोलानाथ सिंह, महासचिव रजनीश कुमार, विजय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष बबलू कुमार, उप निदेशक खेल राज किशोर खाखा एवं खेल विभाग झारखंड के पदाधिकारियों द्वारा शुभकामनाएं दी हैं.

जानिए वर्ग में ये खिलाड़ी नेशनल टीम के लिए करेंगे जोर आजमाइश

बालक- ग्रीको रोमन
1-रंजीत कुमार-45 केजी
2-विकास कश्यप-48 केजी
3-आदित्य कुमार गौरव-51 केजी
4-आकाश कुमार महतो-55 केजी
5-अभिषेक कुमार-60 केजी
6-अरविंद उरांव-65 केजी

बालक फ्री-स्टाइल
7-रोहित कुमार-55 केजी
8-चेतनानंद पटेल-60 केजी

बालिका फ्री-स्टाइल
9-खुशबू तिर्की-40 केजी
10-आरती कुमारी-43 केजी
11-रिचा कुजूर-46 केजी
12-स्नेहा कुमारी-49 केजी
13-पूनम उरांव-53 केजी
14-सिमरन विल्सन-57केजी

अंडर-23
15-रिंपा कुमारी-50 केजी
16-अंजीत कुमार मुंडा-55 केजी
17-अमित कुमार गोप-82 केजी

पेज एक का शेष

ना हम हारे, ना तुम जीते...

इस चुनाव में भाजपा मुद्दे तय नहीं कर रही थी. सही या गलत विमर्श विपक्ष उछाल रहा था और भाजपा उस पर रिएक्ट कर रही थी. पिछले दस साल में ऐसा पहली बार हो रहा था. दूसरी बात यह कि भाजपा यह समझ ही नहीं पाई कि यह समय क्षेत्रीय दलों से जूझने का है न कि कांग्रेस से. वह कांग्रेस पर ज्यादा और क्षेत्रीय दलों पर कम हमलावर रही और कांग्रेस की सफलता का आधार क्षेत्रीय दल ही थे. यानी भाजपा ने क्षेत्रीय दलों को थामने, रोकने, संभालने की कोई रणनीति ही नहीं बनाई और जगह-जगह गच्चा खा गई.

बहरहाल, वर्तमान परिदृश्य उलट गया होता तो गरीब महिलाओं को एक-एक लाख रुपये मिलते, जातीय जनगणना होती, अग्निवीर योजना खत्म हो जाती, नौकरियों की बहार आ जाती, वेल्थ सर्वे होता, किसानों का कर्ज माफ हो जाता और भी बहुत कुछ हो जाता. लेकिन मतदाताओं ने एक तरफ बनाते-बनाते बिगाड़ दिया और दूसरी तरफ देते-देते हाथ खींच लिया. यानी यथार्थ यह है कि दोनों न हंस पा रहे हैं ना रो पा रहे हैं. मनोरथ किसी का पूरा नहीं हुआ है. फिर भी सब कह रहे हैं हमारी भी जय जय, तुम्हारी भी जय जय, न हम हारे ना तुम जीते.

गठबंधन साधने की चुनौती

नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की राह आसान हो गयी है, लेकिन इस बार वे गठबंधन के नेता के बतौर इस पद पर पहुंचने वाले हैं. भारत में इसके पहले जवाहरलाल नेहरू अपनी पार्टी के बहुमत के सहारे तीन बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और इंदिरा गांधी भी ढाई साल के एक अंतराल के बाद तीन बार एक कांग्रेस के बहुमत के नेता के बतौर प्रधानमंत्री रह चुकी हैं, लेकिन इस बार की परिस्थितयां 2014 और 2019 की तुलना में बहुत भिन्न है. नरेंद्र मोदी को दो बैसाखियों को साधना होगा, जो टीडीपी और जदयू के रूप में उन्हें सहारा दे रहा है. नरेंद्र मोदी की सरकार की हनक इस बार कम रहेगी, क्योंकि एक मजबूत विपक्ष उनकी नीतियों और निर्णयों को चुनौती देने के लिए सदन और सदन के बाहर मुस्तैद है. विपक्ष ने जिस तरह की एकजुटता का प्रदर्शन किया है, उससे जाहिर होता है कि संविधान और लोकतंत्र की हिफाजत के लिए उसे जो जनादेश मिला है, वह उसकी रक्षा कर सकेगा. पिछले एक दशक में लोकतंत्र की वैश्विक कसौटियों पर भारत की गरिमा और मानक प्रभावित हुए हैं. नरेंद्र मोदी पहली बार वास्तविक अर्थ में गठबंधन का किस तरह नेतृत्व करते हैं, यह आने वाला समय ही बताएगा. उनके बारे में कहा जाता है कि वे स्वयं निर्णय लेने में सलाह नहीं लेते हैं. दो बार वे भाजपा के बहुमत के दम पर जिन आर्थिक नीतियों को गति दे रहे थे, क्या उस पर एनडीए लगाम लगाएगा या कारपारेट ताकतें गठबंधन के अन्य दलों को भी साधने में कामयाब होंगी. टीडीपी के नेता नायडू कारपारेट के पसंदीदा नेताओं में एक हैं. जनादेश समावेशी विकास नीति के पक्ष में है. चुनौती यह भी है कि जिन कारणों से लोग बेचैन हैं, उन्हें दूर करने की ठोस योजना पर विचार किया जाए? सियासी हलकों में यह आम राय है कि भाजपा को बहुत की राह रोकने में व्यापक बेरोजगारी और बढ़ती महंगाई प्रमुख कारण हैं. अपने सामने अवसरों का अभाव देख रहे लोगों- खासकर नौजवानों ने अनेक राज्यों में सत्ताधारी पार्टी को सबक सिखाने के मकसद से मतदान किया. यह अच्छी बात है कि इस राजनीतिक घटनाक्रम को अपनी जीत बताने के बजाय कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह चुनाव आम जन ने लड़ा. यानी उसे ही माहौल में आए बदलाव का श्रेय है. अब जबकि इंडिया गठबंधन बहुमत के आंकड़े से दूर है तो उसे इस अवसर का सही उपयोग करना चाहिए और जिन सवालों पर उसने चुनाव लड़ कर कामयाबी हासिल की है, मजबूती के साथ उस पर डटे रहना चाहिए. देश के युवाओं और अधिकांश आदिवासियों, अल्पसंख्यकों, दलितों, गरीब सवर्ण और पिछड़ों ने स्पष्ट संकेत दिया है कि उनके हितों की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए और संविधान की प्रस्तावना के मूल्यों के अनुरूप देश में सहकार और सहभाग का समानतामूलक माहौल बनना चाहिए. नरेंद्र मोदी के लिए यह एक बड़ी चुनौती है कि वे चुनाव अभियान के दिनों में जिस तरह के विचार प्रस्तुत करते रहे हैं, उससे बरख्श स्वयं को परिमार्जित करते हैं या नहीं.

> दो बार वे भाजपा के बहुमत के दम पर जिन आर्थिक नीतियों को गति दे रहे थे, क्या उस पर एनडीए लगाम लगाएगा या कारपारेट ताकतें गठबंधन के अन्य दलों को भी साधने में कामयाब होंगी. टीडीपी के नेता नायडू कारपारेट के पसंदीदा नेताओं में एक हैं.

सुभाषित

वृश्चिकस्य विषं पृच्छे मक्षिकायाः मुखे विषम् ।
तक्षकस्य विषं दन्ते सर्वांगे दुर्जनस्य तत् ॥

बिच्छू का विष पीछे (उसके डंक में) होता है, मक्षिका (मक्खी) का विष उसके मुंह में होता है, तक्षक (सांप) का विष उसके दांत में होता है, किन्तु दुर्जन मनुष्य के सारे अंग विषैले होते हैं. इसलिए दुर्जनों से बहुत अधिक सावधान रहने की सलाह नीतिकार देते रहते हैं.

मोदी के राजनैतिक मॉडल का निषेध

संसद के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को थोक के भाव से निकाल बाहर किया गया, उनके बयानों को कार्यवाहियों से हटाया गया. इस दौरान मोदी ने प्रेस या किसी भी तरह के उन्मुक्त संवाद से दूरी बनाये रखी. अलबत्ता ऐन चुनाव के वक्त पर उन्होंने 75 से अधिक साक्षात्कार देकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश की. मोदी ने भारत के सामाजिक माहौल को भी खराब किया है. उनके सारे चुनावी भाषण नफरत पर आधारित और विभाजनकारी थे.

• देश-काल

डॉ. दीपक पाचपोर

एक बात जो स्पष्ट हो गयी है, वह यह कि देश की जनता ने निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नकारात्मकता एवं उनके द्वारा पिछले एक दशक में लागू राजनैतिक मॉडल को पूर्णतः अस्वीकृत कर दिया है. शाम तक भाजपा प्रणीत एनडीए व कांग्रेस के नेतृत्व में बने इंडिया गठबन्धन की बराबरी की टक्कर जारी थी. कभी किसी के आंकड़े ऊपर जा रहे थे तो कभी किसी के. हो सकता है कि जोड़-तोड़ में माहिर भारतीय जनता पार्टी सरकार बना ले और मोदी तीसरी बार पीएम बनने का अपना सपना भी पूरा कर लें, लेकिन यह निश्चित है कि मोदी बेहद कमजोर प्रधानमंत्री के तौर पर काम कर सकेंगे. उनके पास पहले दो कार्यकालों जैसा न तो रौब-दाब होगा और न ही वे सरकार व पार्टी के भीतर एकछत्र राज कर पायेंगे. इस लिहाज़ से कहा जा सकता है कि आने वाली राजनीति उन दुर्गुणों से मुक्त हो सकती है, जो मोदी लेकर आये थे. उल्लेखनीय है कि दोनों प्रमुख प्रतिद्वंद्वियों के शाम तक आये आंकड़े बहुमत के ईर्द-गिर्द थे. इसका अर्थ यह है कि जिसकी भी सरकार बनेगी, वह घटक दलों पर बहुत ज्यादा आश्रित रहेगी. मोदी को अपनी सियासत का वह स्वरूप छोड़ना होगा, जो उन्होंने बड़े बहुमत के बल पर गढ़ा था. उनकी व्यक्तिवादी राजनीति भाजपा पर भारी पड़ती नज़र आई है. इस लिहाज से कहें तो पार्टी भी उनके बारे में सोच सकती है कि क्या वह उन्हीं के नेतृत्व में सरकार बनाये या कोई नया चेहरा तलाश किया जाये. खैर, यह भाजपा व उसके सहयोगी दलों के सोचने की बात है परन्तु उन बिन्दुओं पर विचार किया जाना ज़रूरी है जो मोदी निर्मित राजनीति के हिस्से हैं. उनमें पहला तो है निरंकुशता का. याद हो कि 2014 में आये मोदी ने सारी शक्तियां अपने हाथों में ले ली हैं. संसद हो या कार्यपालिका अथवा कोई भी संवैधानिक संस्थाएं- सारी की सारी मोदी ने अपनी मुट्ठियों में कैद कर रखी थीं. जितने भी निर्णय लिये गये, वे सारे मोदी द्वारा या गिने-चुने लोगों के साथ मिलकर लिये गये. जीएसटी से लेकर नोटबन्दी व बुलेट ट्रेन से लेकर सेंट्रल विस्टा तक के फैसले अकेले मोदी ने लिये. संसद को कभी भरोसे में नहीं लिया गया. मंत्रिपरिषद नाममात्र की थी. फोकस मोदी पर ही रहा. समारोहों एवं विज्ञापनों में केवल मोदी ही होते थे. किसे चुनावी टिकट देने हैं और किन्हें नहीं- यह फैसला भी मोदी व उनके खासमखास केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह लेते रहे. पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मुहर मात्र हैं.

अपने 'कांग्रेस मुक्त भारत' तथा बाद में 'विपक्ष मुक्त भारत' के सपने को पूरा करने के लिये मोदी-शाह की जोड़ी ने देश भर के उन सभी राज्यों में 'ऑपरेशन लोटस' चलाया, जिसके अंतर्गत विरोधी दलों की सरकारों को गिराया गया. इस दशक भर में 400 से अधिक विपक्षी विधायकों, सांसदों व नेताओं को खरीदकर या डरा-धमकाकर भाजपा में शामिल कराया गया. राजनैतिक विरोधियों ही नहीं, बल्कि वैचारिक रूप से उनके खिलाफ सभी लोगों को उन्होंने प्रताड़ित किया है. बड़ी संख्या में लेखकों, पत्रकारों, बुद्धिजीवियों, मानवाधिकार व सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस दौरान जेल का रास्ता दिखाया गया. संसद के भीतर विरोधी पार्टियों के सदस्यों को थोक के भाव से निकाल बाहर किया गया, उनके बयानों को कार्यवाहियों से हटाया गया. इस दौरान मोदी ने प्रेस या किसी भी तरह के उन्मुक्त संवाद से दूरी बनाये रखी. अलबत्ता ऐन चुनाव के वक्त पर उन्होंने 75 से अधिक साक्षात्कार देकर जनता को प्रभावित करने की कोशिश की. मोदी ने भारत के सामाजिक माहौल को भी खराब किया है. उनके सारे चुनावी भाषण नफरत पर आधारित और विभाजनकारी थे. हिन्दू वोटों के ध्रुवीकरण के फेर में मोदी अपने पद की गरिमा से काफी नीचे उतर गये थे. उन्होंने कांग्रेस के घोषणापत्र पर 'मुस्लिम लीग की छाया' बतलाई तो वहीं यह झूठ बोला कि 'कांग्रेस की सरकार आई तो वह लोगों से मंगलसूत्र छीन कर कई-कई बच्चों वालों (मुसलमानों) को दे देगी.' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 'कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन वाले लोगों के घरों में एक्सरे के द्वारा सोना निकाल लेंगे. यहां तक कि दो भैंसें हों तो एक भैंस खोलकर ले जायेंगे.' वे विपक्ष के नेताओं, खासकर कांग्रेस के खिलाफ बहुत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते रहे. नतीजे बताते हैं कि उनकी शब्दावली का उन्हें फायदा तो मिला नहीं, उल्टे भारी नुकसान ही हुआ है. यह भी लोगों ने पूरी तरह से अस्वीकार किया कि उनके पीएम इस कदर अशालीन भाषा का प्रयोग करें. मोदी की राजनीति पूंजीवाद को बढ़ावा देने की रही है. 60 वर्षों के दौरान भारतीयों द्वारा कड़ी मेहनत कर बनाये गये अनेक सरकारी उपक्रमों को मोदी ने अपने मित्रों को औने-पौने भाव में बेच दिया या उपहारों की तरह सौंप दिया. निजीकरण को इस दौरान इस प्रकार से प्रचारित किया, मानो उसी के बल पर भारतीयों के घरों में लक्ष्मी बरसेगी. हुआ इसके विपरीत. आज देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोग शासकीय राशन (5 किलो) पर जीवित हैं. मोदी ने उन्हें नागरिक से लाभार्थी बनाकर रख दिया. दरअसल यह भी उनकी राजनीति का ही हिस्सा है, जिसके पीछे नागरिकों को कमजोर करने का षडयंत्र छिपा हुआ है. मोदी ने जिस ध्रुवीकरण के बल पर तीसरी बार सत्ता पानी चाही है, हो सकता है कि उन्हें फिर से सरकार बनाने में कामयाबी मिल जाये, लेकिन अयोध्या जिस सीट के अंतर्गत आता है, यानी फैजाबाद, वहां से भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह हार गये. इसी प्रकार से कैराना सीट, जो हिन्दू बहुल है- वहां इकरा हसन ने जीत दर्ज कर बतला दिया है कि यह एक धर्मनिरपेक्ष देश है और गंगा-जमुनी तहज़ीब ही इसकी प्रमुख पहचान है. पिछले कुछ समय से भाजपा यह बतलाने की कोशिश करती रही है कि भारत केवल हिन्दुओं का ही देश है और अल्पसंख्यक, विशेषकर मुस्लिम यहां दूसरे दर्जे के नागरिक बनकर रहेंगे.

• बोधि-वृक्ष | अनुराग शर्मा

योग की पहली मंजिल

योग के आठ अंग हैं. पहले अंग यम् में पांच तत्त्व हैं जिनमें से पहला ही "अहिंसा" है. मतलब यह कि योग की आठ मंजिलों में से पहली मंजिल की पहली सीढ़ी ही अहिंसा है. जीभ के स्वाद के लिए हत्या करने वाले क्या अहिंसा जैसे उत्कृष्ट विषय को समझ सकते हैं? श्रीमदभगवदगीता जैसे युद्धभूमि में गाये गए ग्रन्थ में भी श्रीकृष्ण भोजन के लिए हर जगह अन्न शब्द का प्रयोग करते हैं. अंडे के बिना मिठाई की कल्पना न कर सकने वाले केक-भक्षियों के ध्यान में यह लाना ज़रूरी है कि भारतीय संस्कृति में मिठाई का नाम ही मिष्ठान्न = मीठा अन्न है. पंचामृत, फलाहार, आदि सारे विचार अहिंसक, सात्विक भोजन की और इशारा करते हैं. हिंदू मंदिरों की बात छोड़ भी दें तो गुरुद्वारों में मिलने वाला भोजन भी परम्परा के अनुसार शाकाहारी ही होता है. संस्कृत ग्रन्थ हर प्राणी में जीवन और हर जीवन में प्रभु का अंश देखने की बात करते हैं. ग्रंथों में औषधि के उद्देश्य से उखाड़े जाने वाले पौधे तक से पहले क्षमा प्रार्थना और फ़िर झटके से उखाड़ने का अनुरोध है. वे लोग पशु-हत्या को जायज़ कैसे ठहरा सकते हैं? अब रही बात प्रकृति में पायी जाने वाली हिंसा की. मेरे बचपन में मैंने घर में पले कुत्ते भी देखे थे और तोते भी. दोनों ही शुद्ध शाकाहारी थे. प्रकृति में अनेकों पशु-पक्षी प्राकृतिक रूप से ही शाकाहारी हैं. जो नहीं भी हैं वे भी हैं तो पशु ही. उनका हर काम पाशविक ही होता है. वे मांस खाते ज़रूर हैं मगर उसके लिए कोई भी अप्राकृतिक कार्य नहीं करते हैं. वे मांस के लिए पशु-व्यापार नहीं करते, न ही मांस को कारखानों में काटकर पैक या निर्यात करते हैं. वे उसे लोहे के चाकू से नहीं काटते और न ही रसोई में पकाते हैं. वे उसमें मसाले भी नहीं मिलाते और बचने पर फ्रिज में भी नहीं रखते हैं. अगर हम मनुष्य इतने सारे अप्राकृतिक काम कर सकते हैं तो शाकाहार क्यों नहीं? शाकाहार को अगर आप अप्राकृतिक भी कहें तो भी मैं उसे मानवी तो कहूंगा ही. अगर आप अपने शाकाहार के स्तर से असंतुष्ट हैं और उसे पौधे पर अत्याचार करने वाला मानते हैं तो उसे बेहतर बनाने के हजारों तरीके हैं आपके पास. मसलन, मरे हुए पौधों का अनाज एक पसंद हो सकती है. और आगे जाना चाहते हैं तो दूध पियें और सिर्फ़ पेड़ से टपके हुए फल खाएं और उसमें भी गुठली को वापस धरा में लौटा दें. नहीं कर सकते हैं तो कोई बात नहीं - शाकाहारी रहकर आपने जितनी जानें बख्शी हैं वह भी कोई छोटी बात नहीं है. दया और करुणा का एक दृष्टिकोण होता है, जिसमें जीव-हत्या करने या उसे सहयोग करने का कोई स्थान नहीं है.

परिणामों को व्यापक नजरिए से समझना जरूरी

• सामयिकी

विश्वनाथ सचदेव

दुआशाओं और आशंकाओं के बीच झूलते हुए लोगों ने आम-चुनाव के परिणामों को देखने-समझने की कोशिश की है. इसी समझ का एक परिणाम यह भी है कि सारा चुनाव-प्रचार इस बात का साक्षी रहा है कि संकल्प-पत्र की गारंटियों और घोषणापत्रों के दावों के बावजूद कम से कम भाजपा की ओर से यह चुनाव मुद्दों से कहीं अधिक पार्टी के 'एकछत्र नेता' के नाम पर अधिक लड़ा गया था. हमारे संविधान में भले ही ऐसी कोई व्यवस्था न हो, पर पिछले चुनाव की तरह ही इस बार भी अमेरिका की राष्ट्रपति-प्रणाली की तरह चुनाव लड़ने की कोशिश सत्तारूढ़ दल ने अवश्य की थी. ऐसा नहीं है कि इस बार मुद्दे थे ही नहीं, पर मुद्दों की जगह जुमले ज़्यादा उछले. 'इंडिया एलायंस' ने ज़रूर संविधान की रक्षा जैसे सवाल उठाये और महंगाई बेरोज़गारी की बात की, लेकिन यह भी हमने देखा कि चुनाव-प्रचार के दौरान संविधान को बदलने की कोशिशों के संकेत भी दिये गये. भाजपा पर संविधान को बदलने की कोशिशों की बात कांग्रेस पार्टी ने उठायी थी. आरोप यह था कि भाजपा संविधान को बदलकर देश को तानाशाही की ओर ले जा सकती है. भाजपा ने इस बात का पुरजोर खंडन किया और हमारे संविधान के मुख्य शिल्पी बाबा साहेब अंबेडकर की दुहाई देकर संविधान में अपनी आस्था प्रकट की. यह कहना तो मुश्किल है कि संविधान को लेकर उठे इस मुद्दे का चुनाव के नतीजे पर क्या और कितना असर पड़ा, पर इतना तो कहा ही जा सकता है कि संविधान के साथ छेड़छाड़ की इस बात ने देश के नागरिकों के एक वर्ग को चौकन्ना अवश्य बना दिया था. संविधान को लेकर इधर चर्चाएं भी हो रही हैं. यही वह समय है, जब यह ज़रूरी हो गया है कि देश में संविधान की महत्ता और उसे लेकर उठाये जा रहे सवालों पर देश का प्रबुद्ध नागरिक विचार करे. हमारे संविधान-निर्माताओं ने इस बात को रेखांकित करना जरूरी समझा था कि यह देश हर भारतीय का है. जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण के आधार पर किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता. हमारा संविधान नागरिक के कर्तव्य और अधिकारों की स्पष्ट व्याख्या करता है. था एक वर्ग जो समान अधिकार के नाम पर 'राजा और गंगू तेली' को समानता देने के तर्क को समझ नहीं पाया था, पर देश की सामूहिक चेतना ने हर नागरिक को वोट का अधिकार देकर यह सुनिश्चित कर दिया था कि जनतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास करने वाला हमारा गणतंत्र क्षमता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के ठोस आधारों पर खड़ा है. यहां हर एक के वोट का अधिकार समान है; यहां हर एक को न्याय पाने का अधिकार है. यहां हर एक को विकास का समान अधिक अवसर मिलेगा; यहां हर एक को अपनी आस्था के अनुसार जीवन-यापन करने की सुविधा मिलेगी. देश के नागरिक को यदि किसी बात की गारंटी की आवश्यकता है तो वह इस बात की है कि उसे एक सार्वभौम स्वतंत्र देश के गौरवशाली नागरिक के रूप में जीने का अधिकार और अवसर प्राप्त हो. हमारा संविधान इस बात की गारंटी देता है. 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनावों में हमारे राजनीतिक दलों ने बहुत से वादे और दावे किये हैं. नई सरकार को एक वादा देश के हर नागरिक के साथ करना होगा- संविधान के बुनियादी ढांचे की रक्षा करने का वादा. कोई नयी बात नहीं है यह. हमारा हर निर्वाचित प्रतिनिधि और निर्वाचित सरकार का हर सदस्य संविधान की रक्षा की शपथ लेता है. इस रक्षा का सीधा-सा अर्थ यह है कि हम उन बुनियादी मूल्यों-आदर्शों के अनुरूप जीवन जीने का ईमानदार प्रयास करेंगे जो हमारे संविधान को एक पवित्र ग्रंथ बनाते हैं. सिर्फ माथा टेकने से संविधान की रक्षा नहीं होगी. संविधान के अनुरूप आचरण ही यह रक्षा करेगा. इस आचरण की पहली शर्त हर नागरिक को समान समझना है. इन चुनाव में हमने देखा है कि किस तरह वोट की राजनीति राष्ट्र के निर्माण की राजनीति पर हावी हो जाती है. हमने यह भी देखा है कि सत्ता की राजनीति करने वाले किस तरह धर्म और जातियों में नागरिकों को बांटकर हमारे संविधान की मूल अवधारणा पर प्रहार करते हैं. यह राजनीति बंद होनी चाहिए. हम सबके पास कुछ सपने होते हैं– अपने लिए, अपनों के लिए. सपनों की ये लक्ष्मण रेखाएं बंधन बन रही हैं. इन बंधनों से उबरना होगा– जब हमारा सपना सबके लिए सपना बनेगा, तब हमारा जनतंत्र सही अर्थ में सफलता की राह पर चलेगा. यह सफलता ही हम सब का सपना होना चाहिए. आज हमारे नेता विकसित भारत की बात कर रहे हैं– परिभाषित करना होगा इस विकास को. यह विकास तभी सही माने में अर्थवान होगा जब यह सबका विकास होगा.

> संविधान को लेकर इधर चर्चाएं भी हो रही हैं. यही वह समय है, जब यह ज़रूरी हो गया है कि देश में संविधान की महत्ता और उसे लेकर उठाये जा रहे सवालों पर देश का प्रबुद्ध नागरिक विचार करे. हमारे संविधान-निर्माताओं ने इस बात को रेखांकित करना जरूरी समझा था कि यह देश हर भारतीय का है. जाति, धर्म, वर्ग, वर्ण के आधार पर किसी के साथ किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जा सकता.

भारत में गठबंधन सरकार की वास्तविक वापसी

• सियासत

हेमेत के. झा

जो सरकार थी वह एनडीए सरकार नहीं थी, भाजपा सरकार भी नहीं थी, वह "मोदी सरकार" थी. अब नौबत है कि मोदी सरकार तो नहीं ही बननी है, भाजपा सरकार भी नहीं बननी है. बनेगी तो "एनडीए सरकार" बनेगी. मोदी सरकार अपने अहंकार और अपनी नाकामियों के गड्ढों में जा गिरी है. नरेंद्र मोदी चाहे जितना गाल बजा लें, वे भारत का प्रधानमंत्री बने रहने का नैतिक हक खो चुके हैं. उन्हें इस्तीफा दे कर ध्यान, योग आदि में खुद को लगाना चाहिए. नाटक वाला ध्यान नहीं, असली वाला ध्यान. लेकिन, ध्यान लगाना इतना आसान भी तो नहीं. दिमाग में जब हजार खुराफातें चल रही हों तो ध्यान लग ही नहीं सकता. अभी तो बैंकों को रसातल में पहुंचा कर उन्हें प्राइवेट हाथों में सौंपने का कार्पोरेट का "टास्क" अधूरा ही पड़ा है. उधर रेलवे, हवाई अड्डे, बंदरगाह आदि भी पूरी तरह कहां कब्जा सके हैं वे लोग! कई जगह कई पेंच फंसे पड़े हैं. मुक्त अर्थव्यवस्था के नाम पर अभी कितने खेल करने बाकी हैं. ऐसे दौर में, जब अमेरिका और यूरोप में मुक्त आर्थिकी से उपजी अराजकताएं वैचारिक चुनौतियों की जद में हैं, भारत में मोदी जी उसका झंडा उठाए शान से घूम रहे हैं, जितना बन पड़ रहा है, उल्टा पुल्टा कर रहे हैं, राष्ट्रीय साधनों और संसाधनों का कारपोरेटीकरण कर रहे हैं. फिर से प्रधानमंत्री बन जाने के समर्थन में हजार तर्क ढूंढ लेंगे. मोदी सरकार न सही, भाजपा सरकार भी न सही, एनडीए सरकार के नाम पर राज करेंगे. राज ही क्यों, भारत को "नए दौर" में ले जाने का टास्क पूरा करेंगे. नायडू को "हैंडल" कर लेना कार्पोरेट आकाओं के लिए कोई बड़ी बात नहीं होगी. नीतीश कुछ टेढ़े जरूर हैं, लेकिन अब वे नीतीश कुमार रहे ही कहां. अब तो पता ही नहीं चलता कि उनकी तरफ से फैसले कौन सी चौकड़ी ले रही है. उस चौकड़ी के इरादे और निष्ठाएं संदिग्ध प्रतीत होती हैं. राहुल गांधी की वैचारिक चुनौतियां बेशक राहों में रोड़े अटकाएंगी. लेकिन, कोई बात नहीं. भांड़ की जमात में तब्दील हो चुके एंकर एंकरानियों की भीड़ है न. वे नैरेटिव्स गढ़ेंगे, जैसे गढ़ते रहे हैं. वैचारिक बातें करने वालों को बदनाम करेंगे, विकास विरोधी ठहराएंगे. फेसबुक जैसे मंच इसी तरह वैचारिक विमर्शों की रीच को प्रतिबंधित करेंगे, लिखने वालों को हतोत्साहित करेंगे. हिन्दी अखबार वाले फालतू की खबरों से पन्ने भरेंगे, जरूरी खबरों से पब्लिक को दूर रखने की हर कोशिश करेंगे. मोदी की चमक दिन प्रति दिन अब फीकी पड़ती जाएगी. लेकिन, तब भी, उनकी प्रायोजित लोकप्रियता और उनके वाग्जाल का लाभ उठा कर कॉर्पोरेट अपने मंसूबे साधते रहेंगे. वे मोदी को निचोड़ेंगे, गाड़ेंगे और एक "मजबूत नेता" की कृत्रिम छवि में कैद कर नैतिक मानकों पर निहायत ही कमजोर, गरीब विरोधी नेता के रूप में इतिहास में दर्ज करवाएंगे. अब तक के राज में मोदी ने आम करदाताओं की चाहे जितनी फजीहतें की हों, देश का चाहे जो हाल किया हो, खुद मोदी की फजीहत नहीं हुई. अब होगी. अतीत में अपनी ही खड़ी की गई आर्थिक समस्याओं से निपटने में उनकी सफलता निहायत ही संदिग्ध है. उनसे बातें चाहे जितनी ले लो, सब्जबाग चाहे जितनी गढ़वा लो, गंभीर आर्थिक चिंतन उनके या उनके थिंक टैंक के बस का नहीं. तो, आर्थिक चुनौतियों के मद्देनजर मोदी जी अब आलोचकों और विरोधियों के निशाने पर अधिक रहेंगे और देश उनकी राजनीतिक फजीहतों का साक्षी बनेगा. फर्जी आंकड़े अखबारों में, न्यूज चैनलों में विकास की गाथा के रूप में हमारे सामने आते रहेंगे. जैसे, आज ही चुनाव "जीतने" के बाद मोदी जी ने कहा "हमारी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है." अब कह दिया तो निकाला होगा. कौन गिने इतनी मुंडियां, वह भी गरीबों की. इतिहास में मोदी भारत के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जो राजनैतिक नैतिकता के नए प्रतिमान गढ़ते हैं, भले ही नकारात्मक अर्थों में. उनकी अपनी नैतिकता है. तो, अगर मोदी जी प्रधानमंत्री बनते हैं, जो कि वे बनेंगे ही, वे बने बिना मानेंगे नहीं, कार्पोरेट प्रभु उन्हें बनवाए बिना मानेंगे नहीं. अगर थोड़ी भी गुंजाइश है तो कोई क्यों माने? यहां तो एनडीए की जीत के नाम पर बड़ी गुंजाइश है. उन्हें बनना ही चाहिए. वैसे भी, दस वर्षों में अर्थव्यवस्था की और देश की भावात्मक एकता की जो ऐसी की तैसी मोदी सरकार ने करवाई है, एनडीए सरकार के रूप में उसका प्राप्तव्य भोगना होगा. जनता ने इस बार लड़ाई लड़ी है. मुकम्मल नहीं लड़ी. वक्त तो लगता ही है. लेकिन, संतोष है कि सत्ता परिवर्तन भले न हो रहा हो, अहंकार टूटा है और राजनीतिक परिवर्तन की ओर देश मुड़ चुका है.

> मोदी की चमक दिन प्रति दिन अब फीकी पड़ती जाएगी. लेकिन, तब भी, उनकी प्रायोजित लोकप्रियता और उनके वाग्जाल का लाभ उठा कर कॉर्पोरेट अपने मंसूबे साधते रहेंगे. वे मोदी को निचोड़ेंगे, गाड़ेंगे और एक "मजबूत नेता" की कृत्रिम छवि में कैद कर नैतिक मानकों पर निहायत ही कमजोर, गरीब विरोधी नेता के रूप में इतिहास में दर्ज करवाएंगे.

मीडिया में अन्यत्र

चुनाव नतीजों का कांग्रेस के लिए सबक

वर्ष 2014 और 2019 के आम चुनाव में ऐतिहासिक गिरावट के बाद ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी नाकामियों से सबक लिया और अब संसद में उसके सदस्यों की संख्या तकरीबन दोगुनी हो गई है. पार्टी ने ऐसे गठबंधन बना लिए, जिसने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दबदबे को खत्म किया. इसमें पारंपरिक रूप से भाजपा के मजबूत क्षेत्र भी शामिल थे. कांग्रेस के व्यापक चुनाव प्रचार में शायद ही कुछ नयापन था. वही मुफ्त उपहारों जैसी पुरानी बातों के बीच इस राजनीतिक दल ने आखिरकार उस तीक्ष्ण राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया, जो पिछले एक दशक से नदारद थी. इस वापसी की बुनियाद कांग्रेस नेतृत्व की उस समझ में निहित है, जिसके तहत उसने अपनी सीमाओं को पहचाना और गठबंधन साझेदारों की राजनीतिक क्षमताओं को बेहतर ढंग से सराहा. इसके परिणामस्वरूप पार्टी ने केवल 328 लोक सभा सीटों पर प्रत्याशी उतारे. यह पहला मौका था जब पार्टी 400 से कम लोक सभा सीटों पर चुनाव लड़ी. 2014 और 2019 में पार्टी ने क्रमशः 464 और 421 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे. इस बार पार्टी ने इंडियन नैशनल डेवलपमेंट इन्क्लूसिव अलायंस यानी 'इंडिया' गठबंधन के साझेदारों को 100 से कुछ अधिक सीटें दीं. दिलचस्प बात यह है कि सबसे बड़ी कमी उत्तर प्रदेश में आई. 2019 की 67 सीटों के मुकाबले इस बार कांग्रेस वहां केवल 17 सीटों पर लड़ी और अन्य सीटें अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी को दे दीं. सबसे मुख्य बात थी भारतीय जनता पार्टी को उसके गढ़ में पछाड़ना. उत्तर प्रदेश की 80 लोक सभा सीटों में से 'इंडिया' गठबंधन को 43 सीटों पर जीत मिली. समाजवादी पार्टी 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी. याद रहे कि 2019 में उसे केवल पांच सीटों पर जीत मिली थी. पार्टी ने इस चुनाव में कई मझोले और निचले तबके से चुनकर उम्मीदवारों को मैदान में उतारा. कांग्रेस गठबंधन महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु जैसे अन्य बड़े राज्यों में भी कारगर साबित हुआ. क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन ने भी पार्टी की मदद की क्योंकि चुनाव में कोई प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दा नदारद था. ऐसे में कांग्रेस और क्षेत्रीय दलों ने बुनियादी और स्थानीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया. अगर 'इंडिया' गठबंधन पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में मजबूती से लड़ा होता तो पार्टी को और फायदा हो सकता था. जरूरत पड़ने पर अपने कदम पीछे रखने की रणनीति ने इंडिया और कांग्रेस दोनों को फायदा पहुंचाया. पार्टी का चुनाव प्रचार भी सामाजिक न्याय आरक्षण और संविधान बचाने पर केंद्रित रहा. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

हरि/हरी

गोस्वामी तुलसीदास कहते हैं-हरि अनंत हरि कथा अनंता, गावहिं सुनहिं कहहिं मुनि संता. इस चौपाई में हरि की महिमा का बखान किया गया है. इससे मिलता जुलता शब्द है हरी, जिसका अर्थ हरि से बिल्कुल अलग है. हरि शब्द पर विचार करने से पहले एक पौराणिक लघुकथा का अनुशीलन करते हैं. देवर्षि नारद एक अत्यंत सुंदर राजकन्या पर मुग्ध हो गये. राजकुमारी का स्वयंवर होने लगा तो नारद जी उसमें भाग लेने को उत्सुक हो गये और भगवान विष्णु के पास जा कर उनसे कुछ समय के लिए हरि रूप मांगा. भगवान ने एवमस्तु कह दिया. स्वयंवर में आये तो कन्या उन्हें देखकर डर गयी. लोगों के कहने पर नारद जी ने अपनी छाया देखी तो पता चला कि उन्हें भगवान के बजाय बंदर का रूप मिल गया है. हरि तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है, जिसका अर्थ भगवान के अलावा बंदर, सिंह, सूर्य, इंद्र, ईश्वर तथा बौद्धों के अनुसार एक बहुत बड़ी संख्या भी होता है. वैसे हरि शब्द का आशय मुख्य रूप से भगवान विष्णु, श्री रामचंद्र और श्रीकृष्ण के रूप में ही लिया जाता है. कुछ शब्दकोशों में हरि का अर्थ चमकना, फलना-फूलना, हरा-पीला बताया गया है, जिससे फारसी शब्द ज़ार यानी सोना', ग्रीक ख्लोरोस हरा, स्लाविक ज़ेलेन हरा और ज़ोल्टो 'सोना', साथ ही अंग्रेजी शब्द पीला और सोना भी उत्पन्न हुआ. यही मूल शब्द अन्य संस्कृत शब्दों जैसे हरिद्रा में भी पाया जाता है, जिसे सामान्यतः हल्दी कहते हैं. इसका नाम इसके पीले रंग के कारण रखा गया है. हरि की व्युत्पत्ति संस्कृत के हृ धातु से हुई है, जिसका मतलब हड़पना, जब्त करना, चुराना है. वैष्णववाद के संदर्भ में इसकी व्याख्या ₹बुराई या पाप को दूर करने या हटाने₹ के रूप में की जाती है. विष्णु के रूप में हरि का अर्थ है, वह जो संसार को नष्ट करता है. हरी संज्ञा स्त्रीलिंग के लिए लगनेवाला विशेषण शब्द है. जैसे हरा रंग, हरी धरती.

रामनाम की लूट है, लूट सके तो लूट!

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट, अंत काल पछताइहे ,प्राण जाइहे छूट. राम नाम को लूटने की परंपरा का विगत बीस पच्चीस सालों से ह्रास हो गया है. जिन मंदिरों में ले जाकर, दादा-दादी बच्चों को राम-नाम का इंजेक्शन दिया करते थे, वहां बच्चों का जाना कम हो गया. प्ले–ग्रुप, केजी स्कूल से लेकर मास्टर डिग्री तक बच्चों को पढाई के बोझ से फुर्सत नहीं. दादा-दादी बच्चों को अगर मंदिर ले जाने के लिए तैयार करते हैं, तो ऐन चलते वक्त मां-बाप बच्चों को आंखें दिखा देते हैं, राहुल, होमवर्क हो गया? पिंकी प्रोजेक्ट का काम फिनिश कर लेते बेटा, फिर मंदिर की सोचना? मंदिर जो राम-नाम की पाठशाला हुआ करती थी, बच्चों के बचे हुए समय में भी समा नहीं रहा. राम के नाम को लूटने की परवाह ही नहीं? व्यस्तता इतनी कि ट्यूशन आते-जाते भी दर्जनों मंदिर आ जाते, जिन्हें वे जानते भी नहीं. हमारे समय में किसी पेड़ को प्रणाम कर लेना, सूरज को अर्घ्य देना, सुबह उठ कर, धरती मैय्या को, आस्था के साथ स्पर्श करना अपने-आप हो जाता था. हम लोग सही मायने में राम-नाम को, 'राम-नाम सत्य' हो जाने तक तन-मन से जपते थे. आजकल राम-नाम पर, एक पार्टी का एकाधिकार हो गया है. पार्टीवाले रामनामी पिटारे को हर पांचवें साल इस उम्मीद से खोलते हैं, कि 'दो' से 'दो-सौ' सांसद वाला, चमत्कार अयोध्यावासी के हाथों में अब भी है. वे राम-नाम को लूटने कि बजाय वोटरों को लूटने की तरफ चल देते. लूटने के इतिहास पर गौर किया जाये तो बेचारे 'महमूद गजनवी' का उनके देश में एक्सप्लेनेशन पूछ लिया जाये, 'खाली हाथ वापस आ गए? देश का नाम मिट्टी में मिला दिया, कमीने. जहां तू लूटने गया था, क्या नहीं था वहां? तुझे दो-चार मुकुट, मुट्ठी-भर हीरे-जवाहरात ही दिखा तुझे? देखना था तो घपले वाला बांध देखा होता, वीरप्पन वाले चन्दन के जंगल देखे होते, यदुरप्पा टाइप माइनिंग खंगाला होता? रेल के ठेके, कोयला खदान की दलाली देखी होती. सुखराम के संचार, राजा के 'टू जी –थ्री जी' के लिए इन्तजार किया होता? कहां गए थे, वे हथियार के सौदे, ट्रांसपोर्ट में, बिजली में, मिड डे मील, नरेगा-वरेगा सब जगह तो इफरात पैसा था, पाने को. ठहर के वेट तो करना था ,क्या जल्दी थी वापस आने की? घोड़े, भूखो तो नहीं मर रहे थे? दो एक पीढ़ी तू रह लेता तो सौ पीढ़ियों का इन्तिजाम हो जाता. खूंटे से रस्सी तोड़ के भाग आया छि'......एक तेरे वहां रहने से आज हम लोग स्विस बैंकों के मालिक होते, सुपर पावर होते, दुनिया हमारे इशारों पर नाचती? गधे तूने क्या किया? इंडिया जैसे 'लूट के स्वर्ग' को, जहां साधू के भेष में लूटने का स्कोप है, छोड़ आया बेवकूफ ....

धर्म अध्यात्म

सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव जी का बलिदान दिवस : 10 जून

शहीदों के सरताज एवं मानवता के पुजारी गुरु अर्जुन देव जी

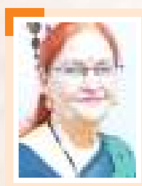

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

शहादत की कलम से लिखे गए शहीदों के ऐतिहासिक पृष्ठ, मानवता की रक्षा हेतु तय की गई दुर्गम यात्रा की कथा सुनाते हैं एवं उस यात्रा की अभी और कितनी दूरी तय करनी है, इसका आभास कराते हुए हमें मंजिल तक पंहुचने की प्रेरणा भी देते हैं. सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव जी का नाम इसी कड़ी में शामिल है जिन्होंने 30 मई सन् 1606 ई. को सिख धर्म के शहीदों के इतिहास का प्रथम पृष्ठ अपनी शहादत से लिखा.

गुरु अर्जुन देव जी का अवतार ग्रहण 15 अप्रैल सन् 1563 में गोइंदवाल (अमृतसर) में हुआ. इन्हें पंचम नानक भी कहा जाता है. अत्याचारों और अन्याय के बोझ से दबे लोगों को जीने का अधिकार दिलाने और उनमें नूतन आत्मविश्वास जगाने हेतु गुरु जी ने अपनी कुर्बानी दी. उन्हें यह प्रेरणा गुरु नानक जी से मिली थी, जिन्होंने सिख धर्म की स्थापना के समय यही मूल लक्ष्य अपने सेवकों के समक्ष रखा था-

"जो तौं प्रेम खेलन का चाओ
सिर धर तली,गली मोरी आओ"

अर्थात यदि तुम लोग प्रभु प्रेम का दावा करते हो तथा मेरे साथ चलना चाहते हो तो सिर हथेली पर रखकर मेरे पास आओ." इसी प्रेरणा के तहत गुरु अर्जुन देव जी मानवता के रक्षार्थ कुर्बानी देकर **"शहीदों के सरताज"** कहलाए.

कुर्बानी के कारण

अकबर के बाद जब जहांगीर सिंहासन पर बैठा तो उसने इस्लाम के उन सारे नियमों को उजागर किया जिन्हें बादशाह अकबर के समय तिलांजलि दे दी गई थी. गुरु जी के प्रचार और प्रयास से सिख धर्म की बढ़ती हुई शक्ति से जहांगीर ईर्ष्या करने लगा. गुरु जी की बढ़ती लोकप्रियता एवं प्रभाव से भयभीत होकर जहांगीर ने गुरु जी को इस्लाम धर्म कबूल करवाने अन्यथा शहीद कर देने का फैसला किया.

शहजादा खुसरो जहांगीर का छोटा बेटा था. अकबर द्वारा शहजादे सलीम को गद्दी देने के कारण खुसरो नाराज़ था. वह आगरा छोड़कर अपने तीन सौ पचास सैनिकों के साथ गुरु जी के पास पंहुचा. गुरु जी ने उसे आशीर्वाद देते हुए उसकी सहायता की. परंतु खुसरो को गिरफ्तार कर लिया गया और गुरु जी पर उसकी सहायता करने का दोष मढ़ दिया. मौके की तलाश में प्रतीक्षारत जहांगीर ने गुरु जी को बंदी बनाकर शहीद करने का हुक्म दिया.

शहीदों के सरताज

30 मई 1606 ई , लाहौर में गुरु जी को शहीद किया गया. गुरु जी को खौलते पानी में उबाला गया. गर्म तवे पर बैठाकर नीचे आग जला दी गई और नग्न शरीर पर गर्म बालू डाला गया. परंतु शांति के अवतार गुरु जी के मुंह से यही बोल निकले- तेरा कीया मीठा लागे... इस तरह गुरु जी ने इस्लाम धर्म कबूल नहीं किया और मानवता के कल्याण हेतु शहीद हो गए.

निभाए मानवता के ये कर्तव्य

- मानवता के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन गुरु जी ने बखूबी किया. इन्होंने गुरु रामदास जी द्वारा प्रारंभ किये गये अमृतसर सरोवर कार्य को पूरा कर सरोवर के मध्य में हरमंदिर साहिब की स्थापना की. इन्होंने गुरु नानक जी एवं अन्य 36 संतों और महापुरुषों की वाणी का संकलन कर गुरु ग्रंथ साहिब में सजाकर संपादन किया. इन्होंने करतारपुर शहर की नींव रखी और तरनतारन शहर भी बसाया. लाहौर के मुगल सूबेदार ने गुरु जी से प्रभावित होकर गुरु जी की योजना के अनुसार 'दामी बाजार' में पानी की सुविधा हेतु एक बावली खुदवाई. वर्षा की कमी को देखते हुए अमृतसर से पांच किलोमीटर दूर छः रहटों का कुआं भी खुदवाया जहां आज प्रसिद्ध गुरुद्वारा 'छरहटा' दर्शनीय है. गुरु जी ने अनेक धर्मशालाओं का निर्माण कराया. तरनतारन में कोढ़ियों के लिए 'पिंगलवाड़ा' बनवाया तथा निर्धन लोगों के लिए दवा और इलाज के प्रबंध किए. जीवन पर्यन्त वे नशाखोरी और सती प्रथा उन्मूलन हेतु प्रयत्नशील रहे. अपनी महान रचना 'सुखमनी' में उन्होंने मन को वश में रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से सुखों की प्राप्ति का संदेश दिया है.
- सचमुच गुरु जी का जीवन कुर्बानी की ऐसी मिसाल है कि जिस पर कुर्बान होने को जी चाहता है. हमें उनके जीवन मूल्यों को प्रेरणास्रोत मानकर मानवता की रक्षा हेतु स्वयं का बलिदान देने की भावना जागृत करनी चाहिए.

घर के सुख-सौभाग्य के प्रहरी ये जानवर

स्वामी विमलेश
वास्तु शास्त्री

फेंगशुई वास्तु शास्त्र में मछली, कछुआ, मेंढक, ड्रैगन, ऊंट और हाथी आदि के प्रतीक/ शोपीस/ पेंटिंग/ मूर्ति/ चित्र की घर में मौजूदगी और किसी खास दिशा में रखा जाना सुख-सौभाग्य में वृद्धिकारक माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि इनसे वातावरण को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है. हमारे भाग्य में वृद्धि होती है. आइए, आज वास्तु में उपयोग होने वाले ऐसे ही जानवरों की करें चर्चा...

- **ऊंट** फेंगशुई में ऊंट को आर्थिक लाभ, कारोबार बढ़ाने और जॉब में तरक्की पाने के लिए बहुत लाभकारी माना गया है. वर्कप्लेस पर ऊंट की मूर्ति रखते ही कुछ ही दिन में फर्क नजर आने लगता है. वर्क प्रोडक्टिविटी बढ़ जाती है. काम पर फोकस बढ़ता है. करियर में ग्रोथ होता है. स्टडी टेबल पर ऊंट की स्टेच्यू रखने से करियर में सफलता मिलने लगती है. घर की उत्तर-पश्चिम दिशा में ऊंट जोड़े की मौजूदगी आय बढ़ाती है.

- **हाथी** घर के मुख्य द्वार पर सूंड उठाए हुए हाथी की मूर्ति समृद्धि लाती है तो मुख्य दरवाजे के दोनों ओर हाथी की मूर्ति के जोड़े को रखने से सुख, सुरक्षा, सौभाग्य और संपत्ति का आवागमन होता रहता है. स्टडी टेबल पर हाथी की मूर्ति की मौजूदगी छात्रों की एकाग्रता बढ़ाती है. वहीं हाथी के ऊपर बंदर या मेंढक के स्टैच्यू को रखने से करियर में स्थिरता आती है और उन्नति के द्वार खोलता है. सात हाथियों की मूर्ति संतान सुख दिलाती है.

- **कुत्ता** दक्षिण-पश्चिम कोने में कुत्ते की शोपीस रखने से परिवार जनों के आपसी रिश्ते में मधुरता आती है. यदि आप धन के अपव्यय से परेशान हैं तो इसे दक्षिण-पूर्व कोने में रखें. इससे धन का संचय होता है.

- **बंदर** फेंगशुई के अनुसार, घर पर बंदर की मूर्ति का उत्तर, दक्षिण पूर्व या दक्षिण दिशा में रखना शुभ प्रभाव दिलाता है. इससे करियर में ग्रोथ होती है. सोचने की क्षमता में रचनात्मक वृद्धि होती है. बुद्धि बढ़ती है. धन का अगमन होता है और प्रसिद्धि मिलती है.

- **सांप** फेंगशुई में मान्यता है कि सांप के शोपीस नकारात्मक ऊर्जा को दूर करते हैं. घर में इससे सकारात्मकता का वास होता है. घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में सांप के शोपीस रखना सबसे अच्छा होता है. इससे कार्यक्षेत्र में भी सफलता हासिल होती है. बुद्धि में इजाफा होता है.

- **चमगादड़** फेंगशुई के अनुसार, घर की दक्षिण दिशा में चमगादड़ की मूर्ति या फोटो को रखना भाग्य का दरवाजा खोल देता है. किस्मत चमक जाती है और सुख- समृद्धि का आगमन होता है.

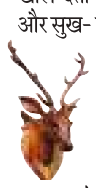

- **हिरण** घर की पूर्व दिशा में लंबी सींग वाले हिरण को रखना स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है. ऐसी मान्यता है कि घर में हिरण की मूर्ति की मौजूदगी से कानूनी जंग में जीत हासिल होती है.

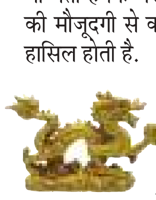

- **ड्रैगन** चीनी फेंगशुई में ड्रैगन को ताकत का प्रतीक माना जाता है. ड्रैगन के शोपीस को अगर आप घर के दक्षिण-पूर्व दिशा में रखते हैं तो यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है.

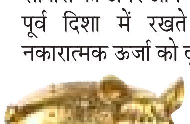

- **सुअर** चीनी वास्तु में सुअर को काफी शुभ और आर्थिक लाभ दिलाने वाला माना जाता है. संभवतः इसीलिए कई घरों में सुअर के शोपीस गुल्लक के रूप में होती है. इसकी शोपीस या स्टैच्यु दक्षिण-पश्चिम कोने में रखना चाहिए.

भजहु राम सब काम बिहाई

मानव जीवन अमूल्य है. इसे सार्थक बनाने के प्रयत्न हम सभी को करने चाहिए. जीवन तभी सार्थक हो सकता है, जब हम ऐसे काम करें जिन पर हमें तो गर्व हो ही, हमसे जुड़े हुए लोग भी उन कार्यों से खुश रहें. जीवन की सार्थकता मानवीय मूल्यों के विकास में है. व्यक्ति यदि अपने भीतर करुणा, सदाशयता, सौशील्य आदि गुणों का पूर्ण विकास कर लेता है तो वह कालजयी, अजातशत्रु होता है, अभय होता है. इसके लिए सबसे पहले तो हमें अपने आपके प्रति ईमानदार होना चाहिए, तभी हम अपनी संतान को सदाचरण की सीख दे पाएंगे.

मोहन मंगलम

जीवन की सार्थकता के महत्वपूर्ण बिंदु हैं - लोक कल्याण, आत्मकल्याण, ईश्वर का सामीप्य, मानव हित को सर्वोपरि मानना. हम शरीर को साधन मानकर जीवन के उद्देश्य निर्धारित करें. हमें साधन नहीं जुटाते रहना है, क्योंकि ऐसा करते हुए हम स्वयं ही साधन बन जाते है.
नीतिशास्त्र भी कहता है -

विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मः ततः सुखम्।।

विद्या व्यक्ति को विनम्र बनाती है, विनम्रता से योग्यता आती है, योग्यता से धन और समृद्धि आती है, समृद्धि से सही आचरण होता है और सही आचरण से संतुष्टि आती है.
बुद्धिमान व्यक्ति अपार धन और विद्या की प्राप्ति होने पर विनम्र बन जाता है.
यदि कोई व्यक्ति गुण और विद्या में कुछ कम भी हो, पर यदि वह विनम्र हो तो लोग उसे अधिक मान देते हैं. नम्रता का व्यवहार सभी को प्रिय लगता है.

धर्म कर्म ही जाता साथ

यदि आत्मोन्नति करनी है तो भौतिकता के मार्ग को छोड़कर आध्यात्मिकता का मार्ग अपनाना चाहिए. जीवन की सार्थकता आध्यात्मिकता एवं प्रामाणिकता से सिद्ध होती है. लोक और परलोक दोनों को सुधारने के लिए धर्म का अनुपालन जरूरी है. यही सच्चा साथी है. मृत्यु होती है तो सगे-संबंधी, धन-सम्पत्ति, मकान-दुकान सब कुछ यहीं छूट जाता है. कुछ भी साथ नहीं जाता है. केवल धर्म और कर्म ही साथ जाता है.

औरों का दुःख करें दूर

जिन्दगी होड़ है. जिन्दगी दौड़ भी है, परंतु यदि यह होड़ और दौड़ दूसरों का दुःख दूर करने के लिए नहीं है तो ये सारे प्रयत्न व्यर्थ हैं. सपनों का संसार बहुत लुभावना होता है और उन प्रलोभनों से ऊपर उठकर केवल इसी एक गुण को अर्जित कर लें तो भी जीवन धन्य-धन्य हो जाएगा. यह मनुष्य होने का लक्षण है. अपने दुःख से सब परेशान रहते हैं; पर कितने लोग ऐसे हैं जो दूसरों के दुःख को अपने ऊपर लेकर उसी को आनन्द का विषय बना लें. ऐसे लोगों को भारतीय परम्परा सन्त कहती है. परम भागवत रन्तिदेव दुःख पीड़ित व्यक्तियों के दुःख को दूर करना ही अपनी एकमात्र अभिलाषा मानते थे. स्वर्ग और मोक्ष को भी उन्होंने प्राथमिकता नहीं दी. आम भारतवासी नित्यप्रति सभी के सुखी, निरोगी, दुःखमुक्त होने की कामना करता है -

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखम् आप्नुयात्।।

कोई दुःखी न हो, यही चाह रहती है; पर इससे इतने मात्र से दुःख दूर नहीं हो सकता. दूसरे के दुःख को अपना मान लेना अथवा अपने ऊपर ले लेना साधना का विषय है. यदि किसी के आंसुओं को पोंछने की क्षमता अर्जित नहीं की तो जीवन के सबसे बड़े सौभाग्य से वंचित रह गए. संसार में दुःख तो है. तब दुःखी को देखकर पसीजने और उसको दूर करने की क्षमता वाले व्यक्ति भी होने चाहिए. सर्वोत्तम व्यक्ति वही है जो रोते हुए के आंसू पोंछने के लिए हर समय प्रयत्नशील हो.

ऐसे थे संत ज्ञानेश्वर

सन्त ज्ञानेश्वर के जीवन की घटना है. एक दिन वे बाजार से जा रहे थे कि किसी ने एक गाय को डण्डा मार दिया. उसका निशान ज्ञानेश्वर की पीठ पर बन गया. वे पीड़ा से तड़पने लगे. ऐसी लोकोत्तर संवेदना गहरी साधना से ही सम्भव हो सकती है. सन्त ही पर दुःखकातरता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं. ऐसी उत्कट मानवीय संवेदना प्रत्येक व्यक्ति में जागे तो भले ही दुःख पूरी शक्ति से प्रहार करते रहें, लोग उनकी पीड़ा अपने ऊपर लेकर उसमें आनन्द की अनुभूति कर लेंगे.

त्याग तप के मायने

आज आए दिन शोषण, अत्याचार, अनाचार, अपहरण और हत्याकाण्ड होते रहते हैं. आदमी कहीं सुरक्षित नहीं है. प्रशिक्षित पुलिस है, संगठित सेना है, व्यवस्थित प्रशासन तन्त्र है. इसके बावजूद ऐसा हो रहा है क्योंकि दूसरे की पीड़ा को गहराई से अनुभव करने वालों की संख्या कम होती जा रही है. यदि परदुःख कातरता का भाव मानव समुदाय में नहीं पनपा तो मानवता ही लुप्त हो जाएगी. यह मनुष्य होने का लक्षण है. हमारा देश भारतवर्ष त्यागियों, तपस्वियों की भूमि है. क्या त्याग और तप अपने लिए किए जाते हैं? नहीं, सबका दुःख दूर करने के लिए ही हैं त्याग और तप.
महात्मा गांधी ने एक धोती में जीवन बिताना इसलिए शुरू कर दिया क्योंकि उन्होंने ऐसी महिला को देखा था जिसके पास पहनने को एक ही वस्त्र था. गांधीजी की यह सोच उनको 'महात्मा' पद पर प्रतिष्ठित कर पाई.

कीजिए मदद

खुशियां उनको मिलती हैं जो दूसरों को खुश देखकर खुश होते हैं. किसी को दुःख देकर कभी खुशियों की उम्मीद नहीं की जा सकती. अगर आप सक्षम हैं तो किसी जरूरतमंद की मदद जरूर करें. ऐसा करके जो खुशी मिलती है, वैसी खुशी कभी-कभी अपने आपको खुश करके भी नहीं मिलती. अच्छी और ऊंची सोच जीवन की सफलता के मूल मंत्र हैं. हम अपने घर, परिवार और हमसे जुड़े हुए लोगों को खुशी दे पाएं तो जीवन की सार्थकता का यही मतलब है. अठारह पुराणों में वर्णित सारे सदुपदेशों का सार इस श्लोक में समेट दिया गया है -

अष्टादश पुराणेशु व्यासस्य वचनं द्वयम्।
परोपकार पुण्याय पापाय परपीडनम्।।

और इससे भी सरल सहज शब्दों में गोस्वामी तुलसीदास लिखते हैं -

देह धरे का यह फल भाई।
भजहु राम सब काम बिहाई।।

और यह अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र राम नहीं हैं, बल्कि घट-घट में रम रहे राम हैं. नर सेवा को नारायण सेवा मानते हुए घट-घट वासी इस राम की अभ्यर्थना में ही मानव जीवन की सार्थकता है.

खुशी संदेश

शिक्षा सबसे बड़ा धन

मुकेश चौहान

एक राजा शिकार करने के क्रम में जंगल के काफी अंदर चला गया. हिरण का पीछा करते-करते अपने सैनिकों से बिछड़ गया. हिरण नहीं मिलने पर हार कर एक जगह रुकता है तो, देखता है कि वह बिल्कुल सुनसान जगह पर खड़ा है. आस-पास कहीं सैनिक भी नहीं है. रास्ता तलाशने में काफी वक्त गुजर जाता है, पर रास्ता नहीं मिलता. भूख-प्यास से उसकी हालत खराब हो रही थी.
तभी उसे तीन बालक खेलते हुए दिखे. राजा ने अपना दर्द बच्चों को बताया. बच्चे राजा को अपनी पोटली का खाना खिलाया और रास्ता भी दिखा दिया. राजा खुश होकर बोलें- मैं यहां का राजा हूं, तुम लोग मुझसे कुछ भी मांग लो. एक बालक धन-दौलत, दूसरे ने घोड़ा-बंगला मांगा. लेकिन तीसरे ने ज्ञान मांगा. कहा, वह पढ़ना चाहता है. राजा ने दोनों बालक को धन, घोड़ा-बंगला आदि दे दिया. तीसरे के लिए राज्य के सबसे बड़े राजगुरु को पढ़ाने का जिम्मा सौंप दिया.
कई वर्ष बाद राजा को तीनों बालक के बारे में जानने की इच्छा हुई. तीनों बालक जो बड़े हो गए थे, सामने आए तो राजा देखते हैं कि दो बालक अपने सारे धन-दौलत को ऐशोआराम में गंवा कर फिर से गरीब हो चुके हैं. जबकि तीसरा बालक उन्हीं के दरबार का सबसे होशियार मंत्री बन चुका है. लब्बोलुआब यह, शिक्षा यानी जागृति, सृजनता से बहुमूल्य चीज कुछ है ही नहीं. अपनी पीढ़ी को यह कीमती धन जरूर दें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

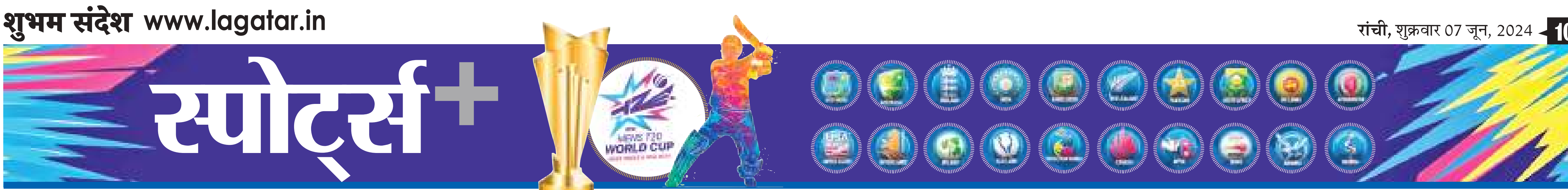

ब्रीफ खबरें

लक्ष्य इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन जापान के केंता निशिमोतो को हराकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए. सेन ने प्री क्वार्टर फाइनल में 21 . 9, 21 . 15 से जीत दर्ज की. त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हालांकि महिला युगल में हारकर बाहर हो गई. उन्हें जापान की मायु मत्सुमोतो और वाकाना नागाहारा के हाथों पराजय झेलनी पड़ी. तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा को दक्षिण कोरिया की हा ना बाएक और सो ही ली ने 21 . 13, 19 . 21, 21 . 13 से हराया, जिससे महिला युगल में भारत की चुनौती खत्म हो गई. मिश्रित युगल में बी सुमीत रेड्डी और सिक्की रेड्डी की टक्कर चीन की सिवेइ झेंग और याकिओंग हुआंग से होगी.

आईसीसी ने पाक टीम का होटल बदला

इस्लामाबाद। आईसीसी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की शिकायत के बाद पाकिस्तान टीम का न्यूयॉर्क में होटल बदल दिया है. पीसीबी ने शिकायत की थी कि टी20 विश्व कप के दौरान होटल से स्टेडियम जाने में 90 मिनट का समय लगता है. पीसीबी के एक सूत्र ने बताया कि अध्यक्ष मोहसिन नकवी के दखल के बाद पाकिस्तान टीम को दूसरे होटल में भेज दिया गया जो मैदान से सिर्फ पांच मिनट की दूरी पर है. पाकिस्तान को रविवार को न्यूयॉर्क में भारत से खेलना है और 11 जून को कनाडा से सामना होगा. भारतीय टीम को तीन ग्रुप मैच न्यूयॉर्क में खेलने हैं और उसका टीम होटल मैदान से दस मिनट की दूरी पर है. भारत ने आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच जीत लिया है.

प्रज्ञानानंदा का सामना कारूआना से होगा

स्टावेंजर (नॉर्वे)। ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के नौवे दौर में अमेरिका के फेबियानो कारूआना से खेलेंगे. भारत के प्रज्ञानानंदा ने क्लासिकल से दो मैच और आर्मागेडोन से दो मैच जीते और वह तीसरे स्थान पर हैं. टूर्नामेंट के दो ही दौर बाकी हैं. उन्होंने क्लासिकल में नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन को और कारूआना को हराया था. आर्मागेडोन में हालांकि उन्हें तीन पराजय भी झेलनी पड़ी. कार्लसन 14 . 5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि अमेरिका के हिकारू नकामूरा उनसे एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं. प्रज्ञानानंदा 12 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है और फ्रांस के फिरोजा अलीरजा उनसे एक अंक पीछे हैं. ऐसा लग रहा है कि कार्लसन और नकामूरा के बीच सीधा मुकाबला है.

गेंद बहुत स्विंग ले रही थी : अर्शदीप

न्यूयॉर्क। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि आयरलैंड के खिलाफ मैच में उन्होंने अपनी रणनीति पर अडिग रहने पर ही फोकस किया चूंकि 'ड्रॉप इन' पिच पर गेंद पर नियंत्रण रख पाना कठिन हो रहा था. भारत ने आयरलैंड को 16 ओवर में 96 रन पर समेटने के बाद 12 . 2 ओवर में लक्ष्य हासिल किया. अर्शदीप ने स्वीकार किया कि स्विंग पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो रहा था और उन्होंने इसके लिये जसप्रीत बुमराह से सलाह ली. उन्होंने कहा, मैंने डगमगाती सीम से गेंद डालने की पूरी कोशिश की. मेरी कई गेंद वाइड गई. पांच वाइड गेंद डालने वाले अर्शदीप ने सलामी बल्लेबाज एंडी बालबर्नी और कप्तान पॉल स्टर्लिंग के विकेट लिये.

रोहित शर्मा की चोट गंभीर नहीं, 'ड्रॉप इन' पिच की हो रही है आलोचना

भाषा। न्यूयॉर्क

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की बाजू पर लगी चोट पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले मैच से पहले ठीक होने की उम्मीद है. वहीं, अमेरिका में क्रिकेट के प्रचार के लिए अहम माने जा रहे टी20 विश्व कप के इस मुकाबले से पहले नासाउ काउंटी की खुली दरारों वाली खतरनाक पिच सभी के लिये चिंता का सबब बनी हुई है. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन समेत कई दिग्गजों ने पिच पर सवाल उठाये हैं.

यह भी कहा जा रहा है कि विश्व कप मैच कराने से पहले इस पर कुछ अभ्यास मैच क्यो नहीं खेले गए. रोहित को आयरलैंड के खिलाफ मैच के दौरान तेज गेंदबाज जोश लिटिल की गेंद दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में लगी थी. उन्हें मैदान छोड़कर जाना पड़ा. ऋषभ पंत को भी बायीं कोहनी में बाउंसर लगा था.

खास बातें

- रविवार को पाक टीम के साथ है भारत का मुकाबला
- रोहित शर्मा के चोटिल होने से टीम इंडिया खेमे में चिंता

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, रोहित की चोट गंभीर नहीं है. उन्होंने खुद कहा है कि यह मामूली घाव है. वह पाकिस्तान के खिलाफ मैच तक ठीक हो जायेंगे. उससे पहले दो अभ्यास सत्र भी खेले जाने हैं.एडीलेड से खास विश्व कप के लिये यहां लाई गई पिच की काफी आलोचना हो रही है. भारत को इस स्टेडियम में दो मैच और खेलने हैं. भारत की टी20 विश्व कप में खिताबी जीत में फाइनल में प्लेयर आफ द मैच रहे इरफान पठान ने पिच को असुरक्षित बताया. उन्होंने कहा, हम अमेरिका में क्रिकेट को बढावा देना चाहते हैं, लेकिन यह पिच खिलाड़ियों के लिये सुरक्षित नहीं है. अगर भारत में इस तरह की पिच होती तो लंबे समय तक वहां दोबारा मैच नहीं खेला जाता. उन्होंने कहा, पिच अच्छी नहीं है. हम विश्व कप की बात कर रहे हैं, किसी द्विपक्षीय श्रृंखला की नहीं. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा , अमेरिका में क्रिकेट का प्रचार अच्छी बात है लेकिन इसके लिये खिलाड़ियों को इस तरह की पिच पर खिलाना अस्वीकार्य है. आप विश्व कप खेलने के लिये काफी मेहनत करते हैं और फिर इस तरह की पिच पर खेलना पड़ता है. पिच के स्वभाव से रोहित हैरान हैं और उन्होंने स्वीकार किया कि वह नहीं जानते कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में इससे क्या अपेक्षा की जाये . वहीं भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि भारत के पास इससे निपटने के लिये पर्याप्त अनुभव और कौशल है. भारतीय टीम प्रबंधन कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं करने वाला लेकिन पिच को लेकर नाराजगी जाहिर है. सूत्र ने कहा, यह ताजा पिच है. इस पर घास है लेकिन बड़ी बड़ी दरारें भी हैं.

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने किया टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज

स्टोइनिस के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को हराया

भाषा। ब्रिजटाउन

मार्कस स्टोइनिस के आक्रामक अर्धशतक और तीन विकेट की बदौलत गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान का आगाज गुरुवार को ओमान पर 39 रन से जीत के साथ किया. स्टोइनिस ने 36 गेंद में नाबाद 67 रन बनाये जिसकी मदद से ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट पर 164 का स्कोर बनाया. डेविड वॉर्नर ने भी 56 रन की पारी खेली. इसके बाद स्टोइनिस ने तीन ओवर में 19 रन देकर तीन विकेट चटकाये. ओमान की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 125 रन ही बना सकी. ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने 28 रन देकर और आईपीएल स्टार मिचेल स्टार्क ने 20 रन देकर दो-दो विकेट लिये. स्टार्क ने ओमान की पारी की तीसरी गेंद पर प्रतीक अठावले (0) को आउट कर दिया. मैदानी अंपायर द्वारा नॉट आउट दिये जाने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने डीआरएस लिया जिसमें फैसला उसके पक्ष में रहा. एलिस ने कश्यप प्रजापति (सात) को पगबाधा आउट किया जिस पर ओमान ने रिव्यू लिया, लेकिन नाकामी हाथ लगी. स्टोइनिस ने पावरप्ले की आखिरी गेंद पर ओमान के कप्तान आकिब इलयास (18) को आउट किया, जिनका कैच विकेट के पीछे मैथ्यू वेड ने लपका. स्टोइनिस ने जीशान मकसूद (1) को आठवें ओवर में पवेलियन भेजा. अयान खान ने 30 गेंद में दो

ओमान के साथ मैच के दौरान शॉट लगाते मारकस.

चौकों और दो छक्कों की मदद से 36 रन बनाये और सातवें विकेट के लिए 37 रन की साझेदारी की. इससे पहले बल्लेबाजी के लिये भेजे जाने पर ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 164 रन बनाये. ट्रेविस हेड (12) और कप्तान मिचेल मार्श (14) सस्ते में आउट हो गए. अनुभवी हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म जारी रहा जो खाता भी नहीं खोल सके. मेहरान की गेंद पर इलयास ने उनका बेहतरीन कैच लपका. स्टोइनिस और वॉर्नर ने चौथे विकेट के लिये 64 गेंद में 102 रन जोड़े. ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय तीन विकेट पर 50 रन था जिसके बाद इन दोनों ने पारी को संभाला. वॉर्नर 56 रन की पारी के साथ ही टी20 क्रिकेट में आस्ट्रेलिया के लिये सर्वाधिक रन (3,120) बनाने वाले बल्लेबाज हो गए, जिन्होंने पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पछाड़ा. दूसरी ओर स्टोइनिस ने 36 गेंद की अपनी पारी में दो चौके और छह छक्के लगाये. ओमान के लिए मेहराल खान ने दो विकेट लिये जबकि बिलाल खान और कलीमुल्लाह को एक एक विकेट मिला. इलयास ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिये लेकिन उन्हें विकेट नहीं मिल सकी.

युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को हराया

प्रोविडेंस। युगांडा ने टी20 विश्व कप में पहली जीत दर्ज करते हुए पापुआ न्यू गिनी को कम स्कोर वाले मैच में तीन विकेट से हराया . युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को 77 रन पर आउट कर दिया लेकिन जवाब में उसके पांच विकेट 26 रन पर गिर गए थे . उसने हालांकि 10 गेंद बाकी रहते सात विकेट खोकर 78 रन बना लिये . रियाजत अली ने 33 रन बनाये लेकिन कोई और बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सका . उन्हें अपनी पारी में दो जीवनदान मिले और टीम के जीत से तीन रन दूर रहते वह आउट हो गए . उन्हें पहला जीवनदान उस समय मिला, जब युगांडा का स्कोर तीन विकेट पर आठ रन था . इसके बाद पांच विकेट पर 35 रन पर भी उन्हें जीवनदान मिला जब चार्ल्स अमीनी ने उनका कैच छोड़ा . रियाजत और जुमा मियागी (13) ने छठे विकेट के लिये 35 रन की साझेदारी की .

युगांडा टीम के रियाजत शॉट लगाते हुए.

भारत के खिताब नहीं जीतने पर बोले पोंटिंग

टीम इंडिया को फैन के दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा

भाषा। नयी दिल्ली

रिकी पोंटिंग की कप्तानी वाली आस्ट्रेलियाई टीम को आईसीसी टूर्नामेंटों में सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का शऊर बखूबी आता था और दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान का मानना है कि भारत को भी आईसीसी खिताब का सूखा दूर करने के लिए मानसिक बाधाओं से पार पाकर ऐसा ही कुछ करना होगा. क्रिकेट की महाशक्ति भारत ने आखिरी बाद 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी के रूप में आईसीसी खिताब जीता था. भारतीय टीम ने टी20 विश्व कप में न्यूयॉर्क में आयरलैंड को हराकर शानदार शुरुआत की. न्यूयॉर्क से पीटीआई से बातचीत में पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम को अपने प्रशंसकों के जबर्दस्त दबाव से निपटने का तरीका तलाशना होगा. आपको स्पष्ट रहना होगा कि आपका फोकस टूर्नामेंट पर है, ना कि बाहरी दबाव के बारे में चिंता करने पर या बहुत अधिक आगे की सोचने पर. भारतीय टीम में प्रतिभा की कमी नहीं है लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि विश्व कप जीतना आसान नहीं होता . एक ही समय में दुनिया के सभी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें खेलते हैं. आस्ट्रेलिया को बतौर कप्तान 2003 और 2007 विश्व कप दिलाने वाले पोंटिंग ने कहा , इसका संबंध मानसिकता से है. आप दबाव का सामना कैसे करते हैं. दबाव के हालात में आप कैसे सोचते हैं, इसी में जीत और हार का अंतर होता है.

उन्होंने कहा, विश्व कप में आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हर समय अच्छा खेलना होता है. आस्ट्रेलियाई टीमें बड़े टूर्नामेंटों में सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करना जानती रहीं हैं. छह महीने पहले आस्ट्रेलिया ने सही समय पर अच्छा प्रदर्शन करते हुए पैट कमिंस की कप्तानी में वनडे विश्व कप जीता था. भारतीय टीम के पास आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड या दक्षिण अफ्रीका जैसे पावर हिटर भले ही नहीं हो लेकिन पोंटिंग का मानना है कि वेस्टइंडीज के हालात में खेलने के लिये उनके पास पर्याप्त प्रतिभा है . नॉकआउट मैच वेस्टइंडीज में होने हैं. सब कुछ पावर हिटिंग ही नहीं होता, स्ट्राइक रेट भी अहम है. भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट किसी से कम नहीं है. आस्ट्रेलिया के पास मार्श, स्टोइनिस, मैक्सवेल या कैमरन ग्रीन हैं तो दक्षिण अफ्रीका के पास स्टब्स, क्लासेन या डेविड मिलर हैं. इनके पास ताकत है लेकिन सूर्यकुमार यादव किसी भी मैदान पर रन बनाने में सक्षम है.

खास बातें

- भारतीय टीम को मानसिक रूप से तैयार रहने की सलाह
- सूर्यकुमार यादव किसी पिच पर शानदार खेल सकते हैं

न्यूयॉर्क की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने पर दी प्रतिक्रिया

भारत के पास पर्याप्त अनुभव और कौशल : विक्रम राठौड़

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि उनकी टीम के पास नासाउ काउंटी मैदान की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने के लिये पर्याप्त अनुभव और कौशल है. आयरलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जोश लिटिल की गेंद दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में लगने के कारण मैदान छोड़ना पड़ा. वहीं असमान उछाल वाली पिच पर ऋषभ पंत को भी बायीं कोहनी में बाउंसर लगा. राठौड़ ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हम उसी पर नियंत्रण कर सकते हैं जो हमारे बस में है. यह चुनौतीपूर्ण विकेट है और हमें ऐसी ही आशा थी क्योंकि हमने यहां अभ्यास मैच खेला था. उन्होंने कहा, हमें इससे निपटने का तरीका तलाशना होगा . टीम में कौशल की कमी नहीं है और पर्याप्त अनुभव भी है . हमें कोई दिक्कत नहीं होगी.

विश्व कप में तीसरे नंबर पर खेलेंगे पंत

न्यूयॉर्क। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि टी20 विश्व कप में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहेंगे . उन्होंने पूरी तरह फिट हार्दिक पंड्या के प्रदर्शन पर भी खुशी जताई . पंत और पंड्या ने आईपीएल के जरिये वापसी की है और लंबे ब्रेक के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं . आयरलैंड पर पहले मैच में आठ विकेट से मिली जीत में दोनों ने अहम भूमिका निभाई . राठौड़ ने मैच के बाद मीडिया से कहा, पंत शानदार बल्लेबाजी कर रहा है . दोनों मैचों (अभ्यास मैच और आयरलैंड मैच) में उसने अच्छी बल्लेबाजी की .

नासाउ की पिच से हैरान रोहित, बुमराह खुश दिखे

न्यूयॉर्क। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा नासाउ काउंटी मैदान की असमान उछाल वाली 'ड्रॉप इन' पिच से ज्यादा खुश नजर नहीं आये, लेकिन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खुशी है कि पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मुकाबले से पहले पिच तेज गेंदबाजों की मदद कर रही है. आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में रोहित ने 37 गेंद में 52 रन बनाये, लेकिन गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज जोश लिटिल की शॉर्टपिच गेंद पर पूल शॉट खेलने के प्रयास में वह चूके और गेंद उनकी दाहिनी बाजू के ऊपरी हिस्से में जा लगी. उन्हें मैदान छोड़कर भी जाना पड़ा. चोट के बारे में उन्होंने कहा, यह मामूली सा घाव है. मैंने टॉस के समय भी कहा था कि पता नहीं ये पिच कैसी होगी. नया मैदान, नया वेन्यू और हम देखना चाहते थे कि यहां खेलकर कैसा लगता है. मुझे लगता है कि पिच अभी जमी नहीं है और गेंदबाजों की काफी मदद कर रही थी. ऐसे में अपने बेसिक्स पर डटे रहना और टेस्ट मैच गेंदबाजी को याद रखना जरूरी था.

आज के मैच एंडी बालबर्नी, पॉल स्टर्लिंग और हैरी जैसे खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा

आयरलैंड को कनाडा के खिलाफ जीत का है भरोसा

भाषा। न्यूयॉर्क

भारत के खिलाफ पहले मैच में मिली हार के बाद आयरलैंड को कनाडा जैसी खतरनाक टीम के खिलाफ शुक्रवार को टी20 विश्व कप में अपने अभियान को ढर्रे पर लाना है तो एंडी बालबर्नी, पॉल स्टर्लिंग और हैरी टेक्टर जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा. आयरलैंड को पहले मैच में भारत ने आठ विकेट से हराया जबकि कनाडा को सह मेजबान अमेरिका ने सात विकेटसे मात दी. आठवीं बार टी20 विश्व कप खेल रही आयरलैंड टीम अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रही है हालांकि उसके कई प्रमुख खिलाड़ी इंग्लिश काउंटी क्रिकेट खेलते हैं .

अभी तक आयरलैंड एक ही बार 2009 में सुपर 8 चरण में पहुंचा. बालबर्नी और कप्तान स्टर्लिंग के पास कुल मिलाकर 250 टी20 मैचों का अनुभव है लेकिन वे टीम को नासाउ काउंटी स्टेडियम पर अच्छी शुरूआत नहीं दिला सके . भारत ने कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत की उम्दा पारियों के दम पर जीत दर्ज की.

टीमें

कनाडा : साद बिन जफर (कप्तान), आरोन जॉनसन, रविंदरपाल सिंह, नवनीत धालीवाल, कलीम सना, दिलोन हेलीगर, जेरेमी गॉर्डन, निखिल दत्ता, परगट सिंह, निकोलस किरटन, रेयानखान पठान, जुनैद सिद्दीकी, दिलप्रीत बाजवा, श्रेयस मोव्वा, ऋषिव जोशी . रिजर्व : तजिंदर सिंह, आदित्य वरदराजन, अम्मार खालिद, जतिंदर मथारू, परवीन कुमार .

आयरलैंड : पॉल स्टर्लिंग (कप्तान), मार्क अडायर, रॉस अडायर, एंड्रयू बालबर्नी, कर्टिस कैंपर, गैरेथ डेलानी, जॉर्ज डॉकरेल, ग्राहम ह्यूम, जोश लिटिल, बैरी मैकार्थी, नील रॉक, हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, बेन व्हाइट, क्रेग यंग . मैच का समय : रात आठ बजे से .

बराबरी के मुकाबले में स्कॉटलैंड और नामीबिया आमने-सामने

भाषा। ब्रिजटाउन

ओमान के खिलाफ टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली जीत के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत नामीबिया का सामना अब शुक्रवार को स्कॉटलैंड से होगा. स्कॉटलैंडऔर इंग्लैंड के बीच मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था. स्कॉटलैंड ने हालांकि गत चैम्पियन टीम के खिलाफ अपनी प्रतिभा की बानगी दी थी लेकिन बारिश के कारण अंक बांटने पड़े. नामीबिया का भरोसा कप्तान गेरहार्ड इरास्मस और हरफनमौला डेविड वीसे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर रहेगा. उनके पास पिछले दो टी20 विश्व कप का अनुभव है. इसके अलावा नामीबिया ने स्कॉटलैंड के खिलाफ पिछले तीन टी20 मैच भी जीते हैं जिससे उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त मिलेगी.

टीमें

नामीबिया : गेरहार्ड इरास्मस (कप्तान), ज़ेन ग्रीन, माइकल वैन लिंगेन, डायलन लीचर, रूबेन ट्रम्पेलमैन, जैक ब्रासेल, बेन शिकोंगो, टैंगेनी लुंगामेनी, निको डेविन, जेजे स्मिट, जान फ्रिलिंक, जेपी कोट्ज, डेविड विसे, बर्नार्ड शोल्ट्ज़, मालन क्रूगर, पीडी ब्लिगनॉट .

स्कॉटलैंड : रिची बेरिंगटन (कप्तान), मैथ्यू क्रॉस, ब्रैड करी, क्रिस ग्रीव्स, ओली हेयर्स, जैक जार्विस, माइकल जोन्स, माइकल लीस्क, ब्रैंडन मैकमुलेन, जॉर्ज मुन्से, सफ्यान शरीफ, क्रिस सोल, चार्ली टियर, मार्क वाट, ब्रैड व्हील .

मैच का समय : रात 12 .30 से .

फ्रेंच ओपन ज्वेरेव शुक्रवार को सेमीफाइनल में कैस्पर रूड का सामना करेंगे

अलेक्जेंडर ज्वेरेव लगातार चौथे साल सेमीफाइनल में

एजेंसी। पेरिस

विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 11वीं वरीयता प्राप्त एलेक्स डी मिनौर पर 6-4, 7-6(5), 6-4 से जीत के बाद लगातार चौथे साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली. पहले सेट में ब्रेक एडवांटेज गंवाने के बाद ज्वेरेव ने वापसी की और पहला सेट जीत लिया. इसके बाद उन्होंने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 3-5 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मैच पर नियंत्रण कर लिया. इसके बाद ज्वेरेव ने तीसरे सेट में फ्रंट-फुट टेनिस खेला, 5-3 पर मैच में सर्विस गंवाने के बाद वापसी की और अगले गेम में डी मिनौर की सर्विस तोड़कर जीत हासिल की.

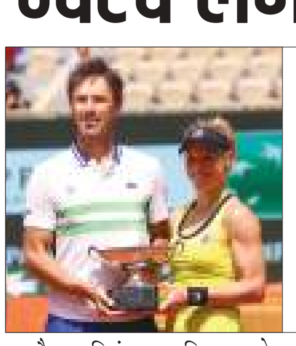

पेरिस के रोलांड गैरोस स्टेडियम में गुरुवार को जर्मनी की लॉरा सीजमंड और फ्रांसेस एडौर्ड रोजर-वासेलिन ने अमेरिका की डेसिरे क्रॉस्ज़िक और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की के खिलाफ फाइनल जीत कर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के मिश्रित युगल फाइनल मैच में जीत का जश्न मनाया.

बोपन्ना-एबडेन की जोड़ी पुरुष युगल के सेमीफाइनल में

पेरिस। रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने गुरुवार को फ्रेंच ओपन 2024 के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है . गुरुवार को कोर्ट सुज़ैन लेंग्लेन में बोपन्ना-एबडेन ने सैंडर गिल और जोरन व्लिगेन की बेल्जियम की जोड़ी के खिलाफ 7-6(3), 5-7, 6-1 से जीत दर्ज की . बोपन्ना और एबडेन ने पहला सेट 7-6 से जीता लेकिन इसके बाद गिल और जोरन ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया और मैच को तीसरे सेट में ले गए .

सरबजोत ने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता

भाषा। म्यूनिख

सरबजोत सिंह ने गत विश्व चैंपियन और चार बार के ओलंपियन की मौजूदगी वाली पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर गुरुवार को यहां आईएसएसएफ विश्व कप में भारत के पदक का खाता खोला. भारत के 22 साल के सरबजोत ने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 242.7 अंक जुटाए. उन्होंने चीन के अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआईहेंग को 0.2 अंक से पछाड़ा.

जर्मनी के रोबिन वाल्टर ने कांस्य पदक जीता. सरबजोत ने बुधवार को

क्वालीफाइंग में 588 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी. फाइनल में गत विश्व चैंपियन चीन के बोवेन झेंग और तुर्की के चार बार के ओलंपिक यूसुफ डिकेक भी चुनौती पेश कर रहे थे. सरबजोत ने हालांकि फाइनल में लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में अपना दूसरा व्यक्तिगत पदक जीता. इससे पहले उन्होंने पिछले साल भोपाल में भी स्वर्ण पदक जीता था. युवा भारतीय निशानेबाज ने शुरुआती पांच शॉट में तीन बार 10 से अधिक अंक जुटाकर शुरुआती बढ़त बनाई. सरबजोत ने लगातार अच्छी निशानेबाजी की और 14वें शॉट से पहले तक बढ़त बरकरार रखी जब वाल्टर ने उनकी बराबरी कर ली.

ब्रीफ खबरें

घर पर गिरा पेड़, एक महिला की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले में बुधवार की देर रात आयी तेज आंधी और बारिश ने कहर मचाया है. जहां एक घर पर आम का पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए. घटना जिले के सुगौली थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 12 की है. घायलों में राजा आलम 17 वर्ष पिता मो खलील, मो रफीक 38 पिता जैनुल मिया, इम्तियाज आलम 45 वर्ष पिता सगीर, फैशन आलम उम्र 4 वर्ष रफीक मिया, रौशन खातून पिता रफीक मिया, मुन्नी खातून 32 वर्ष पति सगीर शामिल है. घायलों में दो की स्थिति नाजुक है.

तालाब में डूबकर युवक की मौत, मचा कोहराम

भागलपुर । जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के अगैया गांव निवासी महेन्द्र यादव के 24 वर्षीय पुत्र अमित कुमार यादव की तालाब में डूबने से मौत होने के बाद पुलिस ने मृतक के शव को गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भागलपुर भेज दिया है. अमित कुमार यादव की मौत बीते बुधवार को तालाब में डूबकर हो गई थी. मृतक के परिजन ने बताया कि मंगलवार सुबह अमित अपने भैंस को लेकर बहियार चराने के लिए गया था. दोपहर बारह बजे के आसपास गांव के ही बगल में स्थित तलाब में प्रत्येक दिन भैंस को नहलाता था और एक बजे के बाद घर आ जाता था. एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद तालाब से शव को खोज कर निकाला गया.

दो दिनों से लापता युवक का मिला शव

जमुई । जमुई पुलिस ने बुधवार देर रात खैरा प्रखंड अंतर्गत नवडीहा गांव निवासी 18 वर्षीय युवक सत्यदेव आर्य का शव बल्लोपुर बहियार में बने गड्ढे से बरामद किया है. वह पिछले दो दिनों से घर से लापता था. शव मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है. पुलिस ने इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है. एसडीपीओ सतीश सुमन ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि खैरा थाना अंतर्गत गांव नौडीहा में 20 वर्षीय युवक सत्यदेव आर्य पिता संजय कुमार साह को किसी व्यक्ति के द्वारा फोन किया गया और उस फोन के बाद युवक अपने घर से चला गया.

बिहार के इन 25 जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट

संवाददाता ।पटना

बिहार के कई जिलों में चल रही ठंडी हवाओं ने गर्मी से राहत दिलाई है. गुरुवार सुबह मौसम विभाग ने कई जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने पटना, भोजपुर, बक्सर, वैशाली, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, सारण, पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, कटिहार, मुजफ्फपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, भागलपुर, खगड़िया जिले में बारिश का अलर्ट जारी किया है. इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे से हवा चलने के आसार हैं.

दो लाख का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में मारा गया

- बिहार एसटीएफ और उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने की संयुक्त कार्रवाई
- बेगूसराय जिले के रहने वाले निलेश, कई थानों में था गंभीर मामला दर्ज

संवाददाता ।पटना

उत्तर प्रदेश पुलिस ने प्रदेश के मुजफ्फरनगर में बिहार पुलिस की सूचना के आधार पर एक मुठभेड़ के दौरान दो लाख रुपये के इनामी बदमाश निलेश राय को मारा गिराया है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एसटीएफ की गुप्त सूचना पर उत्तर प्रदेश एसटीएफ एवं वहां की पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कुख्यात वांछित अपराधी निलेश राय पांच जून को मुठभेड़ में मारा गया. उन्होंने बताया कि राय पर दो लाख रुपये का इनाम था. बेगूसराय जिले के रहने वाले निलेश पर बेगूसराय एवं बरौनी रेल पुलिस थाने तथा झारखंड के जसीडीह के थानों में 16 से अधिक गम्भीर कांड दर्ज हैं. इनमें हत्या, डकैती के साथ हत्या, रंगदारी, लूट, शस्त्र अधिनियम एवं पुलिस पर हमला जैसे कई गंभीर अपराध शामिल हैं. उन्होंने बताया कि बिहार एसटीएफ से प्राप्त सूचना के आधार पर कुख्यात अपराधी निलेश राय को पकड़ने का प्रयास उप्र पुलिस कर रही थी. मृत अपराधी के पास से पुलिस ने तीन पिस्तौल, 19 कारतूस, खोखा और एक बाइक बरामद की गयी है.

बिहार बीजेपी अध्यक्ष सम्राट चौधरी का बड़ा बयान

नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा विधानसभा चुनाव

संवाददाता ।पटना

बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा है कि 2025 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा इसमें दिक्कत कहां है. बिहार चुनाव प्रबंधन समिति के साथ बैठक के बाद चौधरी ने कहा कि बिहार की जनता ने हमें 75 परसेंट नंबर दिया है. जो लोग दावे कर रहे थे कि पहले 6 फेज के चुनाव में 28 सीट जीत रहे उनको जनता ने जवाब दिया है. हमने बेहतर प्रदर्शन किया है. जहां चूक हुई वो चिंता का विषय है. दरअसल गुरुवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में चुनाव परिणाम पर महत्वपूर्ण बैठक बुलाई गई थी. बैठक में पार्टी के प्रदर्शन पर समीक्षा की गई. इसके बाद सम्राट चौधरी ने मीडिया से बात की. उन्होंने कहा कि हम कई सीट हार गए इस पर समीक्षा होगी और इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता है कि आखिर हार क्यों हुई.

'1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में काम कर रही बीजेपी'

सम्राट चौधरी ने कहा कि हम इससे और अच्छा प्रदर्शन कर सकते थे लेकिन क्यों नहीं हुआ इसकी समीक्षा हो रही है. सम्राट चौधरी से पत्रकारों ने सवाल किया कि जेडीयू का कहना है कि 2025 में भी बिहार विधानसभा का चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा. इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा है इसमें दिक्कत क्या है? 1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में बीजेपी काम कर रही है. वर्षों से मांग हो रही है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जे मिले. जेडीयू की ओर से भी इसकी मांग की जा रही है. गुरुवार को जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने भी कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलना चाहिए. विशेष राज्य के दर्जे की मांग के सवाल पर सम्राट चौधरी ने कुछ भी नहीं कहा.

वहीं जदयू के वरिष्ठ नेता विजय कुमार चौधरी ने कहा है कि एनडीए बिहार में वर्ष दो हजार पच्चीस का विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेगा. जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मलेन को संबोधित करते हुए चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में बिहार के नतीजों से स्पष्ट हो गया है कि मुख्यमंत्री की लोकप्रियता और विश्ववश्नियता बरकरार है. चौधरी ने कहा कि जदयू एनडीए में है और एनडीए में ही रहेगा. उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी बिहार के लिए विशेष राज्य का दर्जा चाहती है.

चिराग मंत्री पद के लिए नहीं रखेंगे कोई शर्त

चिराग पासवान ने एनडीए सरकार में अपनी पार्टी द्वारा 2-3 कैबिनेट पदों की मांग की खबरों को खारिज किया है. उन्होंने कहा कि कोई मांग नहीं है और कोई मांग हो भी नहीं सकती है. हमारा लक्ष्य ही नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना था. लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा, नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं. बुधवार को एनडीए के नेताओं की बैठक थी. प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही एनडीए को प्रचंड बहुमत मिली है. बुधवार को एनडीए के घटक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व को स्वीकारा है.

सिक्किम की युवती से किशनगंज में गैंगरेप

साथ आए युवक का हाथ-पैर बांधा, पीटा, फिर किया गंदा काम

संवाददाता ।किशनगंज

किशनगंज में सिक्किम से घूमने के लिए पहुंची एक युवती से बुधवार की रात गैंगरेप हुआ है. घटना किशनगंज टाउन थाना क्षेत्र की है. दो युवतियां एक लड़के के साथ सिक्किम से किशनगंज घूमने के लिए पहुंचीं थीं. दो युवकों ने युवती को झांसे में ले लिया और अपने मकान पर ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया. घटना के संबंध में बताया जाता है कि बदमाशों ने युवती के साथ आए युवक का हाथ-पैर बांध दिया और उसके बाद गैंगरेप किया. एक युवती किसी तरह मौके से भागी और उसने पुलिस को इसके बारे में सूचना दी. इसके बाद टाउन थानाध्यक्ष संदीप कुमार पुलिस बल अन्य टीम के साथ मौके पर पहुंचे. पीड़ित युवती को बरामद किया गया. इसके साथ ही पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया.

एफएसएल की टीम पहुंची : गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अरहान अख्तर और अमजद हुसैन के रूप में हुई है. ये बहादुरगंज महादेव दिग्गी के रहने वाले हैं. घटना के बाद एफएसएल की टीम भी भागलपुर से पहुंची. टीम ने साक्ष्य एकत्रित किए. एफएसएल की टीम ने घटनास्थल से तकनीकी अनुसंधान के जरिए कई साक्ष्यों को जुटाया है.

घटनास्थल से मिले कई आपत्तिजनक सामान : बताया जाता है कि जिस जगह इस गंदा काम को अंजाम दिया गया है वहां से बीयर की बोतल के ढक्कन सहित कई आपत्तिजनक सामान मिले हैं. इससे ऐसा लगता है कि युवकों ने पहले पार्टी की होगी उसके बाद युवती को हवस का शिकार बनाया. युवती को अंदरूनी चोट भी पहुंची है. सदर अस्पताल में युवती की मेडिकल जांच कराई गई है. इस मामले में टाउन थानाध्यक्ष संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. सख्त सजा दिलाई जाएगी.

जहानाबाद में इनामी बदमाश पप्पू शर्मा को गिरफ्तार किया

संवाददाता ।जहानाबाद

जहानाबाद में कुख्यात इनामी बदमाश पप्पू शर्मा एसटीएफ के हत्थे चढ़ गया. उस पर दो लाख का इनाम रखा गया था. एसटीएफ की टीम ने गुरुवार की सुबह पारस बिगहा थाना क्षेत्र के सेंधवा गांव से खदेड़कर बदमाश पप्पू शर्मा को गिरफ्तार किया. पप्पू शर्मा जहानाबाद जिले का कुख्यात बदमाश है. उसके खिलाफ कई थानों में एक दर्जन से ज्यादा मामले दर्ज हैं. दरअसल, जहानाबाद के पारस बिगहा थाना के सेंधवा गांव का पप्पू शर्मा जिले के टॉप टेन बदमाश की सूची में शामिल है. उस पर जहानाबाद समेत कई जिलों में हत्या, लूट, अपहरण और जालसाजी के कई मामले दर्ज हैं और उसकी आपराधिक कारनामों को देख सरकार ने दो लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था. वहीं, कुख्यात ने अपनी मौत की झूठी खबर फैला रखी थी. बता दें कि 2018 में भी अगला थाने की पुलिस ने छापेमारी कर एक कार्बाइन और 29 कारतूस बरामद किया था.

स्कूलों का समय सुबह 6:30 से 10:50 बजे तक संचालित होंगे

पटना । बिहार में बदल रहे मौसम को देखते हुए शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय में बदलाव किया है. शिक्षा विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार 10 जून से 30 जून तक सभी सरकारी स्कूल सुबह 6:30 से 10:50 बजे तक संचालित होंगे. बिहार माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने पूरा शिड्यूल जारी करते हुए जारी आदेश में कहा है कि शिक्षकों को सुबह 6:20 बजे स्कूल पहुंचना होगा और साढ़े 6 बजे स्कूलों को खोलना होगा.

कारोबार

समीर बंसल को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया

नयी दिल्ली । पीएनबी मेटलाइफ ने समीर बंसल को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया है. वह एक जुलाई से कार्यभार संभालेंगे. वह आशीष श्रीवास्तव का स्थान लेंगे. श्रीवास्तव को भारत में मेटलाइफ इंक की ग्लोबल शेयर्ड सर्विसेज दल का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है. निजी क्षेत्र की बीमा कंपनी ने बयान में कहा, पीएनबी मेटलाइफ इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने गुरुवार को समीर बंसल को प्रबंध निदेशक (एमडी) और (सीईओ) के रूप में नियुक्त करने की घोषणा की.

निसाबा गोदरेज ने बोर्ड से दिया इस्तीफा

नयी दिल्ली । गोदरेज कंज्यूमर की कार्यकारी चेयरपर्सन निसाबा गोदरेज ने नेतृत्व की जवाबदेही और उत्तराधिकार योजना पर मतभेदों का हवाला देते हुए यात्रा सहायक उपकरण बनाने वाली कंपनी वीआईपी इंडस्ट्रीज के बोर्ड से स्वतंत्र निदेशक के पद से इस्तीफा दे दिया है. गोदरेज ने अपने इस्तीफे में कहा, नेतृत्व की जवाबदेही और उत्तराधिकार नियोजन पर मेरे भिन्न दृष्टिकोण के कारण मैं तीन जून 2024 से निदेशक मंडल से इस्तीफा दे दूंगी. निसाबा को स्वतंत्र निदेशक के रूप में फिर से नियुक्त किया गया.

रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी का लाभ बढ़ा

नयी दिल्ली । रिन्यू एनर्जी ग्लोबल पीएलसी का वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ सात गुना होकर 70 लाख अमेरिकी डॉलर रहा. कंपनी बयान के अनुसार, चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में कुल राजस्व 4.4 प्रतिशत घटकर 29.7 करोड़ अमेरिकी डॉलर रह गया, जो वित्त वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में यह 31.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था. रिन्यू एनर्जी ने राजस्व में गिरावट का कारण अपनी 'ट्रांसमिशन' परियोजनाओं से कम आय को बताया. समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ पांच करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा, वित्त वर्ष 2022-23 में उसने छह करोड़ अमेरिकी डॉलर का शुद्ध घाटा दर्ज किया था.

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल को पीछे छोड़ा

दुनिया की दूसरी मूल्यवान कंपनी बनी एनवीडिया

- एनवीडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के पार
- अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली है कंपनी
- एनवीडिया के शेयर में पिछले 5 कारोबारी दिनों में 6.93% और 6 महीने में 169.08% की तेजी आई

एजेंसी ।कैलिफोर्निया

अमेरिका की सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया एपल को पीछे कर दुनिया की दूसरी सबसे वैल्युएबल कंपनी बन गई है. एनवीडिया कॉर्प का शेयर बुधवार 5 जून को 60.03 डॉलर (5.16%) की तेजी के साथ 1,224.40 डॉलर (करीब 1,86,958 रुपए) पर बंद हुआ. शेयर में आई इस तेजी से कंपनी का मार्केट कैप 3.01 ट्रिलियन डॉलर (करीब 251 लाख करोड़ रुपए) हो गया है.

वहीं, एप्पल का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर (करीब 250 लाख करोड़) है. बुधवार को एप्पल का शेयर 0.78% की तेजी के साथ 195.87 डॉलर पर बंद हुआ है. साल 2002 में भी एनवीडिया का मार्केट कैप एप्पल से आगे पहुंच गया था. तब दोनों कंपनियों का मार्केट कैप 10 बिलियन डॉलर यानी, करीब 83,000 करोड़ रुपए से कम था. 5 साल बाद 2007 में एप्पल ने पहला आईफोन लॉन्च किया, उसके बाद उसका मार्केट कैप तेजी से बढ़ा.

पिछले 6 महीने में एनवीडिया के शेयर ने 169.08% का रिटर्न दिया : एनवीडिया के शेयर में पिछले 5 कारोबारी दिनों में 6.93% और 6 महीने में 169.08% की तेजी आई है. इस साल अब तक एनवीडिया के शेयर ने 154.19% का रिटर्न दिया है. वहीं, पिछले एक साल में एनवीडिया का शेयर 216.76% और पिछले 5 साल में 3,265.59% चढ़ा है. एनवीडिया पहले से ही दुनिया की सबसे वैल्युएबल सेमीकंडक्टर फर्म है. एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं. ये हैदराबाद, पुणे, गुरुग्राम और बेंगलुरु में स्थित हैं. ब्लूमबर्ग के मुताबिक, एनवीडिया अपने एआई एक्सेलरेटर को अपग्रेड करने की योजना बना रही है.

जीपीयू को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है कंपनी : एनवीडिया एक टेक्नोलॉजी कंपनी है, जो ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट के डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग के लिए जानी जाती है. 1993 में जेन्सेन हुआंग, कर्टिस प्रीम और क्रिस मालाचोव्स्की ने इसकी स्थापना की थी. इसका मुख्यालय कैलिफोर्निया के सांता क्लारा में है. एनवीडिया गेमिंग, क्रिप्टोकरेंसी माइनिंग और प्रोफेशनल एप्लिकेशन्स के लिए चिप को डिजाइन और मैन्युफैक्चर करती है. इसके साथ-साथ व्हीकल्स, रोबोटिक्स और अन्य उपकरणों में भी उसके चिप सिस्टम का इस्तेमाल होता है.

एनवीडिया के भारत में चार इंजीनियरिंग डेवलपमेंट सेंटर हैं

विजय कुमार येल्ने को अध्यक्ष किया नियुक्त

एजेंसी ।मुंबई

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी कंपनी ईकेए मोबिलिटी ने विजय कुमार येल्ने को कंपनी का अध्यक्ष नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की. कंपनी बयान के अनुसार, मुरली राजू को मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी (सीसीओ) तथा जोएब करमपुरवाला को मुख्य उत्पाद अधिकारी (सीपीओ) नियुक्त किया गया है. इन तीन वरिष्ठ अधिकारियों की नियुक्ति ऐसे समय में की गई है, जब पुणे स्थित कंपनी ने पिछले वर्ष जापानी कंपनी मित्सुई कंपनी तथा नीदरलैंड की वीडीएल समूह को इक्विटी साझेदार के रूप में 850 करोड़ रुपये की निवेश योजना के तहत शामिल किया था.

ईकेए मोबिलिटी ने मार्च 2024 में मित्सुई कंपनी के नोबुयोशी उमेजावा को अपना मुख्य रणनीति अधिकारी भी नियुक्त किया था. ईकेए (पिनेकल मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड) के संस्थापक एवं चेयरमैन सुधीर मेहता ने कहा, हम ईकेए मोबिलिटी परिवार में जोएब, मुरली और विजयकुमार का स्वागत करते हैं. अपने-अपने क्षेत्रों में उनका व्यापक अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा. हम इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में अपने विस्तार को नया रूप देना और बढ़ाना जारी रखेंगे.

वित्त वर्ष 2024-25

अलौह धातुओं की मांग करीब 10 प्रतिशत रहेगी : इक्रा

एजेंसी ।नयी दिल्ली

तांबा और एल्यूमीनियम सहित अलौह धातुओं की मांग चालू वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 10 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो वैश्विक मांग में दो प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि से काफी अधिक है. रेटिंग एजेंसी इक्रा के अनुसार, इसके अलावा कोयले की कीमत में कमी से कच्चे माल की लागत का दबाव भी कुछ हद तक कम होने की संभावना है.

एजेंसी ने बयान में कहा, घरेलू मोर्चे पर वित्त वर्ष 2024-25 में अलौह धातुओं की मांग करीब 10 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो वैश्विक मांग में लगभग दो प्रतिशत की अपेक्षित वृद्धि से काफी अधिक है. इक्रा ने कहा, कोयले पर घरेलू ई-नीलामी प्रीमियम हाल के महीनों में कम किया गया.

अप्रैल 2024 में यह करीब 50 प्रतिशत था जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में करीब 150 प्रतिशत के अत्यधिक स्तर पर था. रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत धातु कीमतें और कच्चे माल की अनुकूल लागत से घरेलू अलौह धातु इकाइयों की लाभप्रदता बढ़ सकती है.

वित्त वर्ष 2024-25

प्रॉपटेक में वित्त पोषण 4% घटा 65.7 करोड़ डॉलर रह गया

एजेंसी ।नयी दिल्ली

वित्त वर्ष 2023-24 में प्रॉपटेक कंपनियों में वित्त पोषण मामूली रूप से चार प्रतिशत घटकर 65.7 करोड़ अमरीकी डॉलर रह गया, जो वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद जुझारुपन को दर्शाता है.

हाउसिंग डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, प्रॉपटेक कंपनियों ने 2010-11 से 2023-24 के बीच कुल 4.6 अरब अमरीकी डॉलर जुटाए, जो 40 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ रहा है. हाउसिंग डॉट कॉम और प्रॉपटाइगर डॉट कॉम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (समूह) ध्रुव अग्रवाल ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक अनिश्चितताओं और विभिन्न क्षेत्रों में वित्त पोषण में मंदी के बावजूद प्रॉपटेक क्षेत्र ने उल्लेखनीय जुझारुपन दिखाया है. उन्होंने बताया कि 2010-11 से प्रॉपटेक कंपनियों में निवेश 40 प्रतिशत की प्रभावशाली सीएजीआर पर कायम है.

गर्मी से राहत

पेय पदार्थ विनिर्माताओं ने कहा- पूर्वी, उत्तर और मध्य भारत में मांग बढ़ी है

गर्मी के बीच कोला, आइसक्रीम की बिक्री में जोरदार उछाल

- हैवमोर आइसक्रीम के अनुसार, उसने उत्पादन बढ़ा दिया है क्योंकि इस साल की मांग पिछले साल से अधिक हो गई है

एजेंसी ।नयी दिल्ली

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच कोला, पेय पदार्थ, आइसक्रीम सहित गर्मी से राहत प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है. पेप्सिको इंडिया और कोका कोला जैसे पेय पदार्थ विनिर्माताओं ने कहा कि पूर्वी, उत्तर और मध्य भारत में मांग में भारी उछाल आया है. कंपनियों ने मांग में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए अपना भंडार (इन्वेंट्री) बढ़ा लिया है. उत्पाद ई-वाणिज्य सहित खुदरा मंच पर उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध हों यह सुनिश्चित किया जा रहा है. पेप्सिको इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, देशभर में तापमान बढ़ने से लोग गर्मी से राहत प्रदान करने वाले पेय पदार्थों की तलाश कर रहे हैं. कोका-कोला इंडिया ने कहा कि गर्मी के मौसम के चरम पर पहुंचने के साथ ही भारतीय पेय बाजार में मांग में उल्लेखनीय तेजी आई है. कोक, थम्सअप, माज़ा, स्प्राइट और मिनट मेड बनाने वाली इस कंपनी की बिक्री में लगातार वृद्धि देखी जा रही है. हैवमोर आइसक्रीम के अनुसार, उसने उत्पादन बढ़ा दिया है क्योंकि इस साल की मांग पिछले साल से अधिक हो गई है.

हैवमोर आइसक्रीम अब दक्षिण कोरियाई कन्फेक्शनरी कंपनी लोटे वेलफूड कंपनी का हिस्सा है. हैवमोर आइसक्रीम के प्रबंध निदेशक कोमल आनंद ने कहा, पिछले साल हमने सबसे भीषण गर्मियों में एक का अनुभव किया. इस साल तो तापमान उसे भी पार कर गया है. उन्हें उम्मीद है कि इस श्रेणी की गति जारी रहेगी. डाबर इंडिया के बिक्री प्रमुख अंशुल गुप्ता ने कहा, पूर्व, उत्तर और मध्य भारत में गर्मी बढ़ने से हम अपने गर्मी में बिकने वाले उत्पादों खासकर ग्लूकोज की बढ़ती मांग देख रहे हैं. इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमने खुदरा और स्टॉकिस्ट दोनों स्तर पर पहले से ही इसका भंडार बढ़ा लिया है. एफएमसीजी (दैनिक उपयोग की घरेलू वस्तुओं) विनिर्माता डाबर इंडिया, रियल ब्रांड जूस और ग्लूकोज के साथ पेय पदार्थ खंड में मौजूद है.

शेयर बाजार से गौतम अडाणी को झटका

रईस कारोबारियों की सूची में अडाणी 14वें स्थान पर फिसले

एजेंसी ।नई दिल्ली

एग्जिट पोल के रुझानों और मतगणना के नतीजे के कारण इस सप्ताह पहले दिन से ही शेयर बाजार में लगातार उतार-चढ़ाव बना हुआ है. इस उतार-चढ़ाव के कारण भारतीय उद्योगपति गौतम अडाणी काफी प्रभावित हुए हैं. पहले 3 दिन में ही गौतम अडाणी की संपत्ति में 8 अरब डॉलर की कमी आ गई है. इसके साथ ही दुनिया के सबसे रईस कारोबारियों की सूची में गौतम अडाणी खिसक कर 14वें स्थान पर आ गए हैं. वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी इस सूची में 11वें स्थान पर हैं.

ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को बाजार में आई जोरदार गिरावट के कारण गौतम अडाणी की व्यक्तिगत संपत्ति 111 अरब डॉलर से घट कर 97.41 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई थी. हालांकि बुधवार को अडाणी की संपत्ति 5.59 अरब डॉलर बढ़ कर 103 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गई.

▼ ब्रीफ खबरें

पाक पीएम बीजिंग पहुंचे चिनफिंग से करेंगे भेंट

बीजिंग। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने, देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए और सहायता के अनुरोध तथा निवेश की संभावनाओं चर्चा करने के लिए बीजिंग पहुंच चुके हैं और उपरोक्त मुद्दों को लेकर वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अन्य नेताओं के साथ बातचीत करेंगे. चार जून से चीन की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आए शरीफ ने बुधवार को अत्याधुनिक शहर शेनझेन का दौरा किया और निवेशकों की बैठक को संबोधित किया.

अभ्यर्थी ने 9वीं मंजिल से कूद कर ली खुदकुशी

कोटा (राजस्थान) : राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-यूजी (नीट-यूजी) के परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही राजस्थान के कोटा में 18 वर्षीय एक अभ्यर्थी ने एक इमारत की नौवीं मंजिल से कथित तौर पर कूदकर खुदकुशी कर ली. पुलिस ने गुरुवार को बताया कि मृतका की पहचान बागीशा तिवारी के रूप में हुई है और वह इसी इमारत की पांचवीं मंजिल पर अपनी मां और भाई के साथ रहती थी. पुलिस ने बताया कि उसे एक निजी अस्पताल ले जाया गया लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया.

दिल्ली की अदालत ने कार्ति को जमानत दी

नयी दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम को गुरुवार को जमानत दे दी. कार्ति चिदंबरम एक समन की तामील करते हुए अदालत में पेश हुए थे और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उन्हें राहत प्रदान की. अदालत ने इससे पहले मामले में ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ समन जारी किया था.

नाव में विस्फोट, चालक सहित छह लोगों की मौत

मनीला । फिलिपीन के सूबू प्रांत में समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई, जिससे चालक दल के कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जबकि अन्य छह को सुरक्षित बचा लिया गया. तटरक्षक अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी. तटरक्षक अधिकारियों ने बताया कि बुधवार रात सेबू प्रांत के नागा शहर के पास 'एफ/बी किंग ब्रायन' नामक नाव में विस्फोट होने से आग लग गई थी. उन्होंने बताया कि नाव के कप्तान सहित जीवित बचे चालक दल के सदस्यों का अस्पताल में इलाज जारी है.

रेल दुर्घटना में चार की मौत, 23 यात्री घायल

प्राग (एपी) । चेक गणराज्य में एक यात्री रेलगाड़ी और एक मालगाड़ी के बीच टक्कर में कम से कम चार यात्रियों की मौत हो गई. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. गृह मंत्री विट रकुसन ने बताया कि इस दुर्घटना में कम से कम 23 यात्री घायल हुए हैं. उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार देर रात प्राग से लगभग 100 किलोमीटर पूर्व में पर्डुबिस शहर में हुई. गृह मंत्री ने बताया कि यात्री रेलगाड़ी निजी कंपनी 'रेजियोजेट' की थी. अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं.

नीलगिरी : नीलगिरी जिले के उधगमंडलम (ऊटी) में बारिश के दौरान पानी से भरी सड़क पर फंसी एक कार को धक्का देते लोग वहीं बारिश के दौरान रेलवे पुलिस स्टेशन पानी से भर गया है.

यूपी की जनता ने फिर से पुराना आदर्श स्थापित किया : प्रियंका

एजेंसियां । लखनऊ

कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी ने लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के प्रदर्शन के लिए जनता और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अवाम ने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है. प्रियंका ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर पोस्ट किए गए संदेश में कहा, उप्र कांग्रेस के मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम. मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई. आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुकदमे लगाये गये, जेल में डाला गया, बार-बार नजरबंद किया गया, मगर आप डरे नहीं. कई नेता डर के चले गये, आप टिके रहे. उन्होंने इसी संदेश में कहा, मुझे गर्व है आप पर और उत्तर प्रदेश की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया. आपने आज की राजनीति में एक पुराना आदर्श फिर से स्थापित किया है.

लोकसभा चुनाव 2019 की तुलना में 2024 में क्षेत्रवार कैसे रहे नतीजे

किस पार्टी को कहां फायदा और कहां हुआ है नुकसान

लगातार न्यूज नेटवर्क । नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं. 4 जून के परिणामों में लोगों की नजरें क्षेत्रवार नतीजों पर भी हैं. तमाम दलों ने क्षेत्र के हिसाब से अपनी रणनीतियां बनाईं और इसके तहत चुनाव प्रचार किया है. नतीजे बताएंगे कि किसकी मेहनत कितनी रंग लाई. आइए जानते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रवार नतीजे कैसे थे? किस क्षेत्र में किसे ज्यादा सीटें आईं और किसे कहां झटका लगा?

उत्तर भारत में भाजपा को लगा बड़ा झटका

उत्तर भारत क्षेत्र में लोकसभा की कुल 205 सीटें आती हैं. ये सीटें जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड को मिलाते हुए कुल 12 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की हैं. इस लोकसभा चुनाव में 205 में से 90 सीटें भाजपा के खाते में गईं. मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस के 32 सांसद जीते. वहीं 83 सीटों पर अन्य को जीत मिली. पिछले लोकसभा चुनाव में 205 में से 146 सीटें भाजपा के खाते में गई थीं. कांग्रेस के महज 11 सांसद ही जीत सुनिश्चित कर पाए थे. वहीं 48 सीटों पर अन्य को जीत मिली थी.

दक्षिण भारत में भाजपा-कांग्रेस से आगे क्षेत्रीय दल

इस क्षेत्र से कुल 132 सांसद चुन कर आते हैं. दक्षिण भारत की ये सीटें तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार जैसे कुल आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से आती हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में 132 में से कांग्रेस ने 42 सीटों पर जीत हासिल की. भाजपा ने 30 सीटों पर जीत हासिल की. वहीं इन दलों से काफी आगे क्षेत्रीय पार्टियों के 60 सांसद चुने गए हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में 132 में से कांग्रेस और भाजपा दोनों ने 29-29 सीटों पर जीत हासिल की थी. वहीं क्षेत्रीय पार्टियों के 74 सांसद चुन कर लोकसभा पहुंचे थे.

प भारत में भाजपा को नुकसान तो कांग्रेस को फायदा

इस क्षेत्र से लोकसभा की कुल 78 सीटें आती हैं. ये सांसद गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा नगर हवेली, दमन-दीव से चुन कर संसद पहुंचते हैं. इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 78 में से 36 सीटों पर जीत दर्ज की. वहीं कांग्रेस के केवल 15 उम्मीदवार लोकसभा संसद चुने गए. वहीं अन्य दलों के 27 सांसद जीते हैं. बीते लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 78 में से 51 सीटों पर अपना परचम लहराया था. वहीं देश की सबसे पुरानी पार्टी के केवल दो उम्मीदवार लोकसभा संसद चुने गए थे. अन्य दलों के 25 सांसद जीतकर संसद पहुंचे थे.

पूर्वी भारत में अन्य दलों और भाजपा की टक्कर

देश के इस हिस्से से कुल 88 सीटें आती हैं. ये सांसद पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा, सिक्किम और नगालैंड जैसे 10 राज्यों से चुने जाते हैं. लोकसभा चुनाव 2024 में 88 में से 45 सीटों पर भाजपा ने सफलता हासिल की. दूसरी ओर कांग्रेस के केवल नौ सांसद लोकसभा तक पहुंचेंगे. इसके अलावा 35 सांसद अन्य दलों के जीतकर आए. पिछले लोकसभा चुनाव में 88 में से 40 सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की थी. कांग्रेस के महज सात सांसद संसद के निचले सदन तक पहुंचे थे. इसके अलावा 41 सांसद अन्य दलों के जीतकर आए थे.

मध्य भारत में एक सीट पर सिमटी कांग्रेस

इस क्षेत्र में कुल 40 लोकसभा सीटें हैं. जहां मध्य प्रदेश से लोकसभा के 29 सांसद चुने जाते हैं तो छत्तीसगढ़ में 11 सीटें हैं. इस चुनाव में 40 में से 39 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है. वहीं कांग्रेस के खाते में मात्र एक सीट ही आई. पिछले चुनाव में 40 में से 37 सीटों पर भाजपा को जीत मिली थी. वहीं कांग्रेस के खाते में मात्र तीन सीटें ही आई थीं.

बिहार और आंध्र प्रदेश का मामला

क्या मोदी विशेष राज्य के दर्जे का वादा पूरा करेंगे : जयराम

एजेंसियां । नयी दिल्ली

कांग्रेस ने गुरुवार को तंज कसते हुए निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक तिहाई प्रधानमंत्री करार दिया और उनसे यह बताने को कहा कि क्या वह आंध्र प्रदेश और बिहार के लिए विशेष राज्य के दर्जे के वादे को पूरा करेंगे? इस लोकसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगू देशम पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, बार-बार दावा किया जा रहा है कि अब मोदी 3.0 सरकार बनेगी. हकीकत यह है कि अबकी बार, मोदी एक तिहाई सरकार. उन्होंने कहा, एक तिहाई प्रधानमंत्री बनने जा रहे मोदी जी से हमारे 4 सवाल : 30 अप्रैल 2014 को पवित्र नगरी तिरुपति में आपने आंध्र प्रदेश को विशेष दर्जा देने का वादा किया था. क्या वह वादा अब पूरा होगा? रमेश ने सवाल किया कि क्या आप विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण को अब रोकेंगे? उन्होंने यह भी पूछा, क्या आप बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देकर अपने 2014 के चुनावी वादे और अपने सहयोगी नीतीश की 10 साल पुरानी मांग को पूरा करेंगे?

दिल्ली में जल संकट

न्यायालय ने 137 क्यूसेक जल छोड़ने के दिए निर्देश

नयी दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी में जारी जल संकट के बीच उच्चतम न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश गुरुवार को दिया. न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार को कोई आपत्ति नहीं है और वह उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त जल छोड़ने को तैयार है. पीठ ने निर्देश दिया कि हिमाचल प्रदेश द्वारा छोड़े गए अतिरिक्त जल के प्रवाह को हरियाणा सुगम बनाए रखने में मदद करे ताकि जल राष्ट्रीय राजधानी तक पहुंच सके. उच्चतम न्यायालय ने स्पष्ट किया कि दिल्ली सरकार को पानी की बर्बादी नहीं करनी चाहिए. न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को सात जून को अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया.

सुलीवन भारत की यात्रा पर जाएंगे : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन : भारत के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार शपथ लेने की तैयारी के बीच अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन अमेरिका-भारत साझा प्राथमिकताओं पर नयी सरकार के साथ चर्चा करने के लिए नयी दिल्ली जाएंगे. व्हाइट हाउस ने यह जानकारी दी. अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी को फिर से चुने जाने पर बधाई देने के लिए बुधवार को फोन किया और इसी दौरान दोनों नेताओं के बीच सुलीवन की यात्रा पर चर्चा की गई. व्हाइट हाउस ने कहा, राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की और उन्हें तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को भारत के आम चुनाव में जीत पर बधाई दी. बाइडन ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में 65 करोड़ भारतीयों के हिस्सा लेने पर उनकी सराहना की. व्हाइट हाउस ने कहा, दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन की नयी दिल्ली की आगामी यात्रा पर भी चर्चा की.

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर महिला सिपाही ने कंगना को मारा थप्पड़

एजेंसी । चंडीगढ़/नयी दिल्ली

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने गुरुवार को दिल्ली जा रही भाजपा की नवनिर्वाचित सांसद कंगना रनौत को कथित रूप से थप्पड़ मार दिया. अधिकारियों ने बताया कि महिला सिपाही को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है. उन्होंने बताया कि कंगना के विमान में सवार होने से पहले हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ सिपाही ने कथित रूप से अभिनेत्री को थप्पड़ मारा. वहीं, कंगना ने एक वीडियो बयान जारी कर कहा कि दिल्ली जाते वक्त चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान सीआईएसएफ की एक महिला सिपाही ने उन्हें थप्पड़ मारा और उनके साथ गाली-गलौज की. कंगना ने पंजाब में आतंक और हिंसा में हैरान करने वाली वृद्धि शीर्षक से एक वीडियो बयान पोस्ट किया. कंगना ने वीडियो में कहा कि वह सुरक्षित और ठीक हैं, लेकिन पंजाब में बढ़ते आतंकवाद को लेकर चिंतित भी हैं. कंगना ने दिल्ली पहुंचने के बाद बयान जारी कर कहा कि महिला सिपाही उनकी ओर आई. कंगना ने कहा, उसने मुझे थप्पड़ मारा और मुझे गाली देनी शुरू कर दी. उन्होंने कहा, जब मैंने उससे पूछा कि उसने ऐसा क्यों किया, तो उस सिपाही ने कहा कि वह किसान आंदोलन का समर्थन करती है.

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट का चौथा टेस्ट

टेक्सास । दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप को गुरुवार को टेक्सास के बोका चिका से शाम 6.20 बजे लॉन्च किया गया. ये टेस्ट 65 मिनट का है. इसमें स्टारशिप को स्पेस में ले जाने के बाद वापस पृथ्वी पर लाया जाएगा और पानी में लैंडिंग कराई जाएगी. इस बार के टेस्ट का मेन गोल यह देखना है कि स्टारशिप पृथ्वी के वातावरण में एंट्री के दौरान सर्वाइव कर पाती है या नहीं. इससे पहले रॉकेट का तीसरा टेस्ट करीब-करीब सक्सेसफुल था, जिसे 14 मार्च को शाम 6:55 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया था.

जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन लोगों की हो गई मौत

एजेंसी । सतना (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक गाय को बचाने के लिए कुएं में उतरे तीन लोगों की संदिग्ध जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गई और दो अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

उन्होंने बताया कि यह घटना बुधवार रात उमरी गांव में हुई. नागौद थाना प्रभारी अशोक पांडे ने बताया, ग्रामीणों के एक समूह ने देखा कि एक गाय कुएं में गिर गई है जिसके बाद उनमें से तीन रस्सी के सहारे नीचे उतरे और गाय को बाहर निकाला गया. उन्होंने बताया कि कुएं में उतरने के बाद उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई. उनमें से एक व्यक्ति किसी तरह बाहर निकल आया और बेहोश हो गया. इसके बाद ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी. पांडे ने बताया कि पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और उनकी मदद से कुछ स्थानीय निवासी गीले कपड़े से मुंह ढककर कुएं में उतरे और अंदर फंसे लोगों को बाहर निकाला.

उन्होंने कहा कि गांव वालों ने तीनों लोगों को कुएं से बाहर निकाल लिया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका. मौके पर बुलाए गए एक डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतकों की पहचान अशोक सिंह (45), रामरतन (22) और विष्णु (24) के रूप में हुई है.

सुपरटेक के प्रमुख आरके अरोड़ा को मिली जमानत

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने धनशोधन मामले में गुरुवार को सुपरटेक के चेयरमैन आरके अरोड़ा को जमानत दे दी. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार जांगला ने अरोड़ा को राहत प्रदान करते हुए कहा कि उनके मुकदमे से भागने या जांच को प्रभावित करने की कोई आशंका नहीं है. अरोड़ा को पिछले साल जून में गिरफ्तार किया गया था. दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), हरियाणा पुलिस और उत्तर प्रदेश पुलिस ने सुपरटेक लिमिटेड और समूह की कंपनियों तथा अरोड़ा के खिलाफ आपराधिक साजिश, धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में 26 प्राथमिकी दर्ज की थीं.

गाजा के स्कूल पर इजराइली हमले में 30 की मौत, पांच बच्चे भी शामिल

गाजा पट्टी । मध्य गाजा में एक स्कूल पर इजरायली हमले में पांच बच्चों सहित कम से कम 30 लोग मारे गए. इजराइली सेना ने कहा कि इस स्कूल का इस्तेमाल हमास के अड्डे के रूप में किया जा रहा था. स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी. यह हमला तब हुआ जब सेना ने कहा कि वह मध्य गाजा में नए हवाई और जमीनी अभियान शुरू कर रही है और एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा समूह ने हताहतों की संख्या में वृद्धि की सूचना दी है.

चिंता अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की हमारी टीम ने अपने ज्ञान को मिलाकर यह मॉडल तैयार किया है

भूजल गर्म हो रहा है, जिससे हमारा जीवन खतरे में पड़ रहा है

एजेंसियां । डार्विन/हैलिफैक्स

आपके पैरों के नीचे दुनिया का सबसे बड़ा जल भंडार है. भूजल सभी उपयोग योग्य मीठे पानी का 97% हिस्सा होता है. यह कहां है? चट्टानों के भीतर खाली जगहों में और दरारों में. हम इसे तब देखते हैं जब यह झरनों में, गुफाओं में सतह पर आ जाता है, या जब हम इसे उपयोग के लिए पंप करते हैं. जबकि भूजल अक्सर छिपा हुआ होता है, यह दुनिया भर के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करता है और लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है.

आप सोच सकते हैं कि भूजल को जलवायु परिवर्तन से बचाया जाएगा, क्योंकि यह भूमिगत है. लेकिन अब ऐसा नहीं है. जैसे-जैसे वातावरण गर्म होता जा रहा है, अधिक से अधिक गर्मी भूमिगत रूप से प्रवेश कर रही है. इस बात के पहले से ही पर्याप्त सबूत हैं कि उपसतह गर्म हो रही है. अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की हमारी टीम ने अपने ज्ञान को मिलाकर यह मॉडल तैयार किया है कि भविष्य में भूजल कैसे गर्म होगा. वास्तविक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन परिदृश्य के तहत, अनुमानित औसत वैश्विक वायुमंडलीय तापमान 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ, भूजल 2000 की तुलना में 2100 तक औसतन 2.1 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाएगा. यह तापमान क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग होता है और सतह की तुलना में इसमें दशकों की देरी होती है, क्योंकि भूमिगत द्रव्यमान को गर्म होने में समय लगता है.

ऊष्मा दसियों मीटर गहरी परतों में संग्रहित होती है

आप सोच रहे होंगे कि गर्म भूजल के परिणाम क्या होंगे. सबसे पहले, अच्छी खबर. जमीन की सतह के नीचे गर्मी बढ़ने से समुद्र की तुलना में 25 गुना कम ऊर्जा फंस रही है, लेकिन यह अभी भी महत्वपूर्ण है. यह ऊष्मा दसियों मीटर गहरी परतों में संग्रहित होती है, जिससे उस तक पहुंच आसान हो जाती है. हम इस अतिरिक्त गर्मी का उपयोग सतह से कुछ मीटर नीचे से अपने घरों को लगातार गर्म करने के लिए कर सकते हैं. नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली द्वारा संचालित ताप पंपों का उपयोग करके गर्मी निकाली जा सकती है. पूरे यूरोप में अंतरिक्ष हीटिंग के लिए जियोथर्मल हीट पंप की लोकप्रियता बढ़ रही है.

भूजल क्यों महत्वपूर्ण है

दुनिया के कई हिस्सों में लोग पीने के पानी के मुख्य स्रोत के रूप में भूजल पर निर्भर हैं. लेकिन भूजल के गर्म होने से हमारे द्वारा पीने वाले पानी की गुणवत्ता खराब हो सकती है. तापमान रासायनिक प्रतिक्रियाओं से लेकर माइक्रोबियल गतिविधि तक हर चीज को प्रभावित करता है. उदाहरण के लिए, गर्म पानी अधिक हानिकारक प्रतिक्रियाओं को ट्रिगर कर सकता है, जहां धातुएं पानी में बाहर निकल जाती हैं. यह उन क्षेत्रों में विशेष रूप से चिंताजनक है जहां स्वच्छ पेयजल तक पहुंच पहले से ही सीमित है. खेती, विनिर्माण और ऊर्जा उत्पादन जैसे उद्योग अक्सर अपने संचालन के लिए भूजल पर निर्भर होते हैं. यदि वे जिस भूजल पर निर्भर हैं वह बहुत अधिक गर्म या अधिक प्रदूषित हो जाता है, तो यह उनकी गतिविधियों को बाधित कर सकता है .हमारा अध्ययन वैश्विक है, लेकिन हमें इस बारे में और अधिक पता लगाना होगा कि भूजल कैसे गर्म हो रहा है और इसका स्थानीय स्तर पर क्या प्रभाव पड़ सकता. समय के साथ और विभिन्न क्षेत्रों में भूजल तापमान कैसे बदल रहा है.

मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा

लोस चुनाव में डाक मत पत्र को छोड़ कर 65.79 % मतदान हुआ

एजेंसियां । दिल्ली

निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को कहा कि हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में 65.79 प्रतिशत मतदान हुआ लेकिन अंतिम आंकड़ों में बदलाव हो सकता है क्योंकि इसमें डाक मतपत्र शामिल नहीं हैं. मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि इस लोकसभा चुनाव में कुल 64.2 करोड़ मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया था. साल 2019 के संसदीय चुनावों में 67.40 प्रतिशत मतदान हुआ था. साल 2019 में भारत में 91.20 करोड़ मतदाता थे और इनमें से 61.5 करोड़ ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था. 2024 के चुनावों में, मतदाताओं की संख्या बढ़कर 96.88 करोड़ हो गई. आयोग ने एक बयान में कहा, आम चुनाव, 2024 में मतदान केंद्रों पर कुल मिलाकर 65.79 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया. मतदान केंद्र पर मतदान का मतलब है इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से किया गया मतदान. आयोग ने कहा कि डाक मतों की संख्या और सकल मतदान प्रतिशत वाली विस्तृत सांख्यिकीय रिपोर्ट राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मानक प्रक्रिया के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)